राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

उज्ज्वल दुनिया

रांची, दिल्ली और यूपी से एक साथ प्रकाशित

वर्ष, 12 | पृष्ठ 12 | अंक 115 | रांची, बुधवार, 01 जुलाई 2026 | मूल्य 3 रुपये | RNI No.- JHAHIN/ 2014/59794 | ujjwalduniyapress@ gmail.com

आज का दिन

भारतीय अर्थव्यवस्था के इतिहास में 01 जुलाई का दिन एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में दर्ज है। वर्ष 2017 में इसी दिन केंद्र सरकार ने देशभर में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली लागू की थी। इसे स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में से एक माना जाता है। जीएसटी लागू होने से पहले देश में केंद्र और राज्यों द्वारा कई प्रकार के अप्रत्यक्ष कर लगाए जाते थे, जिनमें उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट, प्रवेश कर और अन्य स्थानीय कर शामिल थे।

हूल विद्रोह अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष की अमर प्रेरणा : हेमन्त सोरेन

मुख्यमंत्री ने हुल विद्रोह के महान नायकों और अमर शहीदों सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और उनकी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन ने मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर रांची के मोरहाबादी स्थित सिदो-कान्हू उद्यान पहुंचकर हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हूल विद्रोह को देश के इतिहास में शोषण और अन्याय के विरुद्ध छेड़े गए सबसे बड़े जनआंदोलनों में से एक बताते हुए कहा कि इसकी प्रेरणा आज भी समाज को अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने का साहस देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक संघर्ष का प्रतीक है, जब आदिवासी समाज के वीरों ने अंग्रेजी शासन और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ निर्णायक आवाज बुलंद की थी। उन्होंने कहा कि उस समय देश में शोषित और वंचित लोगों के पास

अन्याय से मुक्ति का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था। ऐसे कठिन दौर में अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना शोषण के विरुद्ध हूल क्रांति का बिगुल फूंका। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वीर सपूतों ने यह संदेश दिया कि अन्याय और अत्याचार के सामने कभी झुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में जहां कहीं भी कमजोर और वंचित वर्गों का शोषण होता है, वहीं से संघर्ष और परिवर्तन की नई शुरूआत होती है। इसलिए हूल विद्रोह केवल इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के लिए सतत प्रेरणा का स्त्रोत है। हेमन्त सोरेन ने कहा कि झारखंड की पहचान वीरों और बलिदानियों की धरती के रूप में रही है। यहां समय-समय पर अनेक महापुरुषों ने समाज और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। राज्य सरकार ऐसे सभी महापुरुषों के योगदान को सम्मानपूर्वक याद करती है और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि क्रांति की आग कभी बुझती नहीं है और न ही उसे बुझाया जा सकता है। क्रांति की चिंगारी हमेशा समाज में जीवित रहती है और समय आने पर अन्याय के खिलाफ लोगों को एकजुट होने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि देश के विभिन्न स्मारकों पर शहीदों की स्मृति में अखंड ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहती है। दिल्ली के राजघाट और इंडिया गेट पर जलने वाली ज्योति इसी अमर बलिदान और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हूल विद्रोह के महानायकों का इतिहास स्वर्ण अक्षरों में अंकित है और आने वाली पीढ़ियां भी उनके साहस, त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेती रहेंगी। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि वे अमर शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और सामाजिक न्याय, समानता तथा मानवता के मूल्यों को मजबूत बनाने में योगदान दें। इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन ने भी अमर शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने हूल विद्रोह के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष सहित कई नेताओं ने 'हूल दिवस' पर वीरों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली, । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने मंगलवार को 'हूल दिवस' के अवसर पर भारत की स्वतंत्रता, आदिवासी अस्मिता और सामाजिक न्याय के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर कहा, ररहूल दिवसह्व के अवसर पर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो तथा संथाल विद्रोह के सभी अमर वीर-वीरांगनाओं के त्याग और बलिदान को सादर नमन करती हूं। जनजातीय समाज के शोषण के विरुद्ध तथा उनकी अस्मिता की रक्षा के लिए उन्होंने ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनका शौर्य, त्याग और बलिदान सभी देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। बिरला ने कहा कि आज के दिन महान क्रांतिकारी सिदो और कान्हू के नेतृत्व में ऐतिहासिक संथाल हूल के उन हजारों वीर आदिवासी स्त्री-पुरुषों को नमन, जिन्होंने औपनिवेशिक शासन, शोषण और अन्याय के विरुद्ध अदम्य साहस के साथ संघर्ष का बिगुल फूंका। जल, जंगल, जमीन, स्वाभिमान और अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए लड़ा गया यह एक महान जनआंदोलन था। इस जनक्रांति

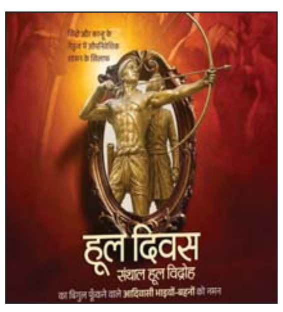

ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा प्रदान की और कागे चलकर अनेक आंदोलनों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनी। उन अमर हुतात्माओं का शौर्य, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। अमित शाह ने कहा कि जनजातीय स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिदो-कान्हू मुर्मु, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष का ऐसा शंखनाद किया, जिसने पराधीनता के विरुद्ध जन-जन में प्रतिरोध की चेतना का संचार किया। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि संथाल हूल दिवस जनजातीय समुदाय द्वारा आजादी के लिये किये गये संघर्ष का प्रतीक है। आज का दिन उन महान देशभक्तों को स्मरण करने का दिन है जिन्होंने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध लड़ते हुए अपना संपूर्ण जीवन बलिदान कर दिया।

रिम्स में एक्शन मोड में निदेशक, सेंट्रल किचन और मेडिसिन विभाग का औचक निरीक्षण

एजेंसी

रांची। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान यानी रिम्स में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निदेशक प्रो. डॉ. डी. के. सिन्हा ने मंगलवार को सेंट्रल किचन और मेडिसिन विभाग का औचक निरीक्षण किया. इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. हिरेन्द्र बिरुआ, उप चिकित्सा अधीक्षक समेत कई वरीय अधिकारी भी मौजूद रहे. निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं, भोजन की गुणवत्ता और विभागीय कार्यप्रणाली की विस्तार से समीक्षा की गई.

सेंट्रल किचन में सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी

सेंट्रल किचन के निरीक्षण के दौरान निदेशक ने भोजन तैयार करने की प्रक्रिया, खाद्य सामग्री के भंडारण, रसोईघर की स्वच्छता, भोजन वितरण प्रणाली और संबंधित अभिलेखों की जांच की. निरीक्षण में रसोई घर के कुछ हिस्सों में साफ-सफाई संतोषजनक नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की और अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए.

पौष्टिक और सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने पर जोर

निदेशक ने स्पष्ट कहा कि अस्पताल में भर्ती प्रत्येक मरीज को निर्धारित मानकों के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन मिलना चाहिए. उन्होंने संबंधित एजेंसी और अधिकारियों को खाद्य सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी.

उपस्थिति रजिस्टर और रिकॉर्ड की भी हुई जांच

निरीक्षण के दौरान रसोईघर के कर्मचारियों के उपस्थिति पंजी की भी जांच की गई. निदेशक ने अधिकारियों को सभी अभिलेखों का नियमित संधारण करने और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए, ताकि कार्य व्यवस्था अधिक पारदर्शी और प्रभावी बन सके.

उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका: सचिन अहीर शिवसेना में हुए शामिल

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़ा उलटफेर हुआ है. 'शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे)' पार्टी को एक और बड़ा राजनीतिक झटका लगा है. विधान परिषद सदस्य सचिन अहीर ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़कर शिवसेना का दामन थाम लिया है. शिवसेना में शामिल होते ही अहीर को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी गई. पार्टी ने उन्हें विधान परिषद के उपसभापति पद के लिए अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित कर दिया. उनका नामांकन पत्र पहले ही दाखिल किया जा चुका है, और इस कदम से विधान परिषद के भीतर राजनीतिक समीकरण बदलने की उम्मीद है.
दलबदल विरोधी कानून के तकनीकी प्रावधानों के कारण, सचिन अहीर के खिलाफ तुरंत कोई कार्रवाई होने की संभावना नहीं है. ऐसा लगता है कि उन्होंने

औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल होने से पहले शिवसेना के बैनर तले उपसभापति पद के लिए अपना नामांकन दाखिल करने और इस पद को सुरक्षित करने की योजना बनाई थी. ऐसा इसलिए है क्योंकि भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची, जो दलबदल विरोधी कानून से संबंधित है, में आठ पैराग्राफ हैं जो विस्तार से बताते हैं कि यह कानून किस पर लागू होता है और किस पर नहीं.
इस प्रावधान के तहत, कुछ संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को दलबदल विरोधी कानून के दायरे से विशेष छूट दी गई है. इसमें लोकसभा के अध्यक्ष (स्पीकर) और उपाध्यक्ष (डिप्टी स्पीकर), राज्यसभा के उपसभापति, विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, तथा विधान परिषद के सभापति और उपसभापति जैसे उच्च और निष्पक्ष पदों पर नियुक्त व्यक्ति शामिल हैं. चूंकि सचिन अहिर को विधान परिषद के उपसभापति की भूमिका (या इसी तरह की कोई संवैधानिक जिम्मेदारी) सौंपने की योजना है, इसलिए उन्हें इस विशेष प्रावधान का लाभ मिल सकता है.

प्रधानमंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, गृहमंत्री ने भी हूल क्रांति के महानायकों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी मंगलवार को हूल दिवस पर हूल क्रांति के महानायकों को श्रद्धासुमन अर्पित किया है। इन नेताओं ने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट कर जनजातीय समाज के महानायकों के जज्बे को नमन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा है कि हूल दिवस मातृभूमि के लिए मर-मिटने वाले हमारे आदिवासी समाज के अद्भुत जज्बे का सशक्त प्रतीक है। भारतीय इतिहास के इस गौरवशाली अवसर पर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो जैसे उन सभी वीर-वीरांगनाओं को मेरी आदरपूर्ण श्रद्धांजलि, जिन्होंने विदेशी शासन के अन्याय का डटकर मुकाबला किया। जनजातीय गरिमा और मान-सम्मान की रक्षा के लिए उनके संघर्ष और बलिदान की कहानी देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार करती रहेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भारत के जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिदो-कान्हू, चाँद और भैरव मुर्मू सहित सभी वीर क्रांतिकारियों को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि संथाल क्रांति ने अन्याय, शोषण और अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध स्वाभिमान, साहस तथा जनप्रतिरोध की ऐसी चेतना जगाई, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा प्रदान की। इन अमर सेनानियों का अद्वितीय बलिदान हमारी जनजातीय गौरवशाली परंपरा और राष्ट्रभक्ति के प्रति अटूट संकल्प का प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। गृह मंत्री अमित शाह ने जनजातीय अस्मिता और मातृभूमि के लिए संथाल क्रांति में अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले सभी बलिदानियों को 'हूल दिवस' के अवसर पर स्मरण कर नमन करते हुए कहा है कि जनजातीय स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिदो-कान्हू मुर्मु, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष का ऐसा शंखनाद किया, जिसने पराधीनता के विरुद्ध जन-जन में प्रतिरोध की चेतना का संचार किया।

तमिलनाडु गैस रिसाव हादसे में सभी 42 प्रवासी श्रमिक ट्रेन से झारखंड के लिए रवाना

एजेंसी

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए श्रम विभाग और राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष की ओर से तमिलनाडु गैस रिसाव हादसा में प्रभावित झारखंड के सभी 42 श्रमिकों की सुरक्षित झारखण्ड वापसी सुनिश्चित कर ली गई है। सभी श्रमिक ट्रेन से झारखंड के लिए रवाना हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित सेंट पीटर्स एंड पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स फैसिलिटी में 21 जून 2026 को हुई अमोनिया गैस रिसाव की दुःखद औद्योगिक दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश जारी किए थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष को स्पष्ट आदेश दिया था कि प्रभावित झारखंड के सभी प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित और सकुशल गृह वापसी के लिए तत्काल हर संभव कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करते हुए श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के सचिव और श्रमायुक्त के मार्गदर्शन में नियंत्रण कक्ष ने तिरुवल्लूर जिला प्रशासन, तमिलनाडु श्रम विभाग, रेलवे बोर्ड, दक्षिण रेलवे एवं अस्पताल प्रशासन के साथ 24 घंटे समन्वय स्थापित कर रेस्क्यू और राहत अभियान चलाया। इस औद्योगिक हादसे में झारखण्ड के कुल 42 प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जिन्होंने अपने गृह राज्य लौटने की इच्छा व्यक्त की। झारखंड सरकार के विशेष अनुरोध और सतत समन्वय के बाद, रेलवे प्रशासन की ओर से ट्रेन अलप्पुझाझ्रधनबाद एक्सप्रेस में झारखंड के श्रमिकों के लिए एक विशेष स्लीपर कोच स्वीकृत किया गया। इसके बाद मंगलवार को सभी 42 श्रमिक चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से सकुशल झारखंड के लिए प्रस्थान कर चुके हैं।

झारखंड में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू, राज्य के 2 करोड़ 64 लाख 63 हजार 236 वोटर की होगी जांच

एजेंसी

रांची/गढ़वा: झारखंड में मंगलवार से मतदाताओं की एसआईआर प्रक्रिया शुरू हो गई है. इसके तहत राज्य के 2 करोड़ 64 लाख 63 हजार 236 वोटर की जांच होगी. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण एक सहभागी एवं पारदर्शी प्रक्रिया है, इसका हर स्तर पर अंकेक्षण किया जाता है एवं अपील के भी प्रावधान हैं.

BLO-BLA-2 की बैठक हुई आयोजित

उन्होंने कहा कि आज पूरे राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में बीएलओ एवं बीएलए-2 की बैठक आयोजित की गई. इसके साथझ्रसाथ सभी मतदान केंद्रों के लिए बीएलओ को इन्यूमरेशन फॉर्म भी उपलब्ध करा दिया गया है. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वोटर लिस्ट में 2 करोड़ 64 लाख 63 हजार 236 वोटर शामिल है, हर वोटर के लिए दो दो इन्यूमरेशन फॉर्म बूथों पर उपलब्ध करा दिए गए हैं.

SIR में दर्ज वोटर की जानकारी जिक्र करना अनिवार्य

29 जुलाई तक चलने वाले

इन्यूमरेशन के दौरान बीएलओ घर-घर जाकर हर वोटर से संपर्क करेंगे. इन्मूरेशन फॉर्म में पिछले एसआईआर में दर्ज वोटर की जानकारी जिक्र करना अनिवार्य होगा और उस पर हस्ताक्षर कर बीएलओ को हर वोटर सौंपेंगे. उन्होंने प्रवासी मतदाताओं के संबंध में कहा कि ऐसे मतदाता ऑनलाइन माध्यम से अपने बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म जमा कर सकते हैं, साथ ही मतदाता के अनुपस्थिति में उनके पात्र मतदाता परिजन भी उनके स्थान पर इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर संबंधित बीएलओ को जमा करा सकते हैं. उन्होंने कहा कि मतदाताओं की मैपिंग को दो स्तरीय प्रक्रिया द्वारा सत्यापित करने का कार्य किया जाएगा, जिसमें पहले स्तर पर बीएलओ सुपरवाइजर एवं दूसरे स्तर पर ईआरओ/एईआरओ द्वारा सत्यापित किया जाना है.

SIR की प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए: CEO

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है. गैर भारतीय इस प्रक्रिया में भाग न लें. हर पात्र भारतीय नागरिक जो इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करेंगे, उनका नाम 5 अगस्त को मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में शामिल किया जाएगा. इन्यूमरेशन फॉर्म भरते समय मतदाताओं को किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं देने होंगे.

घर-घर जाकर होगा एसआईआर

इस मौके पर जब बीएलओ घर-घर आये तो वैसे मतदाता जिनकी अभी भी विगत विशेष गहन पुनरीक्षण के मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हुई है, वे बीएलओ को अपना विवरण बताकर मैपिंग करा लें. जन्म तिथि के आधार पर अपना, अपने माता पिता में से किसी एक का अथवा माता पिता दोनों का विगत के एसआईआर से मैपिंग के क्रम में अपने बीएलओ से विवरण साझा करेंगे. उन्होंने बताया कि 5 श्रेणी के मतदाता एब्सेंट, परमानेंटली शिफ्टेड, डेथ, डुप्लिकेट एवं गैर भारतीय का मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन में नाम शामिल नहीं किया जाएगा.

एक भी अपात्र शख्स मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे: सीईओ

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने भारत के संविधान के आर्टिकल 326 का जिक्र करते हुए कहा कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से नहीं छूटेंगे और एक भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में नहीं जुड़ेंगे. इसके लिए विशेष गहन पुनरीक्षण के सभी कार्य किए जा रहे हैं.

पारदर्शी होगी एसआईआर की प्रक्रिया

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने आगे बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी एवं सहभागी है. हर फेज की जानकारी सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाता है.

THE इम्पैक्ट रेटींस 2026 में श्री श्री यूनिवर्सिटी की नई उड़ान

सतत विकास के मानकों पर वैश्विक स्तर पर मजबूत हुई पहचान

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कटक/राँची। शिक्षा, शोध और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में निरंतर किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम ओड़िशा के कटकस्थित श्री श्री यूनिवर्सिटी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिला है। टाइम्स हायर एजुकेशन (ळलएए) सस्टेनेविलिटि इम्पैक्ट रेटींस 2026 में विश्वविद्यालय ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए वैश्विक और राष्ट्रीय रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (रउ्रक्ष) के आधार पर जारी इस प्रतिष्ठित रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने समग्र वैश्विक श्रेणी में 401झ्र600 से छलांग लगाकर 301झ्र400 वर्ग में स्थान बनाया है। भारत में इसकी रैंकिंग 24वें स्थान से सुधरकर 20वें

स्थान पर पहुंच गई है, जबकि ओडिशा में विश्वविद्यालय ने लगातार चौथा स्थान बरकरार रखा है। सतत विकास लक्ष्यों के विभिन्न मानकों पर भी विश्वविद्यालय का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा है। एसडीजी-2 (शून्य भूख) में श्री श्री यूनिवर्सिटी ने वैश्विक स्तर पर 39वां स्थान प्राप्त किया है। इस श्रेणी में विश्वविद्यालय भारत में तीसरे और ओडिशा में पहले स्थान पर रहा। खाद्य सुरक्षा, पोषण, टिकाऊ कृषि तथा सामुदायिक सहभागिता से जुड़े विश्वविद्यालय के प्रयासों को इस उपलब्धि के पीछे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता के क्षेत्र में भी विश्वविद्यालय ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। एसडीजी-13 (जलवायु कार्रवाई) में उसे वैश्विक स्तर पर 101झ्र200 श्रेणी में स्थान मिला है। इस श्रेणी में विश्वविद्यालय भारत में नौवें तथा ओडिशा में दूसरे स्थान पर रहा। हरित परिसर के विकास, ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा एसडीजी-4 (गुणवत्तापूर्ण शिक्षा), एसडीजी-15 (स्थलीय जीवन) तथा एसडीजी-7 (सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा) में भी विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर 101झ्र200 श्रेणी में स्थान प्राप्त हुआ है। भारत में इन श्रेणियों में उसकी रैंक क्रमशः 16वीं, 11वीं और 18वीं रही, जबकि ओडिशा में विश्वविद्यालय ने चौथा, तीसरा और चौथा स्थान हासिल किया। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह उपलब्धि केवल रैंकिंग में सुधार नहीं, बल्कि शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, सामाजिक सेवा और पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति संस्थान की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विश्वविद्यालय लगातार ऐसे शैक्षणिक और सामाजिक कार्यक्रम संचालित कर रहा है, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक चुनौतियों के प्रति संवेदनशील बनाना और सतत विकास की दिशा में सक्रिय योगदान के लिए प्रेरित करना है। उल्लेखनीय है कि टाइम्स हायर एजुकेशन इम्पैक्ट रैंकिंग विश्व के उच्च शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन संयुक्त राष्ट्र के 17 सतत विकास लक्ष्यों के आधार पर करती है। इस वर्ष श्री श्री यूनिवर्सिटी का बेहतर प्रदर्शन यह दशार्ता है कि संस्थान केवल अकादमिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और वैश्विक उत्तरदायित्व के क्षेत्रों में भी अपनी सशक्त पहचान बना रहा है।

कांग्रेस कार्यकताओं ने मतदान केंद्रों पर की विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर बैठक

उज्जवल दुनिया संवाददाता

सिल्ली : मंगलवार के दिन सिल्ली प्रखंड अंतर्गत मतदान केंद्रों पर कांग्रेस जनों के द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 को लेकर बैठक की गई।कांग्रेस प्रखंड कमेटी सिल्ली की ओर से बनाए गए बीएलए दो को लेकर कार्यकर्ता काफी उत्सुकता पूर्वक अपनी जिम्मेवारी संभालते हुए अपने-अपने बूथों पर पाए गए।कार्यकताओं का कहना था इस अभियान को सफल बनाना हमारा उद्देश्य है। सिल्ली के खेदाडीह गांव में बूथ संख्या 56 बूथ संख्या 57, पतराहातू के बूथ संख्या 72 , दोवाडू के बूथ संख्या 64,बूथ संख्या 65 ,पंचायत विसरिया के बूथ 104,118 एवं सिल्ली पंचायत के बूथ संख्या - 83, 84, 85, 86, 87, 88 इत्यादि बूथों पर कार्यकर्ताओ ने अहम भूमिका निभाई। मतदान केंद्रों पर कार्तिक चन्द्र महतो, नगेंद्र नाथ गोस्वामी, सैयद कमर आलम, भगीरथ महतो, गुहीराम महतो, देवाशीष दत्ता, महताब आलम, मंजूर मोमिन,विकास रजक, प्रकाश मुंडा, रोहित मुंडा, श्रीप्रसाद बड़ाईक, सदानंद सोनार, घासीराम पातर, मोहन उपाध्याय, गोपाल मुंडा, शालिग्राम पांडेय, लालू कोइरी आदि कांग्रेस जनों ने अपना योगदान दिया।

माइनिंग क्षमता और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए हाथ मिलाया

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रांची। भारत की माइनिंग क्षमता को मजबूत करने और लंबे समय तक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए सीएमपीडीआई और एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड (एनएमएल) ने आज सीएमपीडीआई (मुख्यालय), रांची में एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन एक ऐसा सहयोग ढांचा बनाता है जिसके तहत सीएमपीडीआई, एनएमएल के कोयला और खनिज माइनिंग कार्यों के लिए विशेषज्ञ सलाह और तकनीकी सेवाएं प्रदान करेगा। हस्ताक्षर समारोह सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री चौधरी शिवराज सिंह, एनएमएल के सीईओ श्री सुब्रत कुमार दास एवं सीएमपीडीआई के कार्यकारी निदेशकों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस सहयोग के तहत सीएमपीडीआई माइनिंग और खनिज सेवाओं के कई पहलुओं में व्यापक सहायता प्रदान करेगा। इसमें भूमिगत और खुली खदान संचालनों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के साथ-साथ एडवांस्ड अग्रिम/उन्नत माइनिंग तकनीकों को शामिल करना भी शामिल है। इसके अलावा सीएमपीडीआई, एनएमएल को ह्यएक्रिडिटेड प्रोस्पेक्टिंग एजेंसीह्न (एपीए) की मान्यता प्राप्त करने और ह्यमिनरल प्रोस्पेक्टिंग परमिशन असेसमेंटह्न (एमपीपीए) के काम को पूरा करने में मदद करेगा, ताकि मजबूत एक्सप्लोरेशन स्टैंडडर्स और रेगुलेटरी नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके। यह साझेदारी खनन से आगे बढ़कर, कोयला गैसीफिकेशन, जियोलाजिकल और जियोफिजिकल जांच, जीआईएस सर्वे, इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग और पर्यावरण की निगरानी जैसे खास क्षेत्रों में सहयोग को भी शामिल करती है। इस साझेदारी पर बात करते हुए सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री चौधरी शिवराज सिंह ने कहा कि एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के साथ यह एमओयू, सीएमपीडीआई की तकनीकी क्षमताओं को एनएमएल के रणनीतिक लक्ष्यों के साथ जोड़ने की दिशा में एक अहम कदम है। इससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सहारा देने के लिए प्रोजेक्ट डिलीवरी, संस्थागत क्षमता और टिकाऊ माइनिंग तरीकों को मजबूत किया जा सकेगा। इसके अलावा, एनएमएल के सीईओ श्री सुब्रत कुमार दास ने कहा कि हम जिम्मेदार माइनिंग विकास को तेजी देने और आपरेशनल क्षमता को बेहतर बनाने के लिए गवेषण, माइन प्लानिंग और पर्यावरण इंजीनियरिंग में सीएमपीडीआई की साबित हो चुकी विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए तत्पर हैं। मूलभूत रूप से यह रणनीतिक साझेदारी दोनों संगठनों की तकनीकों पर आधारित, टिकाऊ और बेहद कुशल खनन के तरीकों को आगे बढ़ाने के प्रतिबद्धता को दिखाती है। साथ मिलकर काम करते हुए सीएमपीडीआई और एनएमएल का लक्ष्य भारत के आत्मनिर्भरता के बड़े विजन में अहम योगदान देना और भविष्य के लिए देश की ऊर्जा और खनन क्षेत्र को मजबूत बनाना है।

टुंडी के महाराजगंज लछुरायडीह में 205 वर्षो से चली आ रही कालाराय बाबा भोक्ता पूजा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

उज्जवल दुनिया संवाददाता

टुंडी : टुंडी प्रखंड के महाराजगंज पंचायत अंतर्गत लछुरायडीह गांव में मंगलवार को आस्था और परंपरा का प्रतीक कालाराय बाबा भोक्ता पूजा धूमधाम से आयोजित की गई। पूजा को लेकर मंदिर प्रांगण में शाम होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में भक्त पूजा-अर्चना करने पहुंचे और बाबा के दरबार में अपनी श्रद्धा अर्पित की। पूजा की परंपरा के अनुसार सबसे पहले श्रद्धालु एवं बाबा के भक्त ग्वाला तालाब, कन्हाईडीह पहुंचे, जहां स्नान करने के बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मंदिर की ओर प्रस्थान किया। मान्यता है कि कालाराय बाबा के प्रति सच्ची श्रद्धा से मांगी गई मन्नतें पूरी होती हैं। ग्रामीणों के अनुसार यहां कालाराय बाबा भोक्ता पूजा पिछले 205 वर्षों से अधिक समय से चली आ रही है। विशेष रूप से शरीर में कम्बल कांटा की समस्या से परेशान लोग तथा संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले श्रद्धालु बाबा के दरबार में मन्नत मांगते हैं। मन्नत पूरी होने के बाद भक्तों द्वारा बाबा को गोल्की चढ़ाने की परंपरा निभाई जाती है। पूजा की एक अनोखी परंपरा भी है, जिसमें मन्नत मांगने वाले भक्त मंदिर लौटने के रास्ते में जमीन पर लेट जाते हैं और पुजारी उनके ऊपर से होकर गुजरते हैं। ग्रामीणों की मान्यता है कि इस धार्मिक प्रक्रिया से बाबा की कृपा प्राप्त होती है और भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है।

हूल दिवस पर विधायक राज सिन्हा ने वीरांगना फूलो-झानो सहित हूल क्रांति के अमर शहीदों को किया नमन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

धनबादः झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक श्री राज सिन्हा ने हूल दिवस के पावन अवसर पर आज धनबाद के ग्राम डुंगरीधार, धोखरा स्थित आदिवासी टोला अमर शहीद फूलो-झानो चौक एवं बरमसिया चौक पहुंचकर वीरांगना फूलो-झानो की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा भावपूर्ण नमन किया। इस अवसर पर विधायक श्री राज सिन्हा ने कहा कि ₹हूल क्रांति झारखंड की वीरता, साहस और स्वाभिमान की अमर गाथा है। वीरांगना फूलो-झानो सहित हूल क्रांति के सभी महानायकों ने अन्याय और शोषण के विरुद्ध जिस अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया, वह हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके त्याग और बलिदान ने आने वाली पीढ़ियों को अपने अधिकारों, संस्कृति और सम्मान की रक्षा के लिए सदैव प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि 'झारखंड की धरती वीरों और बलिदानियों की धरती रही है। अमर शहीदों के सपनों का झारखंड बनाने के लिए हमें सामाजिक समरसता, न्याय और जनसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। हूल क्रांति के महानायकों का संघर्ष हमें राष्ट्रहित, समाजहित और मानव कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता रहेगा।' विधायक राज सिन्हा ने हूल दिवस के अवसर पर झारखंड के सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके आदर्श और विचार सदैव समाज को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करते रहेंगे।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग में किया हुल दिवस का आयोजन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

रामगढ़। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा संथाल हूल दिवस के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं संथाल हूल के महानायक सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव तथा फूलो-झानो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने वीर शहीदों के बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने अपने संदेश में कहा कि संथाल हूल केवल एक विद्रोह नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संघर्ष का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू और उनके साथियों का संघर्ष हमें अन्याय के विरुद्ध साहसपूर्वक खड़े होने तथा अपने अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरित करता है। सचिव प्रियंका कुमारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संथाल हूल भारतीय जनजातीय समाज के स्वाभिमान, अस्मिता और स्वतंत्रता चेतना का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से इतिहास के ऐसे गौरवशाली अध्यायों का अध्ययन कर उन्हें समाज तक पहुँचाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो (डॉ)रश्मि ने कहा कि जनजातीय समाज के योगदान को राष्ट्रीय इतिहास में उचित स्थान दिलाना समय की आवश्यकता है। संथाल हूल हमें सामाजिक न्याय, समानता और आत्मसम्मान के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। कुलसचिव प्रो (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल ने अपने वक्तव्य में कहा कि 1855 का संथाल हूल अंग्रेजी शासन और शोषणकारी व्यवस्था के विरुद्ध जनआंदोलन था, जिसने आगे चलकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा प्रदान की।इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि संथाल हूल भारतीय इतिहास की एक अमूल्य धरोहर है। उन्होंने सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव तथा फूलो-झानो के संघर्ष और बलिदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि नई पीढ़ी को इनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. ममता ने किया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, विभाग के अन्य व्याख्यातगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने संथाल हूल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय मे नेशनल इन्श्योरेन्स जागरूकता दिवस मनाया गया

रामगढ़ ।सोमवार को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय में नेशनल इन्श्योरेन्स जागरूकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओ को आपात स्थितियों में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने वाली विभिन्न बीमा पॉलिसियों के महत्व और लाभों के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर संकाय के व्याख्यातागणों ने छात्र-छात्राओ को इन्श्योरेन्स के प्रति जागरूक किए और इस विषय पर छात्र-छात्राओं ने भी अपने अपने विचार रखे।प्रबंधन विभाग के आयुष, अर्पित, आदित्य एवं वाणिज्य विभाग से आस्था राज, आयशा अंजुम, कोमल अग्रवाल ने अपने विचार रखे। विश्वविद्यालय कुलाधिपति बी एन साह ने इंश्योरेंस डे के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ दी और उन्होंने कहा कि सुरक्षित जीवन और समृद्ध भविष्य के लिए बीमा के महत्व को अपनाएँ। वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ रंजन कुमार ने बताया की बीमा केवल एक पॉलिसी नहीं, बल्कि जीवन, परिवार और भविष्य की सुरक्षा का सशक्त संकल्प है। बीमा का होना हर एक आदमी के लिए आवश्यक है।व्याख्याता उदय प्रसाद ने छात्रों को बताया कि बीमा खर्च नहीं , अपने परिवार के सुरक्षित भविष्य में किया गया एक समझदारी भरा निवेश है।कार्यक्रम का संचालन मो रिज्वान नूरी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन अनिल कुमार केशरी ने किया।

एक नजर

नौ दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का जागरण के साथ हुआ समापन

सिल्लीः सिल्ली हाट बागान स्थित हरि मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का सोमवार को जागरण के साथ भव्य समापन हुआ।जागरण के दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण हरिनाम की भक्ति में लीन रहा।संकीर्तन में सोंढ़ो, जोयपुर, पुरुलिया महिला मंडली, तोड़ांग, कोलमा, झालदा, तेतला समेत कई स्थानों की प्रसिद्ध कीर्तन मंडलियों ने बारी-बारी से अपनी प्रस्तुति दी।भक्तिमय भजनों और कीर्तन से श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।ढोल-मृदंग की थाप और हरिनाम की गूंज से क्षेत्र का माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। देर रात आजसू सुप्रीमो सह पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो भी मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर में माथा टेका और कीर्तन का श्रवण किया।श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आयोजन समिति की ओर से विशेष व्यवस्था की गई थी,जिससे किसी को परेशानी न हो। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी,हलवा, प्रसाद और शरबत का वितरण किया गया। मंगलवार सुबह राखाल भोग और हांडी फोड़ की परंपरा के साथ नौ दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन का विधिवत समापन हुआ। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर खुशियां बांटी।आयोजन समिति के संरक्षक राजा पुष्पेन्द्र नाथ सिंह देव ने कहा कि संकीर्तन की सफलता में समिति के सभी सदस्यों,श्रद्धालुओं और ग्रामीणों का सराहनीय सहयोग रहा।

6 जुलाई को मेधा का महाकुंभ: पासवा करेगा 20 हजार मेधावियों का ऐतिहासिक सम्मान

राँची। प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) द्वारा आयोजित 14वें ऐतिहासिक छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियाँ अंतिम चरण में पहुँच चुकी हैं। आगामी 6 जुलाई को हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम, राँची में आयोजित इस भव्य समारोह में 20 हजार मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड सरकार के शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू करेंगे। समारोह में मंत्री श्रीमती दीपिका पांडे सिंह एवं मंत्री श्री हफीजुल हसन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की स्वागताध्यक्षता पासवा के मुख्य संरक्षक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. रामेश्वर उरांव करेंगे। इसके अलावा राज्य के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के प्राचार्य, निदेशक, शिक्षाविद् एवं शिक्षा जगत से जुड़े गणमान्य लोग समारोह की गरिमा बढ़ाएंगे। पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने बताया कि समारोह में जैक, सीबीएसई एवं आईसीएसई बोर्ड के 10वीं एवं 12वीं के ऐसे विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के परिश्रम, प्रतिभा और उपलब्धियों का उत्सव है।

अमर शहीद सिद्धों- कान्हू के 171वा हूल दिवस के अवसर पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें किया नमन

आज दिनांक 30/6/2026 को केन्द्रीय सरना समिति के द्वारा केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष श्री बबलू मुंडा के अगुवाई में कांके रोड स्थित शहीद सिद्धों- कान्हू पार्क में अमर शहीद सिद्धों- कान्हू के 171वा हूल दिवस के अवसर पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष श्री बबलू मुंडा ने कहा कि झारखंड की धरती सिध्दू-कान्हू चांद भैरव व फूलों- झानो जैसे युवा नेतृत्व कताओं की जन्म भूमि है। संथाल आदिवासी समुदाय से आने वाले इन भाई बहनों ने सामाजिक परंपराओं से एकजुटता की ताकत को पहचान और संघर्ष किया है उनका संघर्ष आज भी नयी पीढ़ी को परिवर्तन के लिए पहल करने की जरूरत है*आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा, केन्द्रीय सरना समिति के संरक्षक नकुल तिर्की,महासचिव महादेव टोप्पो, सुरेंद्र लिंडा, आशीष मुंडा, शंभू टोप्पो, मुन्ना हेंमरोम, संजय, झारखंड आंदोलनकारी कुमोद कुमार वर्मा आदि उपस्थित थे।

JRGA Foundation एवं Arka Jain University गम्हरिया (जमशेदपुर) के बीच सहयोगात्मक बैठक सम्पन्न

जमशेदपुर। JRGA Foundation – A Readymade Garment & Apparel Foundation of Jharkhand एवं Arka Jain University गम्हरिया (जमशेदपुर) के बीच आज शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्योगझ्रअकादमिक सहयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय के माननीय Vice Chancellor, Registrar एवं विभिन्न विभागों के HODs उपस्थित रहे। JRGA Foundation Leadकी ओर से अभिताभ श्रीवास्तव (अध्यक्ष), उत्तम रॉय (महासचिव), सुजीत कुमार (Lead – CSR) एवं अलीशा गौतम उरांव ((Creative Head – Fashion & Apparel) ने सहभागिता की। बैठक के दौरान कौशल विकास, इंटर्नशिप, उद्योगझ्रअकादमिक सहभागिता तथा युवाओं के लिए रोजगारोन्मुख अवसरों के सृजन पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई।

बीएफसीएल में पीपुल फर्स्ट कल्चर के तहत 142 कर्मचारियों का मनाया सामूहिक जन्मदिन

रामगढ़। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड, रामगढ़ में जून माह में जन्मदिन मनाने वाले कुल 142 अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान में पीपुल फर्स्ट कल्चर और वन सेलिब्रेशन मेनी स्माइलसह्न थीम के तहत 27 और 29 जून को सामूहिक जन्मदिन समारोह का भव्य आयोजन किया। इस समारोह में जीएफए एचएसपीए तथा हेड ऑफिस, रांची के कर्मचारी शामिल रहे। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर इस विशेष अवसर को उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर विभिन्न विभागाध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनकी उपस्थिति ने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का आयोजन एचएएसपी कैंटीन जीएफए कैंटीन और मुख्य कार्यालय में किया गया, कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करना, टीम भावना को सुदृढ़ करना तथा सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। समारोह के दौरान केक कटिंग की गई, शुभकामना संदेश दिए गए तथा सभी जन्मदिनधारी कर्मचारियों को सामूहिक रूप से बधाई दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारियों की निष्ठा, परिश्रम एवं समर्पण ही कंपनी की निरंतर प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन संगठन में आपसी सहयोग, विश्वास और पारिवारिक वातावरण को मजबूत करते हैं।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में बीएलओ के साथ बीएलए-2 की सक्रिय भागीदारी जरूरी : के. रवि कुमार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

खूंटी। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने मंगलवार को खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) कार्यक्रम की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ-साथ सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट-2 (बीएलए-2) की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

निरीक्षण के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदान केंद्र संख्या 84, 87, 89 और 97 का दौरा किया तथा वहां आयोजित बीएलओ एवं बीएलए-2 की संयुक्त बैठकों में भाग लिया। उन्होंने बीएलओ से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत तैयार की गई कार्ययोजना की जानकारी ली और अभियान को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

के. रवि कुमार ने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच इन्यूमरेशन फॉर्म वितरित करेंगे तथा भरे हुए फॉर्म वापस एकत्र करेंगे। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के बीएलए-2 से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग दें, ताकि अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का सत्यापन सुनिश्चित किया जा सके। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को सहभागी और पारदर्शी बनाने के लिए बीएलए-2 की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। बीएलए-2 मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म भरने में सहायता करें तथा पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची में स्वयं अथवा अपने माता-पिता का नाम खोजने में भी सहयोग करें, जिससे किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटने न पाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिया कि अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट (एएसडीडी) श्रेणी में मतदाताओं की सूची तैयार करते समय, बूथ लेवल अधिकारियों को सूची की पुष्टि करने के लिए संबंधित बूथ लेवल एजेंट-2 के साथ बैठकें करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे मतदाता सूची अधिक सटीक और विश्वसनीय बनेगी और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता भी मजबूत होगी। उन्होंने निर्वाचन अधिकारियों से अभियान के प्रत्येक चरण की नियमित निगरानी करने तथा मतदाताओं को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही लोगों से भी अपील की कि वे बीएलओ के घर-घर सर्वेक्षण के दौरान सहयोग करें और समय पर इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर जमा करें। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मो. जावेद हुसैन, तोरपा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ), उप निर्वाचन पदाधिकारी तथा निर्वाचन कार्य से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। रांची के उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार को नगड़ी स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव और भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने वेयरहाउस में ईवीएम और वीवीपैट मशीनों के सुरक्षित

रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था तथा अभिलेखों के संधारण की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से वेयरहाउस में उपलब्ध सुरक्षा प्रबंधों और नियमित निगरानी व्यवस्था की भी जानकारी ली। उपायुक्त ने उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि ईवीएम वेयरहाउस के संचालन और रखरखाव से संबंधित भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा और पारदर्शी रखरखाव निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए सुरक्षा, निगरानी और अभिलेखों के रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की समग्र व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि नियमित निरीक्षण की प्रक्रिया जारी रखी जाए तथा आयोग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

क्षत्रिय महासंघ ने की हिमांशु पर हमले की निंदा, दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

रांची। झारखंड क्षत्रिय महासंघ ने जमशेदपुर में हिमांशु सिंह और प्रत्युष कुमार पर हुए चाकू से जानलेवा हमले की घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है। महासंघ ने इस घटना पर दुख जताते हुए राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि सरकार और प्रशासन यदि दोषियों के विरुद्ध ठोस त्वरित कार्रवाई नहीं करती है तो महासंघ की ओर से राजपूत समाज उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी। उन्होंने कहा कि इस हत्याकांड की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। लोकतंत्र में इस प्रकार की हिंसक घटनाओं का कोई स्थान नहीं है। ऐसी घटनाएं समाज में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करती हैं। राजपूत समाज में असुरक्षा का भाव महसूस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन समय रहते सक्रियता दिखाता तो स्थिति को नियंत्रित किया जा सकता था। इस घटना ने कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। महासंघ ने कहा कि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जितेंद्र सिंह ने सरकार और प्रशासन से पीड़ित परिवार को न्याय और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

आजसू महिला संघ का राज्य स्तरीय अधिवेशन चार जुलाई को, पंचायत स्तर से जुटेंगी महिला प्रतिनिधि

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) पार्टी के अनुषंगी संगठन अखिल झारखंड महिला संघ का राज्य स्तरीय अधिवेशन आगामी चार जुलाई को राजधानी रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टाना भगत स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन में राज्य के सभी 24 जिलों के साथ-साथ पंचायत स्तर से बड़ी संख्या में महिला प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना, महिलाओं की संगठनात्मक भागीदारी बढ़ाना तथा आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक रणनीति तय करना है। मंगलवार को पार्टी के हरमू स्थित प्रधान कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में अधिवेशन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। प्रेस वार्ता में पार्टी की केंद्रीय महासचिव एवं रांची जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, केंद्रीय महासचिव पार्वती देवी, केंद्रीय सचिव वीणा चौधरी, फूलकुमारी देवी, महिला जिलाध्यक्ष वीणा देवी तथा सबिता देवी उपस्थित रहीं।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्रीय महासचिव निर्मला भगत ने कहा कि राज्य स्तरीय महिला अधिवेशन महिलाओं को संगठन में अधिक सक्रिय और प्रभावी भूमिका देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि इस अधिवेशन के माध्यम से संगठन को जमीनी स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने के साथ-साथ आगामी कार्यक्रमों एवं आंदोलन की रणनीति पर भी व्यापक चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि अधिवेशन का आयोजन दो सत्रों में होगा। प्रथम सत्र का उद्घाटन आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो करेंगे। इस सत्र में संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। साथ ही पार्टी की आगामी संगठनात्मक गतिविधियों, जनसंपर्क अभियान और भविष्य की कार्ययोजना पर भी निर्णय लिए जाएंगे। पहले सत्र में राज्य के सभी 24 जिलों से आए प्रखंड स्तरीय प्रतिनिधि, महिला पदाधिकारी और पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। दोपहर बाद आयोजित होने वाले द्वितीय सत्र में पंचायत स्तर तक की महिला कार्यकर्ताओं और प्रतिनिधियों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

एचईसी मजदूरों की समस्याओं के समाधान को लेकर प्रबंधन से वार्ता

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। एचईसी के स्थायी और सप्लाई ठेका मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मंगलवार को एचईसी प्रबंधन और मजदूर प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई। इस दौरान हटिया मजदूर यूनियन सीटू के अध्यक्ष भवन सिंह ने कहा कि एचईसी में मजदूरों की समस्याओं, प्लांट कमेटी और ग्रीवांस कमेटी के जल्द गठन करने, लंबित भुगतान किए जाने, कम वेतन, पीएफ लेजर उपलब्ध कराने, प्रमोशन और ग्रेडेशन जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं, मजदूर प्रतिनिधियों ने कहा कि सप्लाई ठेका मजदूरों के लंबित भुगतान का निपटारा प्रत्येक माह 04 से 07 तारीख के बीच किसी भी स्थिति में करने का आश्वासन दिया गया है। साथ ही पीएफ लेजर में आई तकनीकी गड़बड़ियों को दूर कर जल्द सभी मजदूरों को उपलब्ध कराने की बात कही गई। केंद्रीय वेतनमान लागू करने सहित अन्य मुद्दों पर भी बातचीत जारी है।

बैठक में मजदूरों से दो जुलाई 2026 को मुख्यालय परिसर के समीप आयोजित होने वाली आमसभा में भारी संख्या में शामिल होने की अपील की गई। सभा में चल रही वाताओं और विभिन्न मांगों की प्रगति की जानकारी साझा की जाएगी। मजदूर नेताओं ने सप्लाई ठेका मजदूरों से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पूर्व के आंदोलनों से हुए नुकसान की भरपाई और मजदूर हितों की रक्षा के लिए संगठित प्रयास आवश्यक है। वार्ता में हटिया मजदूर यूनियन सीटू के कार्यवाहक महामंत्री दिनेश बैठा, हटिया मजदूर लोक मंच के प्रतिनिधि बिमल महली, चिराग बारला सहित अन्य लोग शामिल थे।

साहिबगंज पेयजल योजना पर हाई कोर्ट सख्त, अपर मुख्य सचिव को स्थल निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

रांची। साहिबगंज की लगभग 70 करोड़ रुपये की पाइपलाइन आधारित पेयजल योजना से संबंधित जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित इस महत्वाकांक्षी योजना में किसी भी प्रकार की प्रशासनिक लापरवाही या अक्षमता स्वीकार नहीं की जा सकती।

मुख्य न्यायाधीश एम.एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अपर मुख्य सचिव को स्वयं साहिबगंज जाकर योजना का स्थलीय निरीक्षण करने और 24 जुलाई तक विस्तृत अनुपालन

रिपोर्ट अदालत में दाखिल करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि इस जिम्मेदारी को किसी अन्य अधिकारी को नहीं सौंपा जा सकता और निरीक्षण स्वयं अपर मुख्य सचिव को ही करना होगा।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि 10 मार्च 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में पाइपलाइन जलापूर्ति योजना का कार्य पूरा कर लिया गया है। सरकार ने यह भी दावा किया कि पाइपलाइन में रिसाव की समस्या को अदालत द्वारा दिए गए अतिरिक्त 45 दिनों की अवधि के भीतर दूर कर लिया गया है और योजना अब संचालित होने की स्थिति में है।

हालांकि, याचिकाकर्ता की ओर से सरकार के इन दावों का विरोध किया गया। अदालत के समक्ष साहिबगंज नगर परिषद के 28 में से 21 वार्ड पार्षदों के बयान प्रस्तुत किए गए, जिनमें कहा गया कि पाइपलाइन जलापूर्ति योजना अभी तक पूर्ण रूप से लागू नहीं हुई है। उनके अनुसार कई स्थानों पर अब भी पाइपलाइन से पानी का रिसाव हो रहा है और बड़ी संख्या में लोगों को अब तक घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

दोनों पक्षों के परस्पर विरोधी दावों को देखते हुए खंडपीठ ने मामले की वस्तुस्थिति का प्रत्यक्ष सत्यापन कराने का निर्णय लिया। अदालत ने निर्देश दिया कि अपर मुख्य सचिव, विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ, साहिबगंज नगर परिषद की अध्यक्ष तथा आवश्यकता पड़ने पर अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से योजना का निरीक्षण करें। साथ ही निरीक्षण के दौरान याचिकाकर्ता के प्रतिनिधि को भी उपस्थित रहने की अनुमति देने का निर्देश दिया गया।

सुनवाई के दौरान अदालत ने टिप्पणी की कि सरकार इस योजना पर लगभग 70 करोड़ रुपये अथवा उससे अधिक की सार्वजनिक धनराशि खर्च कर चुकी है। ऐसे में यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है कि योजना का वास्तविक लाभ आम लोगों तक पहुंचे। अदालत ने कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य साहिबगंज के प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है और यदि योजना धरातल पर अपेक्षित परिणाम नहीं दे रही है तो इसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

खंडपीठ ने मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई 2026 निर्धारित करते हुए निर्देश दिया कि उससे पहले निरीक्षण रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की जाए, ताकि योजना की वास्तविक स्थिति के आधार पर आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जा सके।

एक नजर

झारखंड में एक से चार जुलाई तक तेज बारिश और आंधी की चेतावनी, ऑरेंज अलर्ट जारी

रांची। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। इसे देखते हुए रांची स्थित भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में 01 जुलाई से 04 जुलाई तक तेज बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात की आशंका जताई है। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के विभिन्न जिलों में इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही कई इलाकों में गरज के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए नागरिक विशेष सावधानी बरतें। विभाग के अनुसार, 02 जुलाई और 06 जुलाई को राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी तथा मध्यवर्ती जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान पूरे राज्य में गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए येलो अलर्ट भी जारी किया है। विभाग ने किसानों, खुले स्थानों पर काम करने वाले लोगों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। खराब मौसम के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े होने, खुले मैदानों में रहने और बिजली के खंभों के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य में सबसे अधिक 64.5 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में दर्ज की गई। वहीं अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस डाल्टनगंज में रिकॉर्ड किया गया, जबकि सबसे कम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज हुआ। मंगलवार को राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही बादल छाए रहे। दोपहर बाद हल्की बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। दिनभर आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही, जिससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। राज्य के प्रमुख शहरों के तापमान पर नजर डालें, तो रांची में अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 36.8 डिग्री और न्यूनतम 24.8 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 39.4 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम 36.4 डिग्री और न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में मानसूनी गतिविधियां जारी रहने का अनुमान जताया है। विभाग ने लोगों से मौसम संबंधी ताजा अपडेट पर नजर रखने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

हूल क्रांति के शहीदों को कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

खूंटी। हूल क्रांति के महानायकों सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित सभी आदिवासी शहीदों को मंगलवार को जिला कांग्रेस कमिटी, खूंटी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में सांसद कालीचरण मुंडा के आवासीय जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि हूल क्रांति केवल अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह नहीं थी, बल्कि जल, जंगल, जमीन और स्वाभिमान की रक्षा का ऐतिहासिक आंदोलन था। उन्होंने कहा कि सिद्धू-कान्हू का बलिदान आज भी कांग्रेस कार्यकताओं को जनसेवा के लिए प्रेरित करता है। सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि हूल के वीर शहीदों का त्याग झारखंड की पहचान है। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों पर चलते हुए कमजोर, आदिवासी और वंचित वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने शहीदों के सपनों का झारखंड बनाने का संकल्प दोहराया। मौके पर प्रदेश सहकारिता प्रकोष्ठ के नईमुद्दीन खान, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, जिला महासचिव गोपाल भगत, जिला प्रवक्ता सह उपाध्यक्ष रविकांत मिश्रा सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पॉक्सो अधिनियम पर जागरूकता शिविर आयोजित

खूंटी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) की ओर से मंगलवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), कलामाटी में सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भविष्य विषय पर पॉक्सो अधिनियम, 2012 से संबंधित जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निदेशांनुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष डीएलएसए, खूंटी रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में 90 दिवसीय सघन विधिक जागरूकता और प्रसार अभियान के तहत आयोजित हुआ। शिविर में कई छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य विधिक सहायता प्रतिरक्षा परामर्शी (एलएडीसी) राजीव कमल ने छात्राओं को भारतीय संविधान के बाल संरक्षण संबंधी प्रावधानों, संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार अभिसमय और पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पॉक्सो मामलों में पुलिस की जिम्मेदारी है कि तत्काल प्राथमिकी दर्ज करे, पीड़ित का चिकित्सीय परीक्षण कराए, बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करे और आवश्यक मनोसामाजिक सहायता उपलब्ध कराए। उन्होंने छात्राओं को अच्छा स्पर्श और बुरा स्पर्श की पहचान, साइबर अपराध, डिजिटल अरेस्ट और सेक्सटॉर्शन जैसे नए खतरों से सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही बताया कि पॉक्सो पीड़ित की पहचान गोपनीय रखना कानूनन अनिवार्य है और इसका उल्लंघन दंडनीय अपराध है। कार्यक्रम में पीड़ित प्रतिकर योजना की भी जानकारी दी गई। सहायक प्रीतिवन्ती मेरी मुण्डरी ने पॉक्सो नियमावली, 2020 के तहत अपनी भूमिका और पीड़ित बच्चों को मिलने वाली सहायता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से किसी भी आपात स्थिति में बेझिझक संपर्क करने का आग्रह किया और अपना संपर्क नंबर भी साझा किया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को नालसा हेल्पलाइन 15100 तथा डीएलएसए, खूंटी के फ्रंट ऑफिस के माध्यम से उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई।

हुल दिवस पर रांची विश्वविद्यालय में वीर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

रांची। रांची विश्वविद्यालय मुख्यालय में मंगलवार को हुल दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कुलपति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में हुल क्रांति के महानायक सिदो, कान्हो, चांद, भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो और झानो को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने हुल क्रांति के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए नई पीढ़ी से इन महान स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरूआत वीर क्रांतिकारियों के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर हुल क्रांति के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने अपने संदेश में कहा कि हुल दिवस केवल एक ऐतिहासिक अवसर नहीं, बल्कि अपने गौरवशाली अतीत और स्वतंत्रता संग्राम के उन महान नायकों को स्मरण करने का दिन है।

हूल दिवस पर प्रमंडलीय आयुक्त ने अमर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजली

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। ऐतिहासिक हूल दिवस के पावन अवसर पर आज मंगलवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने हूल क्रांति के महानायक वीर शहीद सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो सहित देश की माटी के लिए प्राण न्योछावर करने वाले सभी अमर वीरों को शत-शत नमन किया। इस गरिमामयी अवसर पर उन्होंने अमर शहीदों को ससम्मान भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रमंडलीय आयुक्त ने वीर सिद्धो-कान्हू मुर्मू चौक स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर विधिवत माल्यार्पण कर समाज की ओर से कृतज्ञता प्रकट की।

अमर सेनानियों का संघर्ष आज भी समाज का मार्गदर्शक

माल्यार्पण के पश्चात उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि हूल आंदोलन के वीर सेनानियों का अदम्य साहस, सर्वोच्च बलिदान और दमनकारी शक्तियों व अन्याय के विरुद्ध किया गया संघर्ष अतुलनीय है। उनका यह ऐतिहासिक कदम हमें सदैव सत्य, स्वाभिमान और न्याय के मार्ग पर बिना डरे चलने की निरंतर प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज के समाज को इन महान महापुरुषों के जीवन मूल्यों से सीख लेने की अत्यंत आवश्यकता है।

शोषण और अन्याय के विरुद्ध हुआ संघर्ष हमें सदैव सत्य, स्वाभिमान और न्याय के मार्ग पर चलने की देता रहेगा प्रेरणाः विजय कुमार गुप्ता

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक स्वर्णिम अध्याय है हूल क्रांति

आयुक्त ने हूल आंदोलन के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए आगे कहा कि यह महान हूल क्रांति भारत के संपूर्ण स्वतंत्रता संग्राम का एक बेहद महत्वपूर्ण और स्वर्णिम अध्याय है। यह दिवस हमें न केवल अपने महान पूर्वजों और शहीदों के अतुल्य बलिदान को स्मरण करने का अवसर देता है, बल्कि उनके राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत उच्च आदर्शों को अपने व्यावहारिक जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लेने की राह भी दिखाता है। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों सहित स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों ने भी शहीदों की विरासत को अक्षुण्ण रखने की बात कही।

हूल दिवस के शुभ अवसर पर हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन सीनियर फुटबॉल लीग का भव्य शुभारंभ

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हूल दिवस के शुभ अवसर पर हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीनियर फुटबॉल लीग 2026 का शुभारंभ बड़े उत्साह एवं खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, खेल भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं। उद्घाटन समारोह में हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच रेड आर्मी एवं पप्पू 11, खटकमसांडी के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समाचार लिखे जाने तक मैच जारी था और पप्पू 11, खटकमसांडी की टीम रेड आर्मी पर 1झ0 की बढ़त बनाए हुए थी। उद्घाटन समारोह में हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर जॉन भेंगरा, कोर्रा निवासी एवं राष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट, हजारीबाग के अच्छे खिलाड़ी, अच्छे कोच एवं रेफरी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच रेड आर्मी एवं पप्पू 11, खटकमसांडी के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समाचार लिखे जाने तक मैच जारी था और पप्पू 11, खटकमसांडी की टीम रेड आर्मी पर 2-0 की बढ़त बनाए हुए थी। समारोह में कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार, सचिव कोलेश्वर गोप, उपाध्यक्ष शशिकांत शर्मा, हजारीबाग सदर विधानसभा खेल प्रतिनिधि श्री दिलीप गोप, मंसूर आलम, चंद्रशेखर कुमार, प्रकाश कुमार गुप्ता, एवं अजय कुमार सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

हजारीबाग में सामान्य से कम बारिश, धान की बुआई प्रभावित, अपने भाग्य को कोस रहे हैं किसान

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पिछले साल की तुलना में इस बार कम वर्षा, किसान नहीं डाल पा रहे धान का बिचड़ा

हजारीबाग। जिले में मौसम का मिजाज इन दिनों बदला हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार और मंगलवार को जिले के अधिकांश हिस्सों में आसमान में बादल छाए रहे। कई स्थानों पर हल्की बारिश हुई। मेघ गर्जन की स्थिति भी बनी रही। हालांकि, यह बारिश किसानों के लिए पर्याप्त साबित नहीं हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। 30 जून और 1 जुलाई को गरज-चमक के साथ तेज हवा चलने की संभावना जताई गई है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों से दूर रहने की अपील की है। सतर्कता बरतने को भी कहा है। मौसम केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को हजारीबाग का अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि, दिनभर उमस भरी गर्मी बरकरार रही। इधर, बारिश की कमी का सबसे ज्यादा असर किसानों पर पड़ा है। समय पर पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण किसान अपने खेतों में धान का बिचड़ा नहीं डाल सके हैं। इससे खरीफ फसल की तैयारी प्रभावित हो रही है। कई किसान अब भी अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। पिछले वर्ष के आंकड़ों पर नजर डालें तो 17 जून से अगले 30 दिनों में हजारीबाग जिले में लगभग210 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। इससे धान की बुआई समय पर पूरी हो गई थी। वहीं, इस वर्ष 17 जून से अब तक केवल करीब 85 मिमी वर्षा ही दर्ज की गई है। यह सामान्य से काफी कम है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अगले एक सप्ताह के भीतर पर्याप्त वर्षा नहीं होती, तो धान की खेती पर गंभीर असर पड़ सकता है। किसानों को सलाह दी गई है कि वे मौसम विभाग के अपडेट पर नजर बनाए रखें। वैकल्पिक खेती की रणनीतियों पर भी विचार करें। कुल मिलाकर, मौसम में बदलाव के बावजूद पर्याप्त बारिश नहीं होने से जिले में कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। किसान चिंतित नजर आ रहे

शिक्षकों की कमी के कारण प्रमंडल का एकमात्र संस्कृत विद्यालय बंद

शिक्षा विभाग मौन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। संस्कृत भाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने की बात राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रमुखता से की जा रही है, लेकिन हजारीबाग का एकमात्र राजकीय संस्कृत उच्च विद्यालय पिछले एक वर्ष से पूरी तरह बंद पड़ा है। गुरु गोविंद सिंह रोड स्थित यह विद्यालय शिक्षकों की कमी के कारण पहले पठन-पाठन से वंचित हुआ। अब यह प्राइवेट परीक्षार्थियों के लिए मध्यमा परीक्षा का केंद्र भी नहीं रहा। एक-एक कर सभी शिक्षक सेवानिवृत्त या प्रोन्नत होकर चले गए, लेकिन उनकी जगह नई नियुक्ति नहीं हुई। विद्यालय अघोषित रूप से बंद हो गया है। करीब डेढ़ दशक पहले यहां नियमित नामांकन और पढ़ाई बंद हो गई थी। इसके बावजूद वर्ष 2024 तक यह विद्यालय प्राइवेट विद्यार्थियों के लिए जैक की मध्यमा परीक्षा का फॉर्म भरने और परीक्षा में शामिल होने का केंद्र बना रहा। वर्ष 2025 में जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन ने यहां प्राइवेट परीक्षार्थियों का फॉर्म भरना भी बंद करा दिया। उन्होंने बताया कि विद्यालय में लंबे समय से छठी से दसवीं तक एक भी नियमित छात्र नामांकित नहीं है। कोई शिक्षक भी कार्यरत नहीं है। ऐसे में यहां से प्राइवेट परीक्षार्थियों का परीक्षा फॉर्म भरवाना नियमसंगत नहीं था। 1957 में हुई थी स्थापना राजकीय संस्कृत उच्च विद्यालय की स्थापना वर्ष 1957 में हुई थी। यहां छठी से दसवीं तक संस्कृत माध्यम से पढ़ाई होती थी। जैक की मध्यमा परीक्षा को दसवीं के समकक्ष मान्यता प्राप्त है। वर्ष 2009 तक विद्यालय में नियमित नामांकन होता रहा। इसके बाद तत्कालीन शिक्षक - सह - प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार गुप्त, महेंद्र पांडे और हरि किशोर त्रिपाठी की प्रोन्नति क्रमशः शिक्षा एसडीओ और जिला शिक्षा अधीक्षक के पद पर हो गई। उनके बाद विद्यालय में केवल एक सहायक और एक चतुर्थवर्गीय कर्मी बचे। बाद में सहायक का भी स्थानांतरण हो गया। विद्यालय पूरी तरह शिक्षकों से खाली हो गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में संस्कृत को केवल प्राचीन भाषा नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान-विज्ञान से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में स्थान दिया गया है। त्रिभाषा सूत्र के तहत विद्यार्थियों को संस्कृत सीखने का विकल्प उपलब्ध कराने तथा भारतीय ज्ञान प्रणाली को इतिहास, दर्शन, गणित और विज्ञान जैसे विषयों से जोड़ने पर जोर दिया गया है। ऐसे समय में हजारीबाग के एकमात्र राजकीय संस्कृत विद्यालय का बंद होना शिक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े करता है।

आदिवासी समाज ने हूल दिवस पर अमर शहिदों को अर्पित किया श्रद्धा सूमन, उनके बलिदानों को किया याद

हजारीबाग। मंगलवार 30 जून 2026 को सिद्धू कान्हू मुर्मू चौक हजारीबाग मे आदिवासी समाज के तत्वाधान मे हूल दिवस बडे ही धूमधाम से मनाया गया, जिसमें मुख्य रूप से चाईबासा के अपर उपायुक्त (अपर समाहर्ता) किस्टो कुमार बेसरा शामिल हुए। श्री बेसरा ने कहा कि समाज को इन महा पुरूषों की संघर्षों को अनुकरण करना चाहिए। तभी इनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी आदिवासी समाज के संयोजक रमेश कुमार हेम्ब्रोम ने कहा कि इन सभी महा पुरूषों को जो नारा एवं सपना था जो आज भी अधूरा है इनके बताए मार्ग पर चलने की जरूरत है साथ ही महा पुरूषों के वनसजों को सरकार गोद लेना और सी .एन .टी एकट शक्ति से लागू होना चाहिए इस मौके पर आदिवासी समाज सह सरना समिति के अध्यक्ष महेंद्र बेक सचिव सुनिल लकडा सुशील ओडेया, महालाल हंसदा, मुखिया संझली मुर्मू, पूर्व मुखिया महादेव सोरेन, रवि लिंडा, पवन तिग्गा, पहन बंधन टोप्पो, बंधन एक्का, निरज कुमार बेसरा, शिवजी टुडू ,पप्पू एक्का, प्रदीप बेदिया, ललीता सोरेन प्रतिमा सोरेन, मुखिया दयामनी टोप्पो, मनी टोप्पो सोहन किस्कू एवं अन्य महिला-पुरुष सामिल हुए और सभी लोग बारी बारी से माल्यार्पण किए।

चौपारण के हजारीधमना में भैंसुर पर छेड़खानी और जानलेवा हमले का आरोप, महिला गंभीर रूप से घायल

बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। जिले के चौपारण थाना क्षेत्र के हजारीधमना गांव में एक महिला ने अपने भैंसुर पर छेड़खानी और जानलेवा हमला करने का गंभीर आरोप लगाया है। हमले में महिला के सिर में गहरी चोट आई है। उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

अकेला पाकर घर में घुसा आरोपी

पीड़िता ने बताया कि वह घर में अकेली थी। इसी का फायदा उठाकर उसका भैंसुर घर में घुस आया और जबरदस्ती छेड़खानी करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर दिया।

शोर मचाने पर बची जान

हमले के बाद महिला लहूलुहान हालत में घर से बाहर निकली और शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़कर आए, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों की मदद से महिला को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौपारण ले जाया गया।

सिर में गहरी चोट, हजारीबाग रेफर

सीएचसी चौपारण में डॉ. फराना महफूज ने प्राथमिक इलाज किया। उन्होंने बताया कि महिला के सिर में गहरी चोट है, इसलिए बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

थाने में आवेदन देने की तैयारी

पीड़िता के परिजनों ने बताया कि इलाज के बाद चौपारण थाना में आरोपी के खिलाफ आवेदन दिया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर कार्रवाई की बात कह रही है। फिलहाल गांव में घटना को लेकर तनाव का माहौल है।

हजारीबाग के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का सफल आयोजनः राजभाषा के उत्थान का लिया संकल्प

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्रीय कार्य प्रभाग), उप-क्षेत्रीय कार्यालय, हजारीबाग के परिसर में प्रत्येक तिमाही की भांति इस चालू तिमाही में भी एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का गरिमामयी आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), हजारीबाग के सदस्य सचिव निरंजन बर्णवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना और कर्मियों के भाषाई ज्ञान को और अधिक समृद्ध करना था।

महालनोबिस के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुआ भव्य शुभारंभ

कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, हजारीबाग के वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी सह कार्यालय प्रभारी सूरज कुमार द्वारा मुख्य अतिथि के आत्मीय स्वागत के साथ हुई। कार्यालय के कर्मचारियों ने मुख्य अतिथि को एक पौधा और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद भारतीय सांख्यिकी के जनक डॉ. (प्रो.) पी.सी. महालनोबिस के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन किया गया।

आगामी राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन का ऐतिहासिक निर्णय

इस अवसर पर संबोधित करते हुए कार्यालय प्रभारी सूरज कुमार ने कहा कि हजारीबाग का उप-क्षेत्रीय कार्यालय हिंदी भाषा के विकास और उसके उत्थान के लिए हमेशा से पूरी तरह प्रतिबद्ध रहा है। उन्होंने कर्मियों को मुख्य अतिथि के पूर्व कार्यकाल की राजभाषा से जुड़ी महान उपलब्धियों से अवगत कराया और बताया कि कार्यालय राजभाषा से जुड़े हर आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। उन्होंने अपने हिंदी प्रेम से ज्ञान को समृद्ध करने वाले कर्मियों की सराहना की और घोषणा की कि हजारीबाग कार्यालय द्वारा जल्द ही एक विशेष पत्रिका का प्रकाशन किया जाएगा, जिसके लिए उन्होंने सभी से आलेख भेजने का अनुरोध किया।

नराकास की छमाही बैठक में कार्यालय को मिल चुका है तृतीय पुरस्कार

कार्यशाला को आगे बढ़ाते हुए वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी ब्रजेश्वर कुमार ने बताया कि दैनिक राजकीय कार्यों में हिंदी को शामिल कर हम इसके विकास का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। उन्होंने गर्व के साथ साझा किया कि पिछले वर्ष नवंबर माह में आयोजित नराकास की छमाही बैठक में इस कार्यालय को बेहतर राजभाषा कार्य के लिए तृतीय पुरस्कार से नवाजा जा चुका है।

एक नजर

खोड़ाहर में हूल दिवस पर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, सांसद मनीष जायसवाल हुए शामिल

हजारीबाग। हूल दिवस के अवसर पर बरही के खोड़ाहर में आयोजित कार्यक्रम में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर सांसद का आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद सांसद मनीष जयसवाल ने सिद्धू-कान्हू सहित हूल आंदोलन के अमर शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके बलिदान को नमन किया। सभा को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हूल आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। उन्होंने कहा कि सिद्धू-कान्हू एवं अन्य वीर आदिवासी सेनानियों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष कर अन्याय और शोषण के विरुद्ध आवाज बुलंद की। उनके नेतृत्व में आदिवासी समाज ने जिस साहस और एकजुटता का परिचय दिया, वह आज भी पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। सांसद ने कहा कि हूल आंदोलन की लड़ाई का परिणाम यह रहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए सीएनटी और एसपीटी एक्ट जैसे महत्वपूर्ण कानून अस्तित्व में आए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट संकल्प है कि किसी भी परिस्थिति में आदिवासी समाज की जमीन पर कोई अवैध कब्जा नहीं कर सकता।

ग्रामीणों को 45 दिन तक गैस सिलेंडर के लिए इंतजार क्यों? सांसद-विधायक चुप क्यों : कुंज बिहारी साव

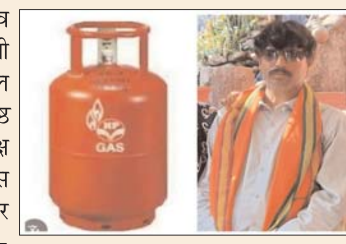

बड़कागांव। बड़कागांव लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी सह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पिछड़ा प्रकोष्ठ हजारीबाग के जिलाध्यक्ष कुंज बिहारी साव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर केंद्र और राज्य सरकार के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर भी सवाल उठाए हैं।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग 45 दिनों के बाद हो रही है, जबकि शहरी क्षेत्रों में 24 दिनों के भीतर गैस उपलब्ध हो जाती है। यह ग्रामीण उपभोक्ताओं के साथ भेदभाव है। उनका कहना है कि एक गैस सिलेंडर से 45 दिनों तक किसी परिवार का खाना बनाना संभव नहीं है, जिसके कारण गरीब परिवार लकड़ी और कोयले का सहारा लेने को मजबूर हैं।कुंज बिहारी साव ने आरोप लगाया कि क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल और बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी इस गंभीर समस्या पर मौन हैं। उन्होंने कहा कि जनता महंगाई और गैस की समस्या से परेशान है, लेकिन जनप्रतिनिधि समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल करते नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने मांग की कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गैस सिलेंडर बुकिंग की अवधि समान की जाए, ताकि ग्रामीण उपभोक्ताओं को भी समय पर गैस उपलब्ध हो सके।

दो गाय चोरी मामले में दो युवक नामजद, पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड के खूटरा गांव में दो गाय चोरी होने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। गांव निवासी तौसीफ रजा ने पेलावल ओपी में लिखित आवेदन देकर गांव के ही शेफ अली और राजा मल्लिक पर दो गाय चोरी करने, जान से मारने की धमकी देने तथा वाहन को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई एवं चोरी हुई गायों की बरामदगी की मांग की है। आवेदन के अनुसार 24 मार्च 2026 की रात करीब 11 बजे उनके घर से एक सफेद और एक काले रंग की गाय चोरी हो गई। पीड़ित का दावा है कि घर से बाहर निकलने पर उन्होंने दोनों आरोपितों को गाय लेकर भागते देखा। विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। साथ ही उनकी टाटा सूमो (संख्या खल01अअ7972) की पेट्रोल टंकी में चीनी का घोल डालकर वाहन को भी क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि दोनों आरोपित पूर्व में भी पशु चोरी सहित अन्य मामलों में संलिप्त रहे हैं। इसके समर्थन में गिद्धौर थाना कांड संख्या 74/26 का हवाला देते हुए बताया गया है कि बैल-गाय चोरी के एक अन्य मामले में भी राजा मल्लिक को नामजद आरोपी बनाया गया है। इधर, खूटरा पंचायत के उपमुखिया तहसीर खान ने मामले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में लगातार गौ तस्करी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन नामजद आवेदन दिए जाने के बावजूद पुलिस की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होना गंभीर सवाल खड़ा करता है।

हूल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अर्पित किए श्रद्धासुमन

हजारीबाग। मंगलवार को 'हूल दिवस' के अवसर पर उपायुक्त हेमन्त सती, पुलिस अधीक्षक अमन कुमार, उप विकास आयुक्त रिया सिंह, नगर आयुक्त ओम प्रकाश गुप्ता, अपर समाहर्ता महेंद्र छोटन उरांव एवं सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय ने पीडब्ल्यूडी चौक पर अवस्थित ऐतिहासिक वीरता और बलिदान के प्रतीक सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिले के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन भी उपस्थित रहे। उपायुक्त ने अपने संदेश में कहा कि सिदो-कान्हू ने 30 जून 1855 में ब्रिटिश शासन के खिलाफ ₹हूल विद्रोह₹ का नेतृत्व कर आदिवासी समाज में जागरूकता और स्वतंत्रता की अलख जगाई। यह आंदोलन अंग्रेजों के दमनकारी नीतियों के विरुद्ध तथा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो हमें अन्याय के खिलाफ संघर्ष और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम सामाजिक एकता, समरसता और स्वतंत्रता के मूल्यों को बनाए रखें और सिदो-कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें। हूल दिवस₹ को गरिमामय रूप से मनाते हुए जनमानस को देश की आजादी में आदिवासी समाज के योगदान से अवगत कराया गया।

चरही घाटी के नन्हें हनुमान मंदिर में गूंजा हनुमान चालीसाः भव्य सैंड स्टोन मंदिर निर्माण का लिया गया संकल्प

हजारीबाग। जिले के चुरचू प्रखंड के अंतर्गत चरही घाटी स्थित नन्हें हनुमान मंदिर परिसर में मंगलवार को अध्यात्म और जनभागीदारी का एक अद्भुत नजारा देखने को मिला। इसमें हजारीबाग के महापौर अरविंद कुमार राणा की गरिमामयी अगुवाई में सुबह-सुबह सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सार्वजनिक हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ किया। महाबली हनुमान की भक्ति में लीन श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरी चरही घाटी गुंजायमान हो उठी। इस धार्मिक अनुष्ठान के बाद मंदिर के विकास और सौंदर्यीकरण को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण और विशेष बैठक का आयोजन किया गया। फूलेश्वर महतों की अध्यक्षता में आयोजित इस विशेष बैठक में मंदिर परिसर के कायाकल्प को लेकर कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि नन्हें हनुमान जी के लिए राजस्थान के प्रसिद्ध 'सैंड स्टोन' (बलुआ पत्थर) से एक भव्य और नक्काशीदार मंदिर का निर्माण कराया जाएगा।

चौपारण में उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई: 8800 किलो जावा महुआ किया नष्ट, 1200 लीटर अवैध शराब जब्त

उज्जवल दुनिया संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, संचय और परिवहन पर पूरी तरह से रोक लगाने के उद्देश्य से प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई की है। उपायुक्त हेमंत सती के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देशन में चौपारण थाना क्षेत्र के परसातरी एवं अम्बातारी गांव में सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। इस बड़े अभियान में उत्पाद विभाग को चौपारण थाना पुलिस का भी भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

नदी किनारे और सुदूर जंगलों में चल रही थीं अवैध भट्टियां

छापेमारी के दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने परसातरी और अम्बातारी गांव के समीप बहने वाली नदी के किनारों तथा सुदूर जंगलों का रुख किया। वहां तस्करों द्वारा छिपाकर संचालित की जा रही अवैध चुलाई शराब निर्माण की कई भट्टियों का पता लगाया गया। पुलिस और उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन सभी चालू भट्टियों को मौके पर ही ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही शराब निर्माण में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री, बड़े बर्तन और अन्य उपकरणों को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया।

मौके पर ही बहाया गया जावा महुआ, धंधेबाजों पर मामला दर्ज

इस पूरी कार्रवाई के क्रम में तस्करों द्वारा शराब बनाने के लिए तैयार किए गए लगभग 8,800 किलोग्राम जावा महुआ को उत्पाद विभाग की टीम ने मौके पर ही पूरी तरह से बहाकर विनष्ट कर दिया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न ठिकानों से करीब 1,200 लीटर तैयार अवैध चुलाई शराब भी जब्त की गई। इस बड़ी सफलता को जिले में अवैध शराब के सिंडिकेट के विरुद्ध अब तक की सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावी कार्रवाइयों में से एक माना जा रहा है। उत्पाद विभाग अब इस अवैध काले कारोबार के पीछे संलिप्त मुख्य सरगनाओं और व्यक्तियों की पहचान करने में जुटा है, ताकि उनके विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजा जा सके।

उपायुक्त हेमंत सती के निर्देश पर परसातरी और अम्बातारी में छापेमारी, जंगलों में चल रही शराब की भट्टियां की गई ध्वस्त

संयुक्त टीम की मुस्तैदी से सफल रहा अभियान

इस विशेष छापेमारी अभियान को सफल बनाने में उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक सुमितेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सय्यद बसिरुद्दीन, सहायक अवर निरीक्षक एंटोनी बागे सहित सशस्त्र गृह रक्षा वाहिनी के जवान और चौपारण थाना की पुलिस टीम मुख्य रूप से शामिल रही। उत्पाद विभाग के अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब का धंधा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आने वाले दिनों में भी इस तरह के औचक छापेमारी अभियान लगातार जारी रहेंगे।

बसरिया पंचायत में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का शुभारंभ

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरही। बरही प्रखंड की बसरिया पंचायत सचिवालय में मंगलवार को मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाना है, ताकि सभी पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जिनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना नाम दर्ज कराएं। वहीं जिनके नाम, पता अथवा अन्य विवरण में त्रुटि है, वे निर्धारित अवधि के भीतर उसका सुधार अवश्य कराएं। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के माध्यम से मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाया जाएगा। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी ग्रामीणों को मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा समय-सीमा की जानकारी दी और सभी पात्र मतदाताओं से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम में सुपरवाइजर अनुराधा कुमारी, सावना मांझी, मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, वार्ड सदस्य देवंती देवी एवं नजमा खातून, पंचायत सहायक सिकंदर कुमार, आंगनबाड़ी सेविका अनीता देवी, पूनम देवी, निशु कुमारी, आशा कार्यकर्ता आशा रजक सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। मौके पर छोटन, लालधारी यादव, प्रकाश ठाकुर, विनेश सिंह, पंकज कुमार, राजू राणा, विनीता देवी, सुरेंद्र पंडित समेत अन्य ग्रामीणों ने भी अभियान में भाग लिया और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में प्रशासन को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

केंद्र एवं राज्य की सरकार खनिज संपदाओं को दोनों हाथों से लूट रही है: महेंद्र पाठक

हजारीबाग। टाउन हॉल में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से हुल दिवस की अवसर पर विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी राजा, झारखंड प्रभारी राष्ट्रीय सचिव सांसद पी संतोष, प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक, दलित अधिकार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते जैनेंद्र तथागत, आदिवासी महासभा के महासचिव पशुपति कॉल, मजदूर नेता अशोक यादव, लखन लाल महतो, अंबुज ठाकुर उपस्थित थे। सर्वप्रथम सिद्धू कानू चांद भैरव फूलों झानो एवं राज्य परिषद के सदस्य दिवंगत साथी रामस्वरूप पासवान के चित्र पर माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन रखकर सम्मेलन की शुरूआत की गई। सम्मेलन का उद्घाटन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी राजा ने किया। लोगों को संबोधित करते हुए महासचिव ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार दोनों हाथों से देश को बेचने में लगी हुई है। अमेरिका के सामने देश के प्रधानमंत्री घुटने टेक दिया। देश आर्थिक दिवालिया के ओर जा रहा है। देश का रुपया लगातार गिर रहा है और देश में अडानी अंबानी की सरकार चल रही है। देश की अर्थव्यवस्था चौपट होता जा रहा है। उन्होंने महंगाई बेरोजगारी पर जमकर वर्षा कहा केंद्र सरकार के नीतियों के कारण देश आर्थिक गुलामी की ओर बढ़ रहा है,

एक करोड़ का गोदाम सह कार्यालय की दीवार में दरार, छत से टपक रहा पानी, निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उठ रहा सवालिया निशान

उज्जवल दुनिया संवाददाता

कटकमसांड़ी। प्रखंड के बाझा पंचायत में आईसीडीपी योजना के तहत करीब एक करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 500 एमटी क्षमता वाले गोदाम सह कार्यालय की गुणवत्ता पहली बारिश में ही सवालों के घेरे में आ गई है। जून 2026 में बनकर तैयार हुए भवन का विभाग को अभी हैंडओवर भी नहीं हुआ है, लेकिन दीवारों में दरारें, छत से पानी का रिसाव और अन्य निर्माण संबंधी खामियां सामने आने लगी हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि भवन की कई दीवारों में दरार पड़ चुकी है, जबकि छत कई जगहों से टपक रही है। कुछ हिस्सों में बिना प्लास्टर किए ही रंग-रोगन कर दिए जाने की भी शिकायत है। परिसर में कराई गई बोरिंग भी पर्याप्त गहराई तक नहीं होने से पानी नहीं निकल रहा, जिससे पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं पर संकट उत्पन्न हो गया है। जूनियर इंजीनियर सौदाव आलम ने कहा कि सहकारिता सप्ताह के बाद भवन का विस्तृत निरीक्षण किया जाएगा। जांच में खामियां मिलने पर संबंधित हिस्से को तोड़कर दोबारा निर्माण कराया जाएगा तथा सभी कमियां दूर होने और पैक्स अध्यक्ष की एनओसी मिलने तक संवेदक को भुगतान नहीं किया जाएगा। जिला सहकारिता पदाधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि निर्माण के दौरान भी घटिया सामग्री के उपयोग की शिकायत मिली थी। मामले की जानकारी वरीय अधिकारियों को दी गई थी। अब दोबारा जांच कर संवेदक के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई, ब्लैकलिस्ट करने तथा अन्य कानूनी कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

बेंगलुरु सड़क हादसे में कंडसार के युवक की मौत, सात दिन तक जिंदगी से जूझने के बाद टूटी सांस; गांव में शोक की लहर

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड के कंडसार गांव निवासी 23 वर्षीय पिंटू कुमार सिंह की बेंगलुरु में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद सात दिनों तक जिंदगी और मौत से जूझने के पश्चात मंगलवार को निधन हो गया। उनकी असामयिक मौत की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, पिंटू कुमार सिंह जीविकोपार्जन के लिए करीब 15 दिन पहले बेंगलुरु गए थे, जहां वे दैनिक मजदूरी का कार्य कर रहे थे। 24 जून की रात करीब 8 बजे वे कार्य समाप्त कर अपने आवास लौट रहे थे। इसी दौरान वेमगल (कोलार) स्थित कुर्गल गेट के पास सड़क पार करते समय एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट लगी और वे घटनास्थल पर ही बेहोश हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें पहले एसएनआर अस्पताल, कोलार ले जाया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए जेपी नगर स्थित आरवी अस्पताल, बेंगलुरु में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने ब्रेन में गंभीर चोट होने के कारण उन्हें वेंटिलेटर पर रखा। परिजनों के लगातार प्रयास और उपचार के बावजूद मंगलवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। मंगलवार को बेंगलुरु में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अस्पताल के सहयोग से पार्थिव शरीर को हवाई मार्ग से उनके पैतृक गांव भेजा जा रहा है। बुधवार सुबह रांची के बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर शव पहुंचने के बाद एंबुलेंस से कंडसार लाया जाएगा। इसके बाद गांव के श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।पिंटू कुमार सिंह अत्यंत गरीब परिवार से थे और अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे। वे अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। अपने पीछे वे माता-पिता तथा दो अविवाहित बहनों को छोड़ गए हैं। उनके निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।कंडसार पंचायत के मुखिया सह विधायक प्रतिनिधि रामकुमार मेहता एवं उपमुखिया राकेश कुमार सिंह दोनों जन प्रतिनिधियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अंतिम संस्कार में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करें तथा शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करें।

जमीन विवाद में गिरिडीह के रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या, मांडू के रबोध गांव में सनसनी

हजारीबाग। रामगढ़ जिले के मांडू थाना क्षेत्र स्थित रबोध गांव से एक बड़ी और सनसनीखेज घटना सामने आई है। जमीन विवाद को लेकर गिरिडीह में पदस्थापित रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में दहशत और तनाव का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालेश्वर पटेल ने इसी वर्ष मई महीने में रबोध गांव में लगभग 11 डिसमिल जमीन खरीदी थी, जिसको लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि मंगलवार को वे अपनी खरीदी गई जमीन पर बोरिंग और समरसेबुल पंप देखने गए थे। उसी समय उनके उपर जानलेवा हमला किया गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बालेश्वर पटेल की मौत के बाद उनकी पत्नी रीता देवी ने मांडू थाना में आवेदन दिया है। थाने में दर्ज आवेदन में कहा गया है कि उनके पति हाल ही में खरीदी गई जमीन पर बोरिंग और समरसेबुल पंप देखने गए थे कि इसी दौरान रामू साव उर्फ ज्ञानी साव, बिष्णु कुमार, संतोष साव, पूजा देवी,रूबी देवी, सकुंतला देवी, नंदू और उनकी बेटी डोली कुमारी सहित कुल आठ लोगों ने उनकी बेरहमी से हत्या कर दी। बरदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए। रीता देवी ने इस हत्याकांड में हुआग गांव निवासी हेमंत पांडे और दिनेश्वर साव की संलिप्तता होने की आशंका जताई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मांडू थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार हत्या के पीछे जमीन विवाद को प्रमुख कारण माना जा रहा है। हालांकि, मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। पुलिस आरोपियों की पहचान करने और घटना में शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

शिक्षा विभाग अनजान, खतरे में बच्चों की जान

तीन करोड़ 32 लाख रुपए हुए थे खर्च

गीतांजलि/ उज्जवल दुनिया संवाददाता

चतरा जिले के अधिकांश स्कूलों से चोरी हो चुके हैं तड़ित चालक यंत्र

चतरा। मॉनसून ने दस्तक दे दिया है।और कई स्कूलों में तड़ित चालक नहीं लगा हुआ है। चतरा जिला वज्रपात के मामले में काफी संवेदनशील माना जाता है।इसलिए वज्रपात का खतरा हमेशा बना भी रहता है।ऐसे में चतरा जिले के सरकारी स्कूलों में बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। स्कूल में अगर वज्रपात हो जाए तो बड़ा हादसा हो सकता है। हैरत की बात तो यह है कि शिक्षा विभाग लापरवाही बरत रहा है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि विभाग को कितने स्कूलों में तड़ित चालक लगे हैं, इसकी जानकारी ही नहीं है।चतरा जिले में अब तक दर्जनों लोग वज्रपात की चपेट में आकर अपनी जान गवां चुके हैं।कहने का तात्पर्य यह है कि पूरा चतरा जिला वज्रपात के मामले में काफी संवेदनशील माना जाता है। स्कूलों से चोरी भी हो गए तड़ित चालक : जिले के अधिकांश स्कूलों में या तो तड़ित चालक हैं ही नहीं, या चोरी हो गए।सिमरिया के राज्य संपोषित प्लस टू स्कूल में लगभग आठ सौ बच्चे पढ़ते हैं।मगर इस स्कूल में वज्रपात से सुरक्षा के लिए कभी तड़ित चालक ही नहीं लगा।बहरहाल जिले के सभी स्कूलों में पांच छह साल पूर्व तड़ित चालक लगाया तो गया था।मगर एक दो माह के भीतर ही सारे चोरी हो गए।इसके पीछे राज यह है कि एक तड़ित चालक के लिए शिक्षा विभाग ने 24 हजार रुपए आवंटित किया था।मगर तड़ित चालक इतने घटिया क्वालिटी के थे कि उसकी लागत महज एक से डेढ़ हजार रुपए आ रही थी।ग्राम शिक्षा समितियों और आपूर्ति करने वाले एजेंसियों को यह डर सता रहा था कि अगर जांच हो जाए तो वे फंस जाएंगे।लिहाजा एक एक कर सारे तड़ित चालक चुरा लिए गए।यह सोचकर कि न रहेगा बांस और न बजेगी बाँसुरी।

तीन करोड़ 32 लाख रुपया गया पानी में: चतरा जिले में कुल 1438 प्राथमिक और मध्य विद्यालय हैं।हर विद्यालय को तड़ित चालक के लिए 24 हजार रुपए रुपए आवंटित किया गया था।फिल्हाल गिने चुने स्कूलों को छोड़कर बाकी सारे स्कूलों से तड़ित चालक गायब हो चुके हैं।

एक रॉड लगाने तक का फंड विभाग के पास नहीं : तड़ित चालक का एक-एक फुट की रॉड लगाने तक के लिए शिक्षा विभाग के पास फंड नहीं है। इसकी जिम्मेवारी स्कूल संचालन समितियों पर लाद दी गई है। और तो और स्कूलों में तड़ित चालक लगे हैं या नहीं, इसको लेकर कोई जांच भी नहीं कराई जाती। जबकि मॉनसून से पूर्व इन सुरक्षा बिंदुओं को सुनिश्चित करना विभाग की अनिवार्य जिम्मेवारी है।

क्या होता है तड़ित चालक : तड़ित चालक एक धातु क चालक छड़ होती है, जिसे ऊंचे भवनों की छत पर आकाशीय बिजली से रक्षा के लिए लगाया जाता है। इसका ऊपरी सिरा नुकीला होता है। इन्हें किसी चालक तार आदि से जोड़कर, उसे नीचे लाकर अर्थिंग के लिए धरती के अंदर डाल दिया जाता है। ताकि बिजली उतरने पर अर्थिंग से वह तुरंत न्यूट्रल हो जाए और किसी को करंट न लगे।

क्या कहते हैं अभिभावक

अभिभावक शंभु पाठक कहते हैं कि मौसम खराब होता है तो सारा ध्यान बच्चों पर लगा रहता है।क्योंकि इस इलाके में वज्रपात अधिक होती है।

हुल दिवस का उद्देश्य अभी भी अधूरा, जल-जंगल-जमीन की लूट के खिलाफ फिर बड़े उलगुलान की जरूरत

हजारीबाग। देश के ऐतिहासिक और महान संथाल विद्रोह के नायकों की याद में मनाए जाने वाले हूल दिवस के अवसर पर सिधु-कान्हू चौक पर एक भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। 171वें हूल दिवस के इस ऐतिहासिक मौके पर पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, सीपीएम के जिला सचिव गणेश कुमार सीटू, स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के दिग्गजों ने वीर शहीद सिधु-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान नेताओं ने दो टूक शब्दों में कहा कि शहीदों ने जिस जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपनी शहादत दी थी, उसका उद्देश्य आज भी पूरी तरह अधूरा है। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने व्यवस्था पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने बेहद गंभीर लहजे में कहा कि हमारे वीर नायकों ने जिस जल, जंगल और जमीन की बेतहाशा लूट के खिलाफ अंग्रेजों के दांत खट्टे किए थे और अपनी कुबार्नी दी थी, वह लूट झारखंड राज्य बनने के 26 साल बाद भी बदस्तूर जारी है। उन्होंने राज्य की जनता का आह्वान करते हुए कहा कि शहीदों के सपनों का झारखंड बनाने और इस अनवरत लूट को हमेशा के लिए रोकने के लिए आज हम सबको आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होना होगा। अब समय आ गया है कि झारखंड की धरती पर एक और बड़ा उलगुलान (क्रांति) शुरू किया जाए।

कार्ल मार्क्स ने संथाल विद्रोह को माना था अंग्रेजों के खिलाफ 'पहला राष्ट्रीय आंदोलन'

सभा में मौजूद सीपीएम के जिला सचिव गणेश कुमार सीटू ने इस गौरवशाली विद्रोह के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इतिहासकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि कई इतिहासकारों ने इस महान क्रांति के महत्व को कमतर आंकने के लिए इसे महज 'संथाल विद्रोह' या एक 'क्षेत्रीय विद्रोह' कहकर सीमित करने का प्रयास किया।

एक नजर

दो गाय चोरी मामले में दो युवक नामजद, पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड के खूटरा गांव में दो गाय चोरी होने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। गांव निवासी तौसीफ रजा ने पेलावल ओपी में लिखित आवेदन देकर गांव के ही शेफ अली और राजा मल्लिक पर दो गाय चोरी करने, जान से मारने की धमकी देने तथा वाहन को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई एवं चोरी हुई गायों की बरामदगी की मांग की है। आवेदन के अनुसार 24 मार्च 2026 की रात करीब 11 बजे उनके घर से एक सफेद और एक काले रंग की गाय चोरी हो गई। पीड़ित का दावा है कि घर से बाहर निकलने पर उन्होंने दोनों आरोपितों को गाय लेकर भागते देखा। विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। साथ ही उनकी टाटा सूमो (संख्या खल01अअ7972) की पेट्रोल टंकी में चीनी का घोल डालकर वाहन को भी क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि दोनों आरोपित पूर्व में भी पशु चोरी सहित अन्य मामलों में संलिप्त रहे हैं। इसके समर्थन में गिद्धौर थाना कांड संख्या 74/26 का हवाला देते हुए बताया गया है कि बैल-गाय चोरी के एक अन्य मामले में भी राजा मल्लिक को नामजद आरोपी बनाया गया है। इधर, खूटरा पंचायत के उपमुखिया तहसीर खान ने मामले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में लगातार गौ तस्करी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन नामजद आवेदन दिए जाने के बावजूद पुलिस की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होना गंभीर सवाल खड़ा करता है।

टाटीझरिया के बेरहो गांव में भूमि विवाद: दबंगों ने निजी रास्ता बंद कर फसल को ट्रैक्टर से रौंदा, दो लाख की रंगदारी मांगी

हजारीबाग। जिले के टाटीझरिया थाना अंतर्गत बेरहो गांव से एक ऐसा मामला सामने आया है जो कानूनी व्यवस्था के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं को भी झकझोर कर रख देने वाला है। यहाँ एक साधारण ग्रामीण परिवार दबंगई, मानसिक उत्पीड़न और अपनों के ही छलावे के कारण दाने-दाने को तरसने और अपनी ही सुरक्षा के लिए खौफ के साए में जीने को मजबूर हो गया है। पीड़ित परिवार ने इस असहनीय पीड़ा और प्रताड़ना से त्रस्त होकर पुलिस अधीक्षक, अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर अपनी जान-माल की रक्षा के लिए गुहार लगाई है। इस भावुक और दुखद दास्तान की शुरूआत दशकों पुरानी पारिवारिक सहमति से होती है। पीड़ित चंद्रकिशोर प्रसाद ने भारी मन से अधिकारियों को बताया कि वर्ष 1991 में उनके पिता रामनाथ महतो और उनके भाइयों ने मिलकर आपसी सहमति से 12 एकड़ भूमि खरीदी थी। इसके बाद जमीन का विधिवत बंटवारा हुआ, जिस पर पिछले 35 वर्षों से उनका परिवार खून-पसीना बहाकर खेती-बारी कर रहा था और इसी से पूरे घर की आजीविका चलती थी। लेकिन बीते 24 जून 2026 की सुबह 9 बजे भाईचारे के सारे रिश्ते तार-तार हो गए। उनके ही कुछ गोतिया और गांव के करीब 25 से 30 लोग लाठी, कुल्हाड़ी, लोहे की रॉड और फरसा जैसे घातक हथियारों से लैस होकर आए। इन लोगों ने एक सोची-समझी साजिश के तहत चंद्रकिशोर के खेत पर जाने वाले मुख्य रास्ते को बांस-बल्ली का मजबूत बाड़ा लगाकर पूरी तरह से बंद कर दिया। पीड़ित परिवार की तकलीफ का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि जब उन्होंने अपने हक के रास्ते को बंद करने का विरोध किया, तो हमलावरों ने क्रूरता की हदें पार कर दीं। दबंगों ने ट्रैक्टर चलाकर चंद्रकिशोर द्वारा पहले से अपने खर्च पर लगाई गई पूरी लहलहाती फसल को बेरहमी से रौंदकर मिट्टी में मिला दिया। जब किसान अपनी आंखों के सामने अपनी मेहनत को बर्बाद होते देख रोने लगा, तो उसे और उसके परिवार को घेरकर गंदी-गंदी गालियां दी गईं। आरोपियों ने पीड़ित के सामने दो लाख रुपये की अवैध रंगदारी की मांग रख दी और साफ कहा कि अगर यह रकम नहीं मिली तो जमीन पर पैर रखते ही पूरे परिवार को जान से मार दिया जाएगा। उस वक्त माहौल इतना हिंसक हो चुका था कि अपनी जान बचाने के लिए पीड़ित को भागकर पास के जंगल की तरफ जाना पड़ा, जहाँ से उन्होंने रोते हुए अपनी बेटियों को फोन कर इस भयावह स्थिति की जानकारी दी।

प्रमंडलीय आयुक्त ने न्यायालय वादों, राजस्व एवं भू-अर्जन से संबंधित मामलों की समीक्षा की

त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

चतरा। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के प्रमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता के सोमवार को चतरा आगमन पर परिसदन परिसर में जिला पुलिस बल द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त श्री रवि आनंद ने पौधा भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके उपरांत समाहरणालय सभागार में प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में ऑनलाइन कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से न्यायालयों में लंबित एवं निष्पादित वादों, राजस्व मामलों तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं से संबंधित भू-अर्जन एवं भू-हस्तांतरण प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त श्री रवि आनंद सहित सभी अंचल अधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त ने न्यायालय वादों के निष्पादन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी लंबित मामलों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं विधिसम्मत निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं माननीय उच्च न्यायालय से संबंधित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में म्यूटेशन, सक्सेशन म्यूटेशन, भूमि सीमांकन (लैंड डिमार्केशन), परिशोधन पोर्टल, कंटेंप्ट केस, सीपी ग्राम सहित विभिन्न राजस्व मामलों की अंचलवार समीक्षा की गई। प्रमंडलीय आयुक्त ने निर्देश दिया कि राजस्व संबंधी मामलों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा सभी प्रकरणों का नियमित अनुश्रवण करते हुए समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए लंबित भू-अर्जन, भू-हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की। इस दौरान भारतमाला परियोजना, चतरा बाईपास, सिमरिया बाईपास, टोरीझ्शिवपुर नई बीजी रेल लाइन परियोजना, सोपारमझबरियातू एनएच-99 चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण तथा घंघरी से कौलेश्वरी तक पथ चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण सहित अन्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमंडलीय आयुक्त ने अंचलवार जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण-पत्रों के लंबित आवेदनों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को समय पर प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस संबंध में प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सभी लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान अधिकारियों एवं कर्मियों की ऑनलाइन उपस्थिति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू के संघर्ष को आगे बढ़ाने का लिया संकल्प

सतनपुर में श्रद्धांजलि सभा, जल-जंगल-जमीन व आदिवासी अस्मिता की रक्षा का लिया गया संकल्प

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। आदिवासी-मूलवासी समाज सतनपुर की ओर से मंगलवार को हूल दिवस श्रद्धा, सम्मान और संकल्प के साथ मनाया गया। सतनपुर पंचायत के बागरायबेड़ा टोला के समीप सराय पहाड़ी और पोंड टुंगरी के बीच स्थित सिदो-कान्हू चौक पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने अमर शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके संघर्ष और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम की शुरूआत नायके जीवन हेम्ब्रम द्वारा पारंपरिक पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने सिदो-कान्हू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और आदिवासी अस्मिता की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन रामकुमार मांझी ने किया। मुख्य अतिथि एवं सतनपुर पंचायत के मुखिया काली पद सिंह ने कहा कि सिदो-कान्हू का संघर्ष झारखंड के स्वाभिमान, अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक है। उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनके विचारों और संघर्ष की विरासत को आगे बढ़ाकर ही झारखंड के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। झामुमो चास प्रखंड अध्यक्ष राम दया सिंह ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत के शोषण और दमन के विरुद्ध सिदो-कान्हू के नेतृत्व में शुरू हुआ संताल हूल भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का ऐतिहासिक अध्याय है। यह आंदोलन आज भी अन्याय के खिलाफ संघर्ष और अधिकारों की रक्षा की प्रेरणा देता है।समाजसेवी योगो पूर्ती ने कहा कि 30 जून झारखंड के इतिहास का गौरवशाली दिवस है। इसी दिन संताल वीरों ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका था, जिसे संताल हूल के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि इतिहासकार इसे भारत की आजादी की पहली लड़ाइयों में शामिल करते हैं। नई पीढ़ी को इस गौरवशाली विरासत से प्रेरणा लेकर अपने इतिहास, संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव सजग रहना चाहिए। सतनपुर पंचायत समिति सदस्य वासुदेव मांझी ने भी हूल आंदोलन के सामाजिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे आदिवासी स्वाभिमान का सबसे बड़ा प्रतीक बताया। इस दौरान रतन लायक, राकेश हेम्ब्रम, मोहन हेम्ब्रम, सुखदेव हांसदा, टी. कुमार, नगर मांझी, प्रशांत किस्कू, सुखदेव मांझी, अनिल मांझी, मनसु हेम्ब्रम, छुटू टुडू, हेमंत किस्कू, विशाल सोरेन, सचिन, संदीप, फुलेश्वर किस्कू, मुकेश सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं समाज के लोग उपस्थित थे।

मैथन डैम परियोजना में विद्युत संरक्षा सप्ताह के अवसर पर नारा लेखन प्रतियोगिता का सफल आयोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

एग्यारकुंड। दामोदर घाटी निगम, मैथन डैम परियोजना में विद्युत संरक्षा सप्ताह के अंतर्गत कंबाइंड बिल्डिंग स्थित एनएचपी सम्मेलन कक्ष में नारा लेखन प्रतियोगिता का गरिमामय एवं सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच विद्युत संरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सुरक्षित कार्य-संस्कृति को प्रोत्साहित करना तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना था। प्रतियोगिता में परियोजना के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विद्युत सुरक्षा से जुड़े प्रभावशाली एवं प्रेरक नारों के माध्यम से सुरक्षित कार्य वातावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस नारा लेखन प्रतियोगिता में डॉ. कौशलेन्द्र कुमार,बी.ए. वानखेड़े, बिनोद कुमार सिन्हा,सोमेन साहा, अनुपम साहा,अपूर्व साहा,जयंत फनी,संजय कुमार सिंह,सौरभ सिन्हा,उज्ज्वल बनर्जी,श्रीमती मौमिता बोस तथा श्रीमती बनार्ली बनर्जी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी ने भाग लिया ।कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्रीनिवास राव ने सभी प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्युत संरक्षा केवल नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी की कार्य-संस्कृति और जिम्मेदारी का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने सभी से सुरक्षा मानकों का निरंतर पालन करने का आह्वान किया।कार्यक्रम का प्रभावी एवं सुव्यवस्थित संचालन रवि कुमार सिन्हा,कार्यपालक (राजभाषा), द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों को सुरक्षित,उत्तरदायी एवं दुर्घटनामुक्त कार्य वातावरण के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

चंद्रपुरा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 37 पेटी विदेशी शराब बरामद, चार तस्कर गिरफ्तार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

गोमिया। बोकारो पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के तेलो पूर्वी बड़ियारटांड में छापेमारी कर चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान 37 पेटी विदेशी शराब, 305 एक्साइज ढक्कन, 51 स्टीकर तथा पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए। सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में तेनुघाट जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बेरमो एसडीपीओ के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने मंगलवार को यह छापेमारी की। पुलिस को 29 जून को गुप्त सूचना मिली थी कि तेलो पूर्वी बड़ियारटांड निवासी कामेश्वर कुमार महतो अपने सहयोगियों के साथ अवैध विदेशी शराब का निर्माण एवं कारोबार कर रहा है। सूचना के आधार पर गठित टीम ने उत्पाद विभाग के साथ मिलकर हनुमान मंदिर के सामने स्थित उसके घर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से कामेश्वर कुमार महतो, विनय कुमार, दिनेश प्रजापति तथा कृष्णा कुमार को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपितों के घरों से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब एवं शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री बरामद की गई।

बरामद शराब में ब्लैक टाइगर व्हिस्की की 15 पेटी, ऑफिसर्स च्वाइस की 12 पेटी, एमसी डॉवेल नंबर-1 की तीन पेटी, रॉयल चैलेंजर की तीन पेटी तथा स्टर्लिंग रिजर्व बी-7 की चार पेटी शामिल हैं। इसके अलावा 101 काले रंग के झारखंड एक्साइज आरसी लोगो वाले ढक्कन, 204 ग्रे रंग के झारखंड एक्साइज एमसीडी लोगो वाले ढक्कन, ब्लेंडर्स प्राइड के 51 स्टीकर तथा पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए गए।

गिरफ्तार आरोपितों में 33 वर्षीय कामेश्वर कुमार महतो (तेलो पूर्वी बड़ियारटांड), 32 वर्षीय विनय कुमार (तेलो पश्चिमी), 41 वर्षीय दिनेश प्रजापति (तेलो मध्य) तथा 19 वर्षीय कृष्णा कुमार (तुपकाडीह, जरीडीह) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपित कामेश्वर कुमार महतो के विरुद्ध चंद्रपुरा एवं दुग्दा थाना में पूर्व से चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संबंध में चंद्रपुरा थाना कांड संख्या 75/2026 दिनांक 30 जून 2026 के तहत विभिन्न धाराओं के साथ उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए) के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। छापेमारी दल में चंद्रपुरा थाना प्रभारी विक्रम कुमार, दुग्दा थाना प्रभारी मनीष कुमार, बोकारो झरिया ओपी प्रभारी श्रीनिवास सिंह सहित उत्पाद विभाग एवं पुलिस के अन्य अधिकारी शामिल थे।

जरीडीह में नकली विदेशी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, डेढ़ लाख से अधिक नकदी समेत भारी मात्रा में सामग्री जब्त, कारोबारी गिरफ्तार

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जरीडीह पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए तुपकाडीह के कुम्हारडीह टोला में संचालित नकली विदेशी शराब निर्माण केंद्र का पदार्फाश किया है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना पर थाना प्रभारी जरीडीह के नेतृत्व में गठित विशेष छापामारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी संजय साव के घर पर छापेमारी की, जहां भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब, पैकेजिंग सामग्री और नकदी बरामद की गई। छापेमारी के दौरान करीब 40 लीटर तैयार नकली विदेशी शराब, रॉयल स्टैग, रॉयल चैलेंज और आइकॉनिक ब्रांड के कुल 4000 नकली ढक्कन, बड़ी संख्या में स्टीकर, बारकोड, खाली कांच की बोतलें तथा 1,89,600 रुपये नकद बरामद किए गए। नकदी स्टीकर के बंडल में छिपाकर रखी गई थी। पुलिस ने शराब निर्माण में प्रयुक्त अन्य सामग्री भी जब्त की है। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह नकली शराब तैयार कर विभिन्न नामी ब्रांडों की पैकिंग में आसपास के क्षेत्रों में बिक्री करता था। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जरीडीह थाना कांड संख्या 100/2026 दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि संजय साव पहले भी अवैध शराब कारोबार से जुड़े मामलों में आरोपी रह चुका है। उसके विरुद्ध जरीडीह और पेटरवार थानों में उत्पाद अधिनियम एवं बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। बोकारो पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अवैध शराब निर्माण, बिक्री या तस्करी की सूचना तत्काल स्थानीय थाना अथवा डायल-112 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जिले को नशामुक्त बनाने और ऐसे अवैध कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

हूल दिवस पर अमर बलिदानियों को दी गई श्रद्धांजलि

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

धनबाद। हूल दिवस के अवसर पर सिंदरी बस्ती स्थित अमर क्रांतिकारी वीर सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें, चांद-भैरव एवं वीरांगना फूलो-झानो सहित संताल हूल के सभी अमर बलिदानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के निवर्तमान जिला महामंत्री,धनबाद जिला ग्रामीण मनोज मिश्रा ने कहा कि संताल हूल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक गौरवशाली अध्याय है। वीर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जल, जंगल, जमीन, स्वाभिमान और जन-अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।उनका त्याग और संघर्ष आज भी समाज को राष्ट्रभक्ति,साहस एवं अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा देता है।भाजपा सिंदरी मंडल के पूर्व अध्यक्ष विजय सिंह ने कहा कि हूल क्रांति ने देशवासियों में स्वतंत्रता और स्वाभिमान की चेतना का संचार किया। अमर क्रांतिकारियों का बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा तथा उनके आदर्श राष्ट्र निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन करते रहेंगे।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में, निवर्तमान जिला महामंत्री मनोज मिश्रा,पूर्व अध्यक्ष विजय सिंह,वरिष्ठ नेता रवि कुमार, भाजयुमो जिला मीडिया प्रभारी राजेश चौधरी, रमेश यादव सहित पार्टी के अनेक स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित सभी लोगों ने अमर बलिदानियों की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

हूल दिवस पर डीसी-एसपी-डीडीसी ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि, किया नमन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

चास आइटीआइ मोड़ स्थित सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण : कहा - 1855 का संथाल हूल 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक आधारशिला एवं राष्ट्रीय जनप्रतिरोध का प्रेरणास्त्रोत

बोकारो। मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना, डीडीसी शताब्दी मजूमदार आदि ने चास आइटीआइ मोड़ स्थित अमर क्रांतिकारी सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी, नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने संथाल हूल के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे भारत के स्वतंत्रता संग्राम की महत्वपूर्ण आधारशिला बताया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्ष 1855 का संथाल हूल केवल आदिवासी इतिहास की घटना नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। यह जनविद्रोह 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तैयार करने वाला आंदोलन था, जिसने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध व्यापक जनजागरण और संगठित प्रतिरोध का मार्ग प्रशस्त किया।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के विरुद्ध इस ऐतिहासिक संघर्ष का नेतृत्व एक ही परिवार के वीर क्रांतिकारियों - सिदो, कान्हू, चाँद, भैरव, फूलो और झानो ने किया। इन महान सेनानियों ने शोषण, अन्याय और ईस्ट इंडिया कंपनी की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध संथाल समाज को संगठित कर अदम्य साहस और बलिदान का परिचय दिया। उनका संघर्ष आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमान और अधिकारों की रक्षा के साथ-साथ स्वतंत्रता और न्याय के लिए पूरे देश को प्रेरित करने वाला था। डीसी ने कहा कि संथाल हूल केवल एक क्षेत्रीय या आदिवासी आंदोलन नहीं था, बल्कि विदेशी शासन के विरुद्ध संगठित राष्ट्रीय प्रतिरोध का सशक्त स्वर था। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त हुआ और भारत का प्रशासन सीधे ब्रिटिश क्राउन के अधीन चला गया। इस दृष्टि से 1857 भारतीय इतिहास का महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुआ, जिसकी वैचारिक एवं संघर्षपूर्ण पृष्ठभूमि 1855 के संथाल हूल में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि नई पीढ़ी सिदो, कान्हू, चाँद, भैरव, फूलो और झानो जैसे महान क्रांतिकारियों के त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। हूल दिवस हमें अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, सामाजिक एकता और स्वतंत्रता के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश देता है। मौके पर जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

एक नजर

जेबीसीसीआई हमारा अधिकार, 12वें वेतन समझौते के लिए होगा संघर्ष : संयुक्त मोर्चा

गोमिया। 12वें वेतन समझौते के लिए जेबीसीसीआई (ज्वाइंट बाइपार्टाइट कमेटी फॉर द कोल इंडस्ट्री) के गठन की मांग को लेकर 1 जुलाई को पूरे कोयला उद्योग में संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा के नेतृत्व में 'मांग दिवस' मनाया जाएगा। इसकी सफलता को लेकर विभिन्न कोलियरियों एवं इकाइयों में लगातार पीट मीटिंग और नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सीसीएल कथारा क्षेत्र के स्वांग वाशरी में मंगलवार को मांग दिवस की सफलता को लेकर पीट मीटिंग आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मजदूर नेता सुधीर सिंह ने की। बैठक को संबोधित करते हुए एनसीओईए के केंद्रीय कमेटी सदस्य सह क्षेत्रीय अध्यक्ष श्याम बिहारी सिंह दिनकर ने कहा कि 12वें वेतन समझौते के लिए जेबीसीसीआई का गठन कोयला मजदूरों का अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए चार लेबर कोड जेबीसीसीआई के गठन में सबसे बड़ी बाधा बन रहे हैं और इनका उद्देश्य मजदूरों के अधिकारों में कटौती करना है। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई का मांग दिवस आंदोलन की शुरूआत है, जिसके बाद जेबीसीसीआई के गठन और 12वें वेतन समझौते को लेकर पूरे कोयला उद्योग में व्यापक संघर्ष किया जाएगा। एटक नेता बलराम नायक ने कहा कि कोयला मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए ट्रेड यूनियनें हमेशा संघर्ष करती रही हैं और इस बार भी 12वें वेतन समझौते के लिए एकजुट होकर आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि जीत मजदूरों की ही होगी। पीट मीटिंग को सीटू नेता रोशन कुमार, इंटक नेता हृदय नारायण यादव सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया और 1 जुलाई के मांग दिवस को सफल बनाने का आह्वान किया।

रोटरी क्लब चास के अगले सत्र (26-27) में मुकेश अग्रवाल अध्यक्ष एवं विनोद चोपड़ा : सचिव

बोकारो। रोटरी क्लब आफ चास के आगामी सत्र के लिए मुकेश अग्रवाल को अध्यक्ष तथा विनोद चोपड़ा को सचिव पद के लिए मनोनीत किया गया है। नरेंद्र सिंह होंगे अगले कोषाध्यक्ष। 1 जुलाई 2026 से संभालेंगे कार्यभार। क्लब के सदस्यों ने पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में क्लब सामाजिक सेवा एवं जनहित के कार्यों को नई दिशा देगा। नवनियुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि क्लब शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता देगा। वहीं सचिव विनोद चोपड़ा ने सभी सदस्यों के सहयोग से क्लब की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने की बात कही। क्लब के वरिष्ठ सदस्यों ने दोनों पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आगामी सत्र के सफल संचालन की शुभकामनाएं दीं।

14वीं राष्ट्रीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में झारखंड का शानदार प्रदर्शन, 9 पदक जीतकर बढ़ाया राज्य का मान

एग्यारकुंड। 25 से 28 जून 2026 तक महाराष्ट्र के नासिक स्थित इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स,संत जनार्दन स्वामी आश्रम में आयोजित 14वीं पेंचक सिलाट सिंगा,मकान, प्री-टीन, प्री-जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से राज्य का गौरव राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण, 2 रजत एवं 3 कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। स्वर्ण पदक विजेताः इटाशा कपूर, अनाया खलखो, विशाखा थापा एवं पलक साहू। रजत पदक विजेताः वायु तिर्की एवं अंजन राणा। कांस्य पदक विजेताः कृपा राणा, जानवी आलिया एवं रीतिका बारा। प्रतियोगिता में झारखंड पेंचक सिलाट संघ की सचिव मिस डौली सिंह ने रेफरी की भूमिका निभाई। वहीं सूरज चिक बड़ाइक एवं किरण सिंह ने कोच तथा जादूमीनी हेम्ब्रम ने टीम मैनेजर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इस शानदार उपलब्धि पर संघ के अध्यक्ष किशोर मंत्री, चीफ कोच बिजय कुमार लिम्बु, किशन कुमार, दीपा कुमारी, जेना हेंब्रम, प्रवीण सहित संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।उन्होंने विश्वास जताया कि झारखंड के खिलाड़ी भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करते रहेंगे। यह जानकारी शबनम मिंज ने दी।

72 घंटे के भीतर चोरी की बाइक बरामद, चतरोचट्टी पुलिस ने आरोपी को दबोचा

बोकारो। चतरोचट्टी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन चोरी के एक मामले का सफल उद्भेदन कर चोरी गई स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, 27 जून 2026 को चतरोचट्टी थाना क्षेत्र के शनिवार बाजार से लखन महतो की स्प्लेंडर प्लस बाइक (जेएच02बीएच-5364) चोरी हो गई थी। इस संबंध में लखन महतो, निवासी गोविंदपुर कला (विष्णुगढ़, हजारीबाग) के लिखित आवेदन पर चतरोचट्टी थाना कांड संख्या-32/2026 अज्ञात चोर के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बड़की सीधावारा गांव में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान लालजी तुरी (32 वर्ष) के घर से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस अभियान का नेतृत्व सहायक अवर निरीक्षक महेश कुमार शर्मा ने किया। छापेमारी दल में आरक्षी बिरसु उरांव, प्रदीप लकड़ा, अजय मेहता और रामेश्वर यादव शामिल थे।

डीवीसी, मैथन में सेवानिवृत्ति विदाई समारोह

एग्यारकुंड। दामोदर घाटी निगम मैथन डैम परियोजना के कॉम्बाइंड बिल्डिंग स्थित एनएचपी सम्मेलन कक्ष में सेवानिवृत्त हो रहे खेमलाल महतो,तकनीकी सहायक के सम्मान में एक गरिमामय एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके दीर्घ, समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवाकाल को सम्मानपूर्वक स्मरण करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ, सुखमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर सुबीर कुमार साहा, कार्यपालक निदेशक (सिविल) एवं परियोजना प्रधान,डीवीसी मैथन ने खेमलाल महतो को शाल ,संजीवनी वृक्ष मेमेटों व अन्य भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज का अवसर पूरे परियोजना परिवार के लिए भावनात्मक एवं स्मरणीय है।

स्वामी वी. आई. इंटरप्राइजेज के लिए प्रकाशक मानवेन्द्र कुमार सिंह एवं मुद्रक एस. एच. प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, कांटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, रातू, रांची -835222 द्वारा झारखंड से मुद्रित एवं एसटी-663/664, न्यू एसटी चौक, धुर्वा, रांची से प्रकाशित, संपादकः मानवेन्द्र कुमार सिंह (खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) : फोन नं. 8709022665, PRGI N0. - JHAHIN/2014/59794

जिले में 18 जुलाई को लगेगी विशेष लोक अदालत चेक बाउंस मामलों का होगा त्वरित निपटारा

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा), नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निदेर्शानुसार वर्ष 2026 में चेक बाउंस (एनआई एक्ट) से संबंधित मामलों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निपटारे हेतु जिले में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जहां इस विशेष लोक अदालत का आयोजन आगामी दिनांक 18 जुलाई, 2026 को किया जाएगा। जहां इस संबंध में मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार ने अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में न्यायिक पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की। जहां विशेष लोक अदालत में परक्राम्य लिखत अधिनियम के अंतर्गत लंबित एवं प्री लिटिगेशन स्तर के चेक बाउंस मामलों का आपसी सहमति एवं समझौते के माध्यम से त्वरित निपटारा किया जाएगा। इसके लिए पूर्व लोक अदालत काउंसिलिंग प्रारंभ की जा रही है। साथ ही साथ चिन्हित मामलों की सूची झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची को प्रेषित की जा रही है। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार ने इस विशेष लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित करने हेतु कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश जारी किए हैं। जहां पक्षकारों को समय पर नोटिस उपलब्ध कराने एवं उसकी तामिला सुनिश्चित करने के लिए पैरा लीगल वॉलिंटियर्स व न्याय मित्र की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, मामलों में आपसी सहमति एवं समझौता कराने हेतु विधिक मध्यस्थों का सहयोग भी लिया जा रहा है। वही आम लोगों को विशेष लोक अदालत के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिलेभर में व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है । इसके अंतर्गत होर्डिंग्स, बैनर तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से लोगों को जानकारी प्रदान की जा रही है ।

वही प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार ने जिले के नागरिकों, व्यवसायियों एवं संबंधित पक्षकारों से अपील की है कि वे चेक बाउंस से संबंधित अपने मामलों के निःशुल्क, त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु विशेष लोक अदालत का अधिकतम लाभ उठाएँ। वही इच्छुक पक्षकार अपने मामलों के निबंधन एवं समाधान हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकार, व्यवहार न्यायालय मुख्य भवन, प्रथम तल अथवा अनुमंडल विधिक सेवा समिति, राजमहल में आवेदन कर सकते हैं। वही अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए मोबाइल या व्हाट्सएप नंबर 9471521725 एवं ई मेल डीएलसए साहिबगंज @ जीमेल डॉट कॉम तथा नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 पर संपर्क किया जा सकता है।

जैप 9 परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित, 3 अधिकारियों को दी गई विदाई

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप) 9 साहिबगंज परिसर में मंगलवार को समादेष्टा रेशमा रमेशन की अध्यक्षता में विदाई सह सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां इस कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक सुमन कुमार सवैया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए जबकि कार्यक्रम का संचालन झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने किया।इस अवसर पर निरीक्षक (सशस्त्र) प्रभु प्रसाद, अवर निरीक्षक (सशस्त्र) भगवान मांझी एवं अवर निरीक्षक (सशस्त्र) नसरुद्दीन को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।जहां अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने उनके सेवाकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।वही कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।इस मौके पर सत्येंद्र पासवान, भरत यादव, संजय यादव, अमित पासवान, धनंजय सिंह, मुन्ना सिंह, कबीर खान, झारखंड पुलिस एसोसिएशन पुलिस मेंस एसोसिएशन चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों सहित वाहिनी के अधिकारी, पुलिसकर्मी एवं कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

हूल दिवस के मौके पर उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक समेत जिला प्रशासन के अधिकारियों ने सिद्धो कान्हू की प्रतिमा को किया नमन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

बरहेट/साहिबगंजः हूल दिवस के खास अवसर पर मंगलवार को बरहेट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत भोगनाडीह स्थित अमर शहीद सिद्धो कान्हू क्रांति स्थल एवं पार्क में अमर शहीद सिद्धो कान्हू, चांद भैरव एवं वीरांगना फूलो झानो की प्रतिमा पर उपायुक्त दीपक कुमार दुबे, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह समेत जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जहां संताल हूल के वीर सेनानियों के अदम्य साहस, त्याग, बलिदान एवं स्वतंत्रता संग्राम में उनके ऐतिहासिक योगदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया। जहां इस मौके पर जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों ने अमर शहीद सिद्धो कान्हू के वंशज परिवारों को हूल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन के द्वारा उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया तथा उनके पूर्वजों के अद्वितीय साहस, त्याग और बलिदान को कृतज्ञतापूर्वक नमन किया गया। इस मौके पर जिला प्रशासन के वरीय अधिकारियों ने पूरे सिद्धो कान्हू पार्क का निरीक्षण करते हुए विधि व्यवस्था का भी जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को कई तरह के आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिले के 1090 बूथ क्षेत्रों में एसआईआर प्रकिया हुई शुरू

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड राज्य में 30 जून मंगलवार से विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर प्रकिया शुरू कर दिया है। जहां एसआईआर के पहले दिन जिले के 1090 बूथों में अधिसूचना जारी की गई।

वही बीएलओ ने बूथों में वोटरों, बीएलए टू के साथ आमसभा करके एसआईआर की जानकारी और इससे जुड़ी हुई कई आवश्यक फॉर्म की जानकारी दी। वही बीएलओ घर घर जाकर एसआईआर के तहत फॉर्म नंबर 6, फॉर्म नंबर 7 व फॉर्म नंबर 8 का वितरण भी किया है। जहां फॉर्म नंबर छह वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, फॉर्म नंबर सात अगर किसी मतदाता का मृत्यु हो गया है तो उसकी जानकारी देने, फॉर्म नंबर आठ मतदाता का सुधार के लिए वितरण किया गया। वही घर घर एसआईआर स्टीकर चिपकाने का कार्य किया जा रहा है।

जहां एसआईआर के तहत प्रत्येक मतदाता को बीएलओ दो प्रतियों में इन्म्यूरेशन फॉर्म घर घर बीएलओ उपलब्ध कराएगी। वही मतदाताओं को इस फॉर्म में सही एवं पूर्ण जानकारी भरकर अपने बीएलओ को वापस जमा करना होगा। वही यदि कोई मतदाता चाहे तो भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट या पोर्टल से भी इसे डाउनलोड कर सकता है।

मंडल कारा साहिबगंज का जिला जज ने किया निरीक्षण, बंदियों की समस्याएं सुन दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के अध्यक्ष अखिल कुमार ने मंगलवार को मंडल कारा, साहिबगंज का निरीक्षण किया। जहां इस दौरान उन्होंने विभिन्न बैरकों का भ्रमण कर बंदियों से संवाद किया और उनकी समस्याओं की जानकारी ली।वही निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बंदियों से स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, भोजन की व्यवस्था तथा मुकदमों में अधिवक्ता की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जिन बंदियों को आर्थिक कारणों से अधिवक्ता उपलब्ध नहीं हो पा रहा है या जिनके मामलों में जमानत अथवा अपील दायर नहीं हुई है, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। वही उन्होंने जेल परिसर की स्वच्छता, विशेषकर शौचालयों की नियमित साफ सफाई सुनिश्चित करने तथा बीमार बंदियों के लिए बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही महिला बैरक का निरीक्षण कर महिला बंदियों से भी मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं।

जहां जिला जज अखिल कुमार ने निरीक्षण के दौरान पुस्तकालय, रसोईघर, भोजन की गुणवत्ता एवं जेल में उपलब्ध अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। जहां उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि जेल मैनुअल के तहत बंदियों को मिलने वाली सभी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उधर बंदियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जेल जीवन का अंत नहीं है बल्कि आत्मचिंतन और सुधार का अवसर है। आगे उन्होंने बंदियों से समाज की मुख्यधारा में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में लौटने का आह्वान किया तथा जेल प्रशासन को समय समय पर जागरूकता एवं सुधारात्मक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। वही निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, चीफ लीगल एंड डिफेंस काउंसिल अरविंद गोयल एवं उनकी टीम सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकार और कारा प्रशासन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

दिव्यांग बच्चों के अधिकारों के संरक्षण हेतु विशेष जागरूकता अभियान हुए आयोजित

उज्जवल दुनिया संवाददाता

साहिबगंजः झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष अखिल कुमार के मार्गदर्शन में मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के उद्देश्य से मंगलवार को जिलेभर में विशेष कानूनी जागरूकता अभियान चलाया गया।

जहां इस अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत के द्वारा व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित लोक अदालत कक्ष में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही साथ लीगल एंड डिफेन्स काउंसिल एवं पारा लीगल वॉलंटियर्स, न्याय मित्र के द्वारा मूक बधिर विद्यालय में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर दिव्यांग बच्चों एवं उनके अभिभावकों को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध कानूनी सहायता की जानकारी दी गई। जहां इस कार्यक्रम में सचिव श्री भगत ने कहा कि यह अभियान राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली की ₹मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों को विधिक सेवाएँ योजना, 2024₹ के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। उधर मूक बधिर विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मानसिक अथवा शारीरिक दिव्यांगता किसी भी व्यक्ति के मौलिक एवं कानूनी अधिकारों को कम नहीं करती है। जहां प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने, समान अवसर प्राप्त करने तथा न्याय तक पहुँचने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। आगे उन्होंने आमजन, शिक्षकों एवं अभिभावकों से अपील किया कि यदि उनके संज्ञान में कोई मानसिक रूप से अस्वस्थ अथवा बौद्धिक दिव्यांग व्यक्ति सहायता का पात्र हो तो इसकी सूचना तत्काल जिला विधिक सेवा प्राधिकार को दें, ताकि उसे आवश्यक विधिक एवं अन्य सहायता समय पर उपलब्ध कराई जा सकें। वही कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को निःशुल्क विधिक सहायता हेतु राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा मानसिक स्वास्थ्य परामर्श की जानकारी भी प्रदान की गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, छात्र छात्राएं, अभिभावक, लीगल एंड डिफेन्स काउंसिल, पारा लीगल वॉलंटियर्स एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कोटालपोखर चेकनाका पर तैनात मजिस्ट्रेट के लिखित आवेदन पर कार्रवाई, चार कथित पत्रकार भेजे गए जेल

साहिबगंजः जिले के कोटालपोखर थाना क्षेत्र स्थित चेकनाका पर तैनात मजिस्ट्रेट के लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने चार कथित पत्रकारों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जहां पुलिस के अनुसार, आरोपियों पर जबरन मारपीट, वसूली करने तथा सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का आरोप है। जहां पुलिस ने आवेदन के आधार पर कानूनी कार्रवाई करते हुए सभी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इधर, इस कार्रवाई के बाद से जिले के पत्रकारों में नाराजगी और आक्रोश व्याप्त है। जहां पत्रकारों का कहना है कि यदि संबंधित लोग समाचार संकलन के उद्देश्य से मौके पर पहुंचे थे, तो पूरे मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। उधर इस घटना को लेकर पत्रकार संगठनों ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है, ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकें।

झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन जिला इकाई साहिबगंज ने हूल दिवस पर वीर शहीदों को अर्पित किया श्रद्धासुमन

साहिबगंजः हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन जिला इकाई साहिबगंज ने अमर वीर शहीद सिद्धो कान्हू, चांद भैरव व फूलो झानो को याद किया। जहां सिद्धो कान्हू स्टेडियम में जेजेए जिलाध्यक्ष चंदन सिंह के नेतृत्व में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अमर शहीद सिद्धो कान्हू की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर जेजेए जिलाध्यक्ष ने कहा कि वीरों की शहादत कभी बेकार नहीं जाती है। जहां अमर शहीदों ने जुल्म के खिलाफ एकजुटता के साथ संघर्ष का संदेश दिया। उधर अमर शहीद सिद्धो कान्हू की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें संगठन की मजबूती, पत्रकारों के संघर्ष, जनता व प्रशासन के बीच समन्वय, पत्रकारों के साथ हो रहें अन्याय, प्रशासनिक कार्रवाइयों, समाचार, फोटो व वीडियो संकलन में आ रही बाधाओं, पत्रकारों में एकता सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। जहां चंदन सिंह ने कहा कि झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन पत्रकारों के हितों की रक्षा व उनके कल्याण को लेकर संजीदगी व चट्टानी एकता के साथ काम कर रहा है। वही संगठन की ताकत आज अंतरराष्ट्रीय स्तर तक है। इस मौके पर कार्यक्रम व बैठक में अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव अरविंद ठाकुर, डिजिटल मीडिया प्रदेश प्रभारी प्रवीण कुमार सहित जिला महासचिव रब नवाज आलम, कोषाध्यक्ष अमित सिंह, सदर प्रखंड सचिव अरविंद यादव, वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र पाठक, नवीन कुमार, प्रशांत कुमार, मनीष कुमार शर्मा, सुमन झा, सहेन्द्र प्रसाद विकास कुमार शर्मा, मो. अफसर अली, देव आर्यन सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं संगठन के सदस्य मौजूद थे।

जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. दुगार्नंद झा हुए सेवानिवृत, शिक्षकों ने दी भावभीनी विदाई

साहिबगंजः जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. दुगार्नंद झा के सेवाकाल पूर्ण होने पर मंगलवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में सम्मान सह विदाई सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ. झा ने अपने कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, प्रशासनिक पारदर्शिता कायम रखने तथा शिक्षकों व विद्यालयों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जहां विभाग की ओर से उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। उधर झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ ने भी डॉ. झा को फूलमाला, अंगवस्त्र, श्रीमद्भगवद्गीता एवं स्मृति उपहार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर शिक्षक प्रतिनिधियों ने कहा कि वे हमेशा शिक्षकों की समस्याएं गंभीरता से सुनते थे और किसी भी फाइल को लंबित नहीं रहने देते थे। उधर अपने विदाई संबोधन में डॉ. झा ने कहा कि ₹साहिबगंज की मिट्टी और यहां के शिक्षकों का सहयोग वे कभी नहीं भूल पाएंगे। जहां उनकी हमेशा कोशिश रही कि जिले का हर बच्चा विद्यालय पहुंचे और उसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। इस अवसर पर अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव , डॉ. सच्चिदानंद मिश्रा, सचिव झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी, सहित शिक्षा विभाग के कई अधिकारी, कर्मचारी और शिक्षक उपस्थित थे।

जैप 9 परिसर में विदाई सह सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित, 3 अधिकारियों को दी गई सम्मानजनक विदाई

साहिबगंजः झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप) 9 साहिबगंज परिसर में मंगलवार को समादेष्टा रेशमा रमेशन की अध्यक्षता में विदाई सह सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां इस कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक सुमन कुमार सवैया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए जबकि कार्यक्रम का संचालन झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने किया।इस अवसर पर निरीक्षक (सशस्त्र) प्रभु प्रसाद, अवर निरीक्षक (सशस्त्र) भगवान मांझी एवं अवर निरीक्षक (सशस्त्र) नसरुद्दीन को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।जहां अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने उनके सेवाकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।वही कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।इस मौके पर सत्येंद्र पासवान, भरत यादव, संजय यादव, अमित पासवान, धनंजय सिंह, मुन्ना सिंह, कबीर खान, झारखंड पुलिस एसोसिएशन पुलिस मेंस एसोसिएशन चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों सहित वाहिनी के अधिकारी, पुलिसकर्मी एवं कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

आगे की राह क्या हो ?

पुण्य नगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित भव्य मंदिर में चढ़ावे और दान के हिसाब-किताब की व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और व्यवस्था में कई खामियाँ नजर आ रही हैं। पवित्र सरयू नदी के तट स्थित यह अवधपुरी विगत दिनों से कई तरह के आरोप-प्रत्यारोप के बीच चर्चा में बनी हुई है। हम सबको याद है कि लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ था। विगत वर्षों में अयोध्या धाम के जीर्णोद्धार के बाद वहाँ देश के विभिन्न भागों से अपार संख्या में श्रद्धालुओं और भक्तों का आना-जाना शुरू हुआ और वहाँ लोगों का जमावड़ा लगातार बना रहता है। विश्व के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की इतनी संख्या में आना कीर्तिमान बना रहा है। इन सबके बीच अयोध्या का परिवेश निश्चित ही बदल रहा है और वहाँ की व्यवस्था में सुधार भी हो रहा है। आज पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर आयोजनों के साथ अयोध्या के पूरे क्षेत्र की भौगोलिक और सामाजिक पारिस्थितिकी नया रूप ले रही है। ऐसे में पौराणिक नगरी अयोध्या राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान बनाने को उद्यत है। यह क्षेत्र निश्चित ही अब देश में आर्थिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व के कार्यकलापों के अभिनव केंद्र के रूप में उभर रहा है। ऐसे में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि राममंदिर की देखरेख की प्रबंध व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। उसे लेकर ताजा घटनाक्रम रामभक्तों के लिए चिंताजनक हो रहे हैं। साथ ही उसे लेकर सियासी पारा भी गर्म हो रहा है। राममंदिर की व्यवस्था को लेकर लगा आरोप न केवल बेहद संगीन है बल्कि सबके लिए शर्मनाक भी। आरोप में कहा गया है कि मंदिर में आने वाले भक्तों द्वारा जो चढ़ावा प्रभु के श्रीचरणों में श्रद्धा भाव से अर्पित होता रहा है, उसे संभालने वाले ट्रस्ट द्वारा नियुक्त कर्मी आवश्यक ईमानदारी से अपना काम नहीं कर रहे थे। वे चढ़ावे को न सुरक्षित रख पा रहे थे बल्कि उसमें अपनी मर्जी से लगातार हेराफेरी भी करते आ रहे थे।

आज का राशिफल

मेष– अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे।

वृष– महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा।

मिथुन– परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें।

कर्क– राजकीय कार्यों से लाभ। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा।

सिंह– अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

कन्या– कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था के लिए जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी।

तुला– पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा।

वृश्चिक– स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे।

धनु– संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

मकर– मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

कुंभ– स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी।

मीन– सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है।

दैनिक पंचांग

1 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

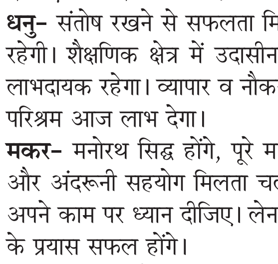

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.30 बजे से
चंद्र	धनु में	सिंह	08.46 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.58 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.08 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.23 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	17.39 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.44 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.31 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.04 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मेष	00.34 बजे से
		वृष	02.14 बजे से
		मिथुन	04.12 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 182 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 07.39 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 06.52 बजे को समाप्त। **योग** इन्द्र 16.05 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 07.39 बजे तदनन्तर तैतिल 20.40 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 07' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872757 **जूलियन दिन** 2461222.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 15 **विशेष** डॉक्टर्स एवं सी.ए. दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नागरिकता की तलाश में भारतीय

नीरज कृष्ण

भारत में जन्म लेना भारतीय होने की गारंटी नहीं है, कम-से-कम कागजों की दुनिया में तो बिल्कुल नहीं। आपके पास पासपोर्ट हो सकता है, आधार कार्ड हो सकता है, मतदाता पहचान पत्र हो सकता है, ड्राइविंग लाइसेंस और दर्जनों सरकारी दस्तावेज हो सकते हैं–फिर भी इनमें से कोई भी दस्तावेज आपको भारतीय नागरिक होने का अंतिम और निर्विवाद प्रमाण नहीं देता। यह केवल एक कानूनी विसंगति नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र का सबसे असहज और अनुत्तरित प्रश्न है। विडंबना देखिए कि राज्य नागरिक से हर अधिकार, हर सुविधा और कभी-कभी उसके अस्तित्व तक के लिए प्रमाण मांगता है, लेकिन वही राज्य आजादी के आठ दशक बाद भी उसे ऐसा कोई स्थायी दस्तावेज नहीं दे सका, जो निस्संदेह कह सके–हाँ, यह भारत का नागरिक है।जिस लोकतंत्र की नींव नागरिक पर टिकी हो, वहाँ यदि नागरिक ही अपनी नागरिकता की तलाश में भटक रहा हो, तो सवाल केवल व्यवस्था पर नहीं, लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर भी उठता है। पासपोर्ट दिवसके अवसर पर विदेश मंत्रालय ने जब यह स्पष्ट किया किपासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं, बल्कि केवल अंतरराष्ट्रीय यात्रा का दस्तावेज है, तो एक ऐसी बहस छिड़ गई जिसने भारतीय लोकतंत्र की एक गहरी प्रशासनिक विडंबना को उजागर कर दिया। लोगों के मन में स्वाभाविक प्रश्न उठा–यदि पासपोर्ट भी नागरिकता का प्रमाण नहीं है, तो फिर कोई भारतीय, विशेषकर विदेश में, अपनी नागरिकता का अंतिम प्रमाण किस आधार पर देगा? दरअसल, समस्या केवल पासपोर्ट तक सीमित नहीं है। विडंबना यह है कि भारत में नागरिकों के पास पहचान और अधिकारों से जुड़े अनेक दस्तावेज हैं, लेकिन नागरिकता का ऐसा कोई एक दस्तावेज नहीं है जिसे अंतिम और निर्विवाद प्रमाण माना जाए। विदेश मंत्रालय के अनुसार पासपोर्ट केवल यात्रा की अनुमति देता है; गृह मंत्रालय स्पष्ट करता है कि आधार केवल पहचान का माध्यम है, नागरिकता का नहीं। चुनाव आयोग कहता है कि मतदाता पहचान पत्र का उद्देश्य केवल मतदान का अधिकार सुनिश्चित करना है। आयकर विभाग पैन कार्ड को कराधान तक सीमित मानता है। ड्राइविंग लाइसेंस केवल वाहन चलाने की योग्यता का प्रमाण है, निवास प्रमाणपत्र केवल यह बताता है कि आप कहाँ रहते हैं, जबकि जन्म प्रमाणपत्र, बैंक खाते, संपत्ति के कागज और अन्य अभिलेख भी अपने-अपने सीमित उद्देश्य से जुड़े दस्तावेज हैं। आश्चर्य यह है कि इन सभी कागजों के बावजूद भारतीय नागरिकता का कोई एक अंतिम प्रमाण उपलब्ध नहीं है। यह स्थिति इसलिए और भी चौंकाती है क्योंकि दशकों से आम धारणा यही रही है कि पासपोर्ट नागरिकता का सबसे विश्वसनीय प्रमाण है। यह धारणा निराधार भी नहीं थी। पासपोर्ट जारी करने से पहले पुलिस सत्यापन, दस्तावेजों की विस्तृत जाँच और अनेक स्तरों पर पुष्टि की जाती है, ताकि किसी विदेशी नागरिक को भारतीय पासपोर्ट न मिल सके। यदि कोई व्यक्ति झूठी जानकारी देकर पासपोर्ट प्राप्त करता है तो उसके विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई का भी प्रावधान है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से यह विश्वास बना कि पासपोर्ट नागरिकता की अंतिम पुष्टि करता है। लेकिन विधिक स्थिति कुछ और है।पासपोर्ट अधिनियम, 1967स्पष्ट करता है कि पासपोर्ट का उद्देश्य केवल यात्रा को अधिकृत करना है, नागरिकता का निर्धारण करना नहीं। इतना ही नहीं, विशेष परिस्थितियों या जनहित में केंद्र सरकार ऐसे व्यक्तियों को भी पासपोर्ट जारी कर सकती है जो भारतीय नागरिक न हों। इसी कानूनी आधार पर बंबई उच्च न्यायालय ने भी एक मामले में कहा कि पासपोर्ट को नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जा सकता। यहीं से भारतीय लोकतंत्र का एक असहज प्रश्न जन्म लेता है–जब हर दस्तावेज किसी न किसी अधिकार का प्रमाण है, तब भारतीय नागरिक होने का अंतिम और निर्विवाद प्रमाण आखिर है क्या? भारतीय नागरिकता का निर्धारण किसी पहचान-पत्र से नहीं, बल्कि नागरिकता अधिनियम, 1955में निर्धारित कानूनी प्रावधानों से होता है। यह अधिनियम स्पष्ट करता है कि नागरिकता जन्म, वंश, पंजीकरण, देशीकरण (Naturalisation) और नए क्षेत्र के भारत में विलय जैसे आधारों पर प्रदान की जाती है। भारत में जन्मे ऐसे व्यक्ति, जिनके माता-पिता अधिनियम में निर्धारित शर्तों को पूरा करते हों, भारतीय नागरिक माने जाते हैं। विदेश में जन्मा व्यक्ति भी भारतीय नागरिक हो सकता है, यदि उसके माता-पिता में से कोई एक भारतीय नागरिक हो। भारतीय मूल के वे लोग, जो निर्धारित अवधि तक भारत में रह चुके हों या भारतीय नागरिक से विवाह कर चुके हों, नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसी प्रकार, कोई विदेशी नागरिक यदि कानूनन आवश्यक अवधि तक भारत में निवास करता है, तो उसे भी देशीकरण के आधार पर नागरिकता दी जा सकती है। समस्या नागरिकता प्राप्त करने के नियमों में नहीं, बल्कि उसेस्थायी रूप से प्रमाणित करने की व्यवस्थामें है। विडंबना यह है कि नागरिकता अधिनियम नागरिकता तय करने के स्पष्ट आधार तो देता है, लेकिन नागरिकों को ऐसा कोई सार्वभौमिक पहचान-पत्र नहीं देता, जो अंतिम रूप से यह घोषित कर सके कि धारक भारत का नागरिक है। जबकि इसी अधिनियम में यह प्रावधान भी है कि केंद्र सरकार प्रत्येक नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण कर सकती है, राष्ट्रीय पहचान-पत्र जारी कर सकती है तथा राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) तैयार कर सकती है। अर्थात कानून ने रास्ता बनाया, लेकिन व्यवस्था उस रास्ते पर कभी पूरी तरह चली ही नहीं। पिछले दो दशकों का इतिहास भी इसी अधूरेपन की कहानी कहता है। गृह मंत्री के रूप में लालकृष्ण आडवाणी ने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर तैयार करने की पहल की, किंतु वह आगे नहीं बढ़ सकी। बाद में पी. चिदंबरम ने आधार परियोजना को नागरिक पहचान की व्यापक व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास किया, परंतु आधार अंततः केवलपहचान का दस्तावेजबनकर रह गया, नागरिकता का नहीं। इसके बाद नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के साथ एनआरसी की चर्चा फिर तेज हुई, लेकिन तीखे राजनीतिक विरोध और व्यापक विवादों के कारण यह प्रक्रिया भी ठंडे बस्ते में चली गई। दरअसल, एनआरसी का मूल उद्देश्य प्रत्येक भारतीय नागरिक का प्रमाणित रजिस्टर तैयार करना और अवैध घुसपैठियों की पहचान करना था। बाद के वर्षों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसी प्रक्रियाओं से भी नागरिकता संबंधी शंकाओं को दूर करने की कोशिश हुई, किंतु यह समझना आवश्यक है कि चुनाव आयोग का दायित्व केवल यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची में नाम उसी व्यक्ति का हो, जो भारतीय नागरिक हो। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता संदिग्ध प्रतीत होती है, तो आयोग उसका नाम शामिल करने से इनकार कर सकता है, लेकिन किसी व्यक्ति की नागरिकता का अंतिम निर्धारण करना उसका संवैधानिक दायित्व नहीं है। यह अधिकार और जिम्मेदारी गृह मंत्रालय के अधीन है। यही वह विरोधाभास है, जिसने भारत को एक विचित्र स्थिति में खड़ा कर दिया है। नागरिकता निर्धारित करने वाला कानून मौजूद है, नागरिकता देने वाली प्रक्रिया मौजूद है, लेकिन नागरिकता का ऐसा कोई अंतिम दस्तावेज नहीं है, जो हर विवाद का अंत कर सके। परिणाम यह है कि करोड़ों भारतीयों के पास पहचान के अनेक कागज हैं, पर नागरिकता का एक भी निर्विवाद प्रमाण नहीं। कल्पना कीजिए कि एक दिन कोई सरकारी अधिकारी आपसे पूछ बैठे–'साबित कीजिए कि आप भारतीय नागरिक हैं।' सहज प्रतिक्रिया होगी कि आधार कार्ड दिखा देंगे, पासपोर्ट निकाल देंगे, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस प्रस्तुत कर देंगे। किंतु तब आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इनमें से कोई भी दस्तावेज भारतीय नागरिकता का अंतिम और निर्विवाद कानूनी प्रमाण नहीं है। विडंबना यह है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में करोड़ों लोग जन्म से भारतीय हैं, लेकिन उनके पास ऐसा कोई एकल और स्थायी दस्तावेज नहीं है जो हर परिस्थिति में उनकी नागरिकता को अंतिम रूप से सिद्ध कर सके। समस्या केवल इतनी नहीं है। भारत में आज भी करोड़ों लोगों के पास अपना जन्म प्रमाणपत्र तक नहीं है। उनसे भी बड़ी संख्या उन लोगों की है जिनके माता-पिता के जन्म संबंधी अभिलेख कभी बने ही नहीं। ऐसे में यदि किसी प्रशासनिक या कानूनी कारण से किसी नागरिक की नागरिकता पर प्रश्नचिह्न लग जाए, तो उसे अपने अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए आधार, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट, शैक्षणिक प्रमाणपत्र, भूमि अभिलेख और न जाने कितने दस्तावेजों का पुलिंदा लेकर भटकना पड़ सकता है। नागरिकता तब अधिकार नहीं, बल्कि दस्तावेजों की एक कठिन परीक्षा बन जाती है। इसके विपरीत, विश्व के अधिकांश विकसित देशों ने इस प्रश्न का संस्थागत समाधान खोज लिया है। कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और सिंगापुर जैसे देशों में नागरिकता प्राप्त होते ही आधिकारिक नागरिकता प्रमाणपत्र जारी कर दिया जाता है। जर्मनी, फ्रांस और स्पेन में आवश्यकता पड़ने पर ऐसा प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया जाता है। जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन जैसे देशों में जन्म पंजीकरण तथा पारिवारिक अभिलेख नागरिकता के मूल साक्ष्य माने जाते हैं। वहाँ पासपोर्ट नागरिकता का संकेत अवश्य है, किंतु विवाद की स्थिति में नागरिकता प्रमाणपत्र, जन्म अभिलेख या प्राकृतिककरण प्रमाणपत्र जैसे मूल दस्तावेज निर्णायक भूमिका निभाते हैं। भारत में ऐसी कोई सार्वभौमिक व्यवस्था अब तक विकसित नहीं हो सकी है। यही कारण है कि समय-समय पर ₹एकल नागरिकता प्रमाण₹ की आवश्यकता पर बहस उठती रहती है। प्रश्न केवल प्रशासनिक सुविधा का नहीं है; यह नागरिक के सम्मान, कानूनी सुरक्षा और लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। जिस राज्य के पास अपने प्रत्येक नागरिक की स्पष्ट और अंतिम पहचान का दस्तावेज ही न हो, वहाँ नागरिकता केवल संवैधानिक अधिकार नहीं रहती–वह कभी भी दस्तावेजों के बोझ तले उलझ जाने वाली एक अनिश्चित स्थिति बन सकती है। अब जबकि विदेश मंत्रालय स्वयं स्पष्ट कर चुका है कि पासपोर्ट भी नागरिकता का अंतिम प्रमाण नहीं है, तब सरकार को देश के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या भारतीय नागरिकों के लिए कभी ऐसा कोई आधिकारिक दस्तावेज जारी करने की उसकी योजना है, जो उनकी नागरिकता को निर्विवाद रूप से प्रमाणित कर सके। यह किसी दल या सरकार का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता का प्रश्न है। इस विषय पर सत्ता और विपक्ष को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सहमति बनानी चाहिए। भारत जैसे विशाल देश में, जहाँ पहचान से जुड़े दस्तावेजों की जालसाजी समय-समय पर सामने आती रही है, वहाँ नागरिकता का एक सार्वभौमिक, अंतिम और विधिक रूप से मान्य प्रमाण-पत्र समय की आवश्यकता बन चुका है। किसी भी लोकतंत्र में सबसे अधिक सुरक्षित यदि कोई चीज होनी चाहिए, तो वह उसके नागरिक का अधिकार और उसकी पहचान है। यह विडंबना ही है कि आजादी के दशकों बाद भी भारतीय अनेक पहचान-पत्रों का स्वामी है, लेकिन अपनी नागरिकता के अंतिम प्रमाण की तलाश में अब भी भटक रहा है। यह केवल एक कानूनी विसंगति नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की संवैधानिक सुरक्षा का प्रश्न है। जब तक नागरिकता का कोई सार्वभौमिक और अंतिम प्रमाण उपलब्ध नहीं होगा, तब तक प्रत्येक नागरिक सैद्धांतिक रूप से इस आशंका के दायरे में रहेगा कि किसी दिन उससे अपनी नागरिकता सिद्ध करने को कहा जा सकता है। यदि राज्य स्वयं यह स्पष्ट नहीं कर पाता कि नागरिकता का अंतिम प्रमाण क्या है, तो नागरिक उसे कैसे सिद्ध करेगा? किसी लोकतंत्र में ऐसी स्थिति नहीं होनी चाहिए, जहाँ अपने ही देश का नागरिक इस भय में जीए कि पर्याप्त दस्तावेज न होने पर उसकी नागरिकता पर प्रश्नचिह्न लग सकता है। नागरिक से प्रमाण माँगने से पहले राज्य का दायित्व है कि वह उसे नागरिकता का स्पष्ट, सार्वभौमिक और निर्विवाद प्रमाण उपलब्ध कराए।

(लेखक के निजी विचार)

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आगे आएं होनहार बच्चे

–डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत प्रतिभाओं की धरती है। यहां के गांवों, कस्बों और शहरों में ऐसे हजारों बच्चे हैं, जो अपनी उम्र से कहीं आगे बढ़कर समाज, पर्यावरण, विज्ञान, खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई कठिन परिस्थितियों में भी पढ़ाई जारी रखते हुए वैज्ञानिक सोच के साथ नवाचार कर रहा है, कोई जल और जंगल बचाने का अभियान चला रहा है, कोई राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में नाम रोशन कर रहा है, तो कोई अपनी संवेदनशीलता और साहस से समाज के लिए मिसाल बन रहा है। स्वभाविक है इस कार्य को मध्य प्रदेश के हमारे अपने अनेकों बच्चे भी कर रहे हैं, किंतु दुर्भाग्य यह है कि इनमें से अनेक बच्चों की प्रेरक कहानियां स्थानीय स्तर तक ही सीमित रह जाती हैं। वास्तव में ऐसे बच्चों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों से ह्लप्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कारह्व के लिए अधिक से अधिक नामांकन भेजने का आह्वान किया गया है। यह पुरस्कार उस सोच का सम्मान है, जो यह सिद्ध करती है कि परिवर्तन लाने के लिए बड़ी उम्र नहीं, बड़ा संकल्प चाहिए। यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो तो छोटी उम्र में भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है, जो पांच से 18 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने असाधारण धैर्य, साहस, सृजनात्मकता और अदम्य जज्बे का परिचय दिया हो। प्रत्येक वर्ष नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में भ राष्ट्रपति इन प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करते हैं। पुरस्कार छह श्रेणियों, जिसमें बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शामिल हैं, में प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के अवसर पर किया जाता है। यह दिवस दसवें सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान और नैतिक साहस की स्मृतियों को याद करने के लिए है। मात्र नौ और सात वर्ष की आयु में अपने सिद्धांतों और आस्था से समझौता न करने वाले इन वीर बालकों का जीवन आज भी बच्चों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार उसी अमर परंपरा को वर्तमान पीढ़ी की उपलब्धियों से जोड़ने का माध्यम है, जहां साहस, सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता को राष्ट्र का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त होता है। वर्ष 2019 में इस पुरस्कार की नई व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक देशभर के 203 बच्चों को सम्मानित किया जा चुका है। इन बच्चों की उपलब्धियां विविध क्षेत्रों में रही हैं। किसी ने बाढ़ या आग जैसी आपदा में लोगों की जान बचाई, किसी ने वैज्ञानिक उपकरण विकसित किए, किसी ने दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी तकनीक बनाई, किसी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए हजारों लोगों को जागरूक किया, तो किसी ने खेल या कला के क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ाया। इन प्रेरक कहानियों ने यह साबित किया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर, संसाधन या आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होती। मध्य प्रदेश में भी ऐसी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जनजाति अंचलों से लेकर नगर, महानगरों तक अनेक बच्चे अपनी मेहनत और रचनात्मकता से नई पहचान बना रहे हैं। अलग-अलग दिशा में हमारे बच्चे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब ऐसे बच्चों के कार्यों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए आवश्यक है कि समय रहते उनका नामांकन किया जाए। अब जिन छह श्रेणियों में यह पुरस्कार दिया जाता है, उनमें अपने जीवन की परवाह किए बिना दूसरों की सहायता की हो या संकट की घड़ी में अद्वितीय साहस और सूझबूझ का परिचय दिया हो, उसे बहादुरी के अंतर्गत सम्मान ये सम्मान मिलता है। समाज सेवा श्रेणी उन बच्चों के लिए है जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं, बच्चों या समुदाय के हित में प्रेरणादायी कार्य किए हों। पर्यावरण श्रेणी में प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता, जल संरक्षण, स्वच्छता और जलवायु संबंधी प्रयासों को महत्व दिया जाता है। खेल श्रेणी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए है। कला एवं संस्कृति में संगीत, नृत्य, चित्रकला, लोककला, रंगमंच और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में योगदान देने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाता है, जबकि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्रेणी में ऐसे नवाचारों को मान्यता दी जाती है, जिनसे समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान हुआ हो या लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद मिली हो। इस पुरस्कार की सबसे महत्वपूर्ण और अच्छी बात यह है कि इसके लिए किसी भी योग्य बच्चे का नामांकन उसके माता-पिता, शिक्षक, सामाजिक संस्था, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन या कोई भी जिम्मेदार नागरिक कर सकता है। इतना ही नहीं, यदि कोई बच्चा स्वयं को पात्र मानता है, तो वह स्व-नामांकन भी कर सकता है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि किसी प्रतिभाशाली बच्चे की उपलब्धि सिर्फ जानकारी के अभाव में छूटना नहीं चाहिए। पात्रता की दृष्टि से आवेदक भारतीय नागरिक और भारत का निवासी होना चाहिए। 31 जुलाई 2026 को उसकी आयु 5 से 18 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा उपलब्धि या कार्य पिछले दो वर्षों के भीतर का होना चाहिए। आवेदन के साथ निर्धारित दस्तावेज, हाल का फोटो तथा उपलब्धि का संक्षिप्त विवरण नामांकन की अंतिम तिथि से पहले ऑनलाइन पोर्टल https://awards.gov.in पर जमा करना होगा। यहां यह भी समझें कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वास्तव में उस विश्वास का प्रतीक है कि राष्ट्र अपने बच्चों की प्रतिभा, संवेदनशीलता, साहस और नवाचार को देख रहा है, समझ रहा है और उसका सम्मान कर रहा है। यह सम्मान उन बच्चों को नई पहचान देता है और लाखों अन्य बच्चों को यह संदेश देता है कि सकारात्मक सोच, निरंतर मेहनत और समाज के प्रति जिम्मेदारी किसी भी उम्र में राष्ट्रीय गौरव का कारण बन सकती है। मध्य प्रदेश के बच्चों के लिए यह अवसर प्रदेश की नई पीढ़ी की प्रतिभा को देश के सामने प्रस्तुत करने का भी है। यदि आपके आसपास कोई ऐसा बच्चा है जिसने अपनी उम्र से कहीं बड़ा कार्य किया है, तो उसकी कहानी राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का समय यही है। याद रखिए; सही समय पर किया गया नामांकन किसी बच्चे के जीवन की दिशा बदल सकता है और उसे देशभर के बच्चों के लिए प्रेरणा बना सकता है। संभव है, इस वर्ष राष्ट्रपति भवन में सम्मानित होने वाले असाधारण बच्चों में मध्य प्रदेश के भी हमारे कई होनहार बालक या बालिका भी शामिल हों, बस आवश्यकता है उनकी प्रतिभा को पहचानने और समय पर आगे लाने की, जो कार्य आप सभी को अपने आसपास के बच्चों की प्रतिभा को ध्यान में रखकर करना है।

(लेखक के निजी विचार)

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का शुभारंभ

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

कोडरमा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कोडरमा जिले में 30 जून से मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 अभियान का शुभारंभ हो गया। अभियान के प्रथम दिन उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता ने शहरी क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर चल रहे कार्य एवं प्रारंभिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ से अभियान की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समयबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि 30 जून से 29 जुलाई तक संचालित होने वाले इस विशेष अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन एवं समावेशी बनाना है। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप कार्य करते हुए प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करें तथा सत्यापन कार्य के दौरान आवश्यक सावधानी एवं पारदर्शिता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्राप्त होने वाले प्रपत्रों एवं अभिलेखों का नियमानुसार संधारण किया जाए तथा मतदाताओं को आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या अथवा संशय की स्थिति में संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी आपसी समन्वय, जिम्मेदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए अभियान को सफल बनाएं, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सही एवं अद्यतन रूप में दर्ज हो सके। उन्होंने जिले के नागरिकों से भी अपील की कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान निर्वाचन कर्मियों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे मतदाता सूची को अधिक सटीक एवं अद्यतन बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन, उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी व बीएलओ सुपरवाइजर मौजूद रहे।

रांची में निःशुल्क एक्यूप्रेशर शिविर एक जुलाई से शुरू

रांची। श्री राम भारत मिलाप समिति की ओर से डोरंडा में आगामी एक जुलाई 2026 से 15 दिवसीय निःशुल्क एक्यूप्रेशर शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर प्रत्येक माह की एक से 15 तारीख तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष रोहित शारदा ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि शिविर डोरंडा थाना के समीप स्थित श्री राम भारत मिलाप कार्यालय, डोरंडा बाजार में आयोजित किया जाएगा। आयोजन में मारवाड़ी युवा मंच रांची दक्षिण, सेवा विभाग माधव नगर, जागृति महिला शाखा और अन्य सामाजिक संस्थाएं भी इस आयोजन में सहयोग कर रही हैं। शिविर में डॉ अभय बरनवाल अपनी सेवाएं देंगे और विभिन्न रोगों का उपचार प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से किया जाएगा। उपचार में मेथी दाना, रंग चिकित्सा और मैग्नेट थेरेपी का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य लोगों को वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति से स्वास्थ्य लाभ उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के संरक्षक बीके विजय, सरदार अशोक सिंह, हरि प्रसाद विजय, महामंत्री नम्रता सोनी, कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम दास और कार्यक्रम संयोजक महेश विजय सहित कई सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल में हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

बोकारो। मिथिला अकादमी पब्लिक स्कूल सेक्टर चार में इंटर हाउस ह्यहेरिटेज क्विजह्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों-भारती सदन, वाचस्पति सदन, विद्यापति सदन एवं बिरसा सदन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कांटे के मुकाबले में भारती सदन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वाचस्पति सदन एवं विद्यापति सदन संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि बिरसा सदन ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कार्यक्रम को सफल बनाया। हेरिटेज क्विज प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, इतिहास, कला, परंपरा एवं विरासत के सभी क्षेत्रों में ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित करना है। प्रश्न भारतीय धरोहर, स्मारकों, प्रसिद्ध व्यक्तित्वों, त्योहारों एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित थे। इस अवसर पर प्राचार्य श्री अमर प्रसाद एवं उप-प्राचार्य श्री देव दुलाल मित्रा ने संयुक्त रूप से सभी बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएँ बच्चों की तर्कशक्ति, स्मरणशक्ति और टीम भावना को बढ़ाती हैं। उन्होंने सभी विजेता एवं प्रतिभागी सदनों को बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। मंच संचालन कक्षा 10 के विद्यार्थी स्मृति कुमारी एवं रुद्रांश ने सफलतापूर्वक किया।

बूथ स्तर की मैपिंग को लेकर उत्क्रमित मध्य विद्यालय खैरा में SIR की निर्मित बैठक आयोजित

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

केंदुआ। बूथ स्तर की मैपिंग को लेकर मंगलवार को 40धनबाद विधानसभा अंतर्गत मतदान केंद्र संख्यां 391एवं392 के उत्क्रमित मध्य विद्यालय खैरा में उमा कुमारी बीएलओ की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेबल एजेंट बीएलए 2 के साथ बिशेष गहन पुरीक्षण रक्फ़ 2026 के निर्मित बैठक आयोजित की गई। बैठक में गणना प्रपत्र के वितरण एवं प्राप्ति की प्रकिया से विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। तथा यह सुनिश्चित करने पर बल दिया गया कि आम जनता को प्रपत्र भरने एवं जमा करने में किसी भी प्रकार की उन्हें असुविधा न हो। इसके अतिरिक्त की 2003 की रक्फ़ की सूची में नाम खोजने अरउ्ऊ सूची तैयार करने मतदाता विवरण के सत्यापन तथा पुनरीक्षण कार्य को सम्यवद्ध एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने पर भी चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थित सभी BLA 2 o BLO सहायक से यह अपेक्षा की गई कि वे निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुरूप कार्य करते हुए पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे। जिसका सर्व सम्मति से सभी ने समर्थन किया। मौके पर शैलेन्द्र कुमार जायसवाल पर्यवेक्षक, उमा कुमारी,सोनी कुमारी, विश्वनाथ राम BLA2 कांग्रेस, आलोक कुमार, अरुण कुमार सैनी, कमलेश कुमार पासवान, बद्री रविदास वार्ड पार्षद 11,जय कुमार पासवान,सूरज पासवान BLA2 भाजपा,जितेंद्र पासवान,अभय आनन्द मनोरमा देवी इत्यादि उपस्थित थे।

रांची के विकास के लिए महापौर ने केंद्र सरकार से मांगा सहयोग

रांची। रांची की महापौर रोशनी खलखो और उपमहापौर नीरज कुमार ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रांची के समग्र एवं सुनियोजित शहरी विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा पर्यावरण-अनुकूल आधारभूत संरचना के निर्माण के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया। मुलाकात के दौरान महापौर रोशनी खलखो ने रांची की तेजी से बढ़ती जनसंख्या और शहरीकरण से उत्पन्न चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि शहर में बेहतर सड़क नेटवर्क, प्रभावी जल निकासी व्यवस्था, स्वच्छता सेवाओं के विस्तार, हरित क्षेत्रों के विकास तथा अन्य बुनियादी नागरिक सुविधाओं को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केंद्र सरकार का सहयोग महत्वपूर्ण होगा। महापौर ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से रांची को एक स्वच्छ, आधुनिक, सुव्यवस्थित और पर्यावरण-अनुकूल शहर के रूप में विकसित किया जा सकता है। उन्होंने शहर के सतत विकास के लिए विभिन्न शहरी विकास परियोजनाओं को गति देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने रांची के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और शहर के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि शहरी विकास से संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सहयोग दिया जाएगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने आदिवासी समाज के साथ मनाया हूल दिवस, अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

रांची। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने मंगलवार को रांची जिले के बेड़ो प्रखंड अंतर्गत डुमरी मसिया गांव में आदिवासी समाज के साथ हूल दिवस मनाया। इस अवसर पर उन्होंने हूल क्रांति के महानायक वीर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, वीरांगनाओं फूलो-झानो तथा हूल आंदोलन के सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अद्वितीय साहस, त्याग और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अश्विनी कुमार चौबे ने कहा कि हूल दिवस केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और विदेशी शासन के विरुद्ध जनजातीय समाज के अदम्य साहस, स्वाभिमान और संघर्ष का अमर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो सहित हूल क्रांति के वीर सेनानियों ने जल, जंगल, जमीन और अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया, वह देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उनके अनुसार जनजातीय क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, सामाजिक सशक्तीकरण और विकास को केंद्र सरकार ने अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। इस दौरान अश्विनी कुमार चौबे ने झारखंड सरकार पर जनजातीय क्षेत्रों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, पेयजल तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को केवल वोट बैंक के रूप में नहीं, बल्कि झारखंड की पहचान, संस्कृति और गौरव के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी जनजातीय समाज के सम्मान, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है और आगे भी इसी भावना के साथ कार्य करती रहेगी। कार्यक्रम में मांडर विधानसभा की पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, भाजपा अध्यक्ष बलराम सिंह, महामंत्री मनोज कुमार शाह, उपाध्यक्ष अरुण कुमार, के.के. मिश्रा, अशोक, बिरसा उरांव, टी.एन. मिश्रा, नरेंद्र पाठक सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।

टुंडी के महाराजगंज लछुरायडीह में 205 वर्षों से चली आ रही कालाराय बाबा भोक्ता पूजा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

टुंडी। टुंडी प्रखंड के महाराजगंज पंचायत अंतर्गत लछुरायडीह गांव में मंगलवार को आस्था और परंपरा का प्रतीक कालाराय बाबा भोक्ता पूजा धूमधाम से आयोजित की गई। पूजा को लेकर मंदिर प्रांगण में शाम होते ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में भक्त पूजा-अर्चना करने पहुंचे और बाबा के दरबार में अपनी श्रद्धा अर्पित की। पूजा की परंपरा के अनुसार सबसे पहले श्रद्धालु एवं बाबा के भक्त ग्वाला तालाब, कन्हाईडीह पहुंचे, जहां स्नान करने के बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मंदिर की ओर प्रस्थान किया। मान्यता है कि कालाराय बाबा के प्रति सच्ची श्रद्धा से मांगी गई मन्नतें पूरी होती हैं। ग्रामीणों के अनुसार यहां कालाराय बाबा भोक्ता पूजा पिछले 205 वर्षों से अधिक समय से चली आ रही है। विशेष रूप से शरीर में कम्बल कांटा की समस्या से परेशान लोग तथा संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले श्रद्धालु बाबा के दरबार में मन्नत मांगते हैं। मन्नत पूरी होने के बाद भक्तों द्वारा बाबा को गोल्की चढ़ाने की परंपरा निभाई जाती है। पूजा की एक अनोखी परंपरा भी है, जिसमें मन्नत मांगने वाले भक्त मंदिर लौटने के रास्ते में जमीन पर लेट जाते हैं और पुजारी उनके ऊपर से होकर गुजरते हैं। ग्रामीणों की मान्यता है कि इस धार्मिक प्रक्रिया से बाबा की कृपा प्राप्त होती है और भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। यहां प्रत्येक वर्ष ज्येष्ठ पूर्णिमा को संज्योत व्रत एवं दूसरी रात में विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। पूजा के साथ ही गांव में मेले की शुरूआत हो जाती है, जो करीब दस दिनों तक चलता है। वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार पूजा के अवसर पर बारिश होने को शुभ संकेत माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि बाबा की कृपा से होने वाली यह बारिश क्षेत्र में खुशहाली, अच्छी खेती और समृद्धि का संदेश लेकर आती है। मेले में दूर-दराज के क्षेत्रों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं और बाबा का आशीर्वाद लेते हैं। पूजा के बाद भक्तों द्वारा चना सिझा, सूजी, पूड़ी और आम प्रसाद के रूप में ग्रहण करने की परंपरा है। वहीं बुधवार की सुबह बकरे की बलि देने के बाद श्रद्धालुओं द्वारा पारण किया जाएगा। कालाराय बाबा भोक्ता पूजा के दौरान गांव का माहौल पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। ग्रामीणों ने बताया कि यह पूजा केवल धार्मिक आस्था ही नहीं बल्कि क्षेत्र की पुरानी सांस्कृतिक और सामाजिक परंपरा का भी प्रतीक है। मेले में पूजा के साथ-साथ मनोरंजन और खरीदारी का भी खास आकर्षण देखने को मिला। बच्चों के लिए झूला, ड्रेगन राइड सहित कई तरह के मनोरंजन के साधन लगाए गए हैं, जहां बच्चे और युवा खूब आनंद ले रहे हैं। वहीं मेले में खट्टा-जलेबी, मिठाई, चाट-पकौड़ी एवं अन्य खाने-पीने की दुकानों पर भी लोगों की भीड़ उमड़ रही है। दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालु पूजा-अर्चना के साथ मेले का भी भरपूर आनंद उठा रहे हैं। रंग-बिरंगी दुकानों और लोगों की चहल-पहल से पूरा मेला परिसर उत्सव के माहौल में बदल गया है। मेले में धार्मिक आस्था और मनोरंजन के साथ-साथ ग्रामीण जीवन से जुड़ी जरूरतों का भी विशेष ध्यान रखा गया है। यहां बड़ी संख्या में किसान खेती-किसानी में उपयोग होने वाले लोहे के औजार और सामानों की खरीदारी करते नजर आ रहे हैं। हल, कुदाल, खुरपी, हंसिया सहित कई तरह के कृषि उपकरणों की दुकानों पर किसानों की भीड़ देखने को मिल रही है। ग्रामीण क्षेत्र के किसानों के लिए यह मेला केवल पूजा और मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि खेती से जुड़े जरूरी सामान खरीदने का एक बेहतर अवसर भी प्रदान करती है। लोग अपनी जरूरत के अनुसार कृषि उपकरण खरीदकर खेती में लग जाएंगे।

एक नजर

दो मासूम बेटियों के साथ विवाहिता रहस्यमय ढंग से लापता

जयनगर। मरकच्चो थाना क्षेत्र के ग्राम दशारो निवासी एक व्यक्ति ने अपनी बेटी एवं दो मासूम पोती के रहस्यमय ढंग से लापता होने की शिकायत जयनगर थाना में दर्ज कराई है। इस संबंध में थाना प्रभारी को दिए गए आवेदन में शीघ्र खोजबीन कर सकुशल बरामदगी की मांग की गई है। आवेदन के अनुसार ग्राम नावाडीह (बेलकप्पी) निवासी मंदोदरी देवी ने बताया है कि उनकी बेटी टुनी देवी (उम्र लगभग 28 वर्ष) 28 जून 2026 को घर दशारों से नावाडीह के लिए सुबह 10 बजे निकली थीं। उनके साथ उनकी दो पुत्रियां, जिनमें एक की उम्र लगभग 5 वर्ष तथा दूसरी की उम्र लगभग 3 वर्ष बताई गई है, जो अब तक घर नहीं पहुंची है । बताया जा रहा है कि यह परसाबाद रेलवे फाटक के बाद से अब तक कोई पता नहीं चल पा रहा हैं और इनका फोन से भी संपर्क करने का कोशिश करने पर बंद बताया जा रहा हैं। आवेदन में बताया कि परिजनों ने अपने स्तर पर रिश्तेदारों एवं संभावित स्थानों पर काफी खोजबीन की, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि पत्नी का मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई है। इस निमित जयनगर थाना से मामले की गंभीरता से जांच कर अपनी पुत्री एवं दोनों मासूम बच्चियों का जल्द पता लगाने तथा सकुशल बरामद करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस को आवेदन सौंप दिया गया है।

चंदवारा में महिला से दुष्कर्म, आरोपी फरार

कोडरमा। जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र के चौराही गांव में सोमवार देर रात एक विवाहिता के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है तथा आरोपी की तलाश जारी है। पीड़िता ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि उसके पति हैदराबाद में काम करते हैं। वह अपने सास-ससुर और बच्चों के साथ चौराही गांव स्थित ससुराल में रहती है। उसके अनुसार सोमवार देर रात वह शौचालय से वापस अपने कमरे में लौट रही थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले एनुल हक नामक व्यक्ति ने उसे जबरन पकड़ लिया और कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला का आरोप है कि विरोध करने और शोर मचाने की कोशिश करने पर आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया, हाथ बांध दिए तथा मुंह में कपड़ा ठूंस दिया, जिसके बाद उसने वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता के अनुसार घटना के समय उसके सास-ससुर और बच्चे घर की छत पर सो रहे थे, जबकि वह घर में अकेली थी। पीड़िता ने बताया कि मंगलवार सुबह उसने आरोपी के परिजनों को घटना की जानकारी दी, लेकिन उन्होंने मामले को रफा-दफा करने का दबाव बनाया। इसके बाद उसने ग्रामीणों को घटना की सूचना दी और चंदवारा थाना पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस गांव पहुंची और पीड़िता को थाने लेकर आई। मामले में चंदवारा थाना प्रभारी शशिभूषण कुमार ने बताया कि पीड़िता का बयान दर्ज किया जा रहा है तथा मेडिकल परीक्षण की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि नामजद आरोपी फिलहाल फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

कोडरमा के तीन थाना प्रभारी बदले गए, अरविन्द कुमार बने कोडरमा प्रभारी

कोडरमा। कोडरमा जिले में एसपी कुमार शिवाशीष ने तीन थानों के थाना प्रभारियों का तबादला किया है। कोडरमा थाना का प्रभारी अरविन्द कुमार को बनाया गया है जो पहले भी कोडरमा थाना प्रभारी रह चुके हैं। जारी आदेश के अनुसार बमबम कुमार को मरकच्चो थाना का नया प्रभारी बनाया गया है। वहीं निताई चंद्र साहा को ढाब थाना का थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा अरविन्द कुमार को कोडरमा थाना का नया थाना प्रभारी बनाया गया है। पुलिस विभाग द्वारा जारी इस प्रशासनिक फेरबदल के बाद संबंधित अधिकारियों ने अपने-अपने नए पदों का कार्यभार संभालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

सहायक निर्वाचन पदाधिकारी ने किया विभिन्न बूथों का निरीक्षण, एसआईआर कार्यों का लिया जायजा

सतगावां। चुनाव आयोग के दिशा निदेर्शों के आलोक में सतगावां प्रखंड में विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। इसी कड़ी में सहायक निर्वाचन पदाधिकारी केशव प्रसाद चौधरी ने प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के प्रथम दिन अधिकारी ने बूथ संख्या 14, 21, 29 और 30 का भौतिक सत्यापन किया और वहां चल रहे कार्यों का बारीकी से मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान सहायक निर्वाचन पदाधिकारी ने मौके पर मौजूद सभी बीएलओ,बीएलए,शिक्षकों और सुपरवाइजरों के साथ बैठक की। उन्होंने कार्य में पारदर्शिता और तेजी लाने के लिए कई अहम दिशा निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी कर्मी राजनीतिक दलों के कार्यकताओं के साथ बैठक कर और बेहतर समन्वय बनाकर एसआईआर के कार्यों को आगे बढ़ाएं। सुपरवाइजर, बीएलओ, बीएलई और शिक्षक आपस में विचार विमर्श कर 29 अक्टूबर तक चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार सभी कार्यों को हर हाल में संपन्न कराएं। मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध और त्रुटिहीन बनाने पर विशेष जोर दिया जाए अफवाहों से बचें सीधे मुझसे संपर्क करें सहायक निर्वाचन पदाधिकारी निरीक्षण के दौरान केशव प्रसाद चौधरी ने फील्ड में काम कर रहे कर्मियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि काम के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। यदि कार्य क्षेत्र में कोई भी समस्या या परेशानी आती है तो इसकी सूचना सीधे मुझे दें ताकि उसका त्वरित समाधान किया जा सके।

अनियंत्रित होकर बाइक पलटी, दो युवक गंभीर रूप से घायल

सतगावां। गया टू देवघर मुख्य मार्ग पर सतगावां थाना क्षेत्र के खैरा के समीप मंगलवार को एक मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना में बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां पहुँचाया गया।जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवकों की पहचान बिहार के नवादा जिला अंतर्गत ओढ़नपुर निवासी चंदन कुमार 32 वर्ष और बक्सोती निवासी मोहित कुमार 26 वर्ष के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक शराब के नशे धुत थे। इसी तरह लगातार मुख्य मार्ग मे घटना हो रही है चुकी बिहार मे शराब बंदी है! बिहार से लोग बिकनीक के बहाने आते है। मनचाहे शराब उपयोग करता है! वही घटना बासोडीह की ओर से गोविंदपुर की तरफ जा रहे थे इसी दौरान खैरा के पास उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों ने सक्रियता दिखाई। उन्होंने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी और दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतगावां भिजवाया। दोनों युवकों को काफी चोटें आई थीं।

हूल दिवस पर जय सरना समिति की श्रद्धांजलि सभा
सिदो-कान्हू सहित हूल क्रांति के वीरों को किया नमन

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पलामू : जय सरना समिति मेदिनीनगर की ओर से मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर चियांकी में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हूल क्रांति के महानायक सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो के त्याग, बलिदान और संघर्ष को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने कहा कि हूल आंदोलन केवल आदिवासी समाज का नहीं, बल्कि देश के स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसने अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष की नई चेतना जगाई।

सभा में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रमा खलको और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव एवं पूर्व जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस नेत्री सुमन तिर्की ने की, जबकि संचालन जय सरना समिति के पदाधिकारी जतरू उरांव ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों का पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज से स्वागत कर की गई। मुख्य अतिथि रमा खलको ने कहा कि हूल दिवस केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान, संघर्ष और स्वाभिमान को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि 30 जून 1855 को प्रारंभ हुए संथाल हूल ने अन्याय, शोषण और दमन के विरुद्ध संघर्ष की ऐसी मशाल जलाई, जिसने पूरे देश में स्वतंत्रता की चेतना का संचार किया।

उन्होंने कहा कि सिदो, कान्हू, चांद, भैरव और वीरांगनाओं फूलो-झानो के अदम्य साहस और बलिदान ने आने वाली पीढ़ियों को अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने की प्रेरणा दी। हूल दिवस हमें अपने अधिकारों, सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का संदेश देता है और यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विशिष्ट अतिथि जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने कहा कि 30 जून 1855 को संथाल परगना के भोगनाडीह गांव से शुरू हुई हूल क्रांति अंग्रेजी हुकूमत, महाजनों और जमींदारों के अन्यायपूर्ण शोषण के खिलाफ संगठित जनविद्रोह था। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के नेतृत्व में चले इस आंदोलन ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की।

कार्यक्रम में हृदयानंद मिश्रा ने कहा कि संथाल हूल की गौरवशाली विरासत आगे चलकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणा बनी। उन्होंने कहा कि आज भी समाज को उन वीरों के आदर्शों से प्रेरणा लेकर सामाजिक न्याय, समानता और स्वाभिमान के मूल्यों को मजबूत करना चाहिए।

सभा में श्याम नारायण सिंह, चियांकी के मुखिया बिनको उरांव, बलराम उरांव, जतरू उरांव, विद्या सिंह चेरो, ईश्वरी सिंह, शमीम अहमद राईन, सुरेश पाठक, नवल किशोर पाठक, शैलेश चंद्रवंशी, सुरेंद्र सिंह, अजय साहू, बिनोद पाठक, सुमन तिर्की, सरोज कुजूर, उषा खलखो सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने हूल क्रांति के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

हत्या मामले में परिवारों से मिले कुणाल षाडंगी

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर स्थित डीडी (डबल डाउन) बार में करणी सेना नेता हिमांशु सिंह की हत्या और प्रत्युष कुमार पर हुए जानलेवा हमले के बाद पूरे शहर में आक्रोश का माहौल बना हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय प्रवक्ता और पूर्व विधायक कुणाल षाडंगी आदित्यपुर स्थित हिमांशु सिंह के आवास पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इसके बाद उन्होंने घायल प्रत्युष कुमार के परिवार से भी भेंट कर घटना की जानकारी ली।

मुलाकात के दौरान कुणाल षाडंगी ने दोनों परिवारों की सीधे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से फोन पर बातचीत कराई। मुख्यमंत्री ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि सरकार इस पूरे मामले को अत्यंत गंभीरता से ले रही है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने निष्पक्ष और त्वरित जांच कराने, सभी आरोपितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने एवं घायल प्रत्युष कुमार के समुचित इलाज की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। इसी दौरान राज्य की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तदाशा मिश्रा ने भी दोनों परिवारों से दूरभाष पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि घटना में यदि किसी स्तर पर पुलिस की लापरवाही या जिम्मेदारी सामने आती है तो संबंधित पुलिसकर्मियों के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने विश्वास दिलाया कि अपराध में शामिल किसी भी आरोपित को कानून से बचने नहीं दिया जाएगा। डीडी बार हत्याकांड को लेकर शहर में लगातार जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है। राजनीतिक और सामाजिक संगठनों की सक्रियता के बीच अब यह मामला सीधे राज्य सरकार के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है। मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद प्रशासनिक स्तर पर भी कार्रवाई तेज होने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, मामले में दोषी पाए जाने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ निलंबन, बर्खास्तगी या आपराधिक मुकदमा दर्ज करने जैसी कठोर कार्रवाई भी की जा सकती है। कुणाल षाडंगी ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि सरकार न्याय दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मौके पर झामुमो जिला अध्यक्ष विक्टर सोरेन, झामुमो नेता प्रमोद लाल सहित कई पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

शराब के साथ एक गिरफ्तार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

खूंटी : खूंटी पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अड़की के हब्लू डब्लू नामक फास्ट फूड दुकान और उसके घर पर सोमवार को छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध देसी एवं विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) खूंटी को गुप्त सूचना मिली थी कि अड़की के हब्लू डब्लू नामक फास्ट फूड दुकान में अवैध शराब की बिक्री की जा रही है तथा दुकान संचालक ने अपने घर में भी बड़ी मात्रा में शराब का भंडारण कर रखा है। सूचना के आधार पर एसडीपीओ मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया, जिसमें अड़की थाना के पुलिस पदाधिकारी अरुण कुमार एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पेमारी के दौरान पुलिस ने दुकान से भारी मात्रा में बीयर एवं विदेशी शराब बरामद की। पूछताछ के बाद आरोपित की निशानदेही पर उसके घर में भी छापेमारी की गई, जहां से बड़ी मात्रा में देसी और विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने इस मामले में अजय कुंडू उर्फ उल्दू कुंडू (21) को गिरफ्तार किया है। मामले में अड़की थाना (कांड संख्या 15/26) दर्ज करते हुए के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। छापेमारी के दौरान गॉड फादर, किंगफिशर, ओल्ड मोंक, आइकॉनिक व्हाइट, रॉयल चैलेंज, ब्लेंडर्स प्राइड, रॉयल झारखंड, 8 पीएम, बी-7, मैजिक मोमेंट और रॉयल स्टैग सहित विभिन्न ब्रांडों की कुल 463 छोटी-बड़ी शराब की बोतलें बरामद की गईं।पुलिस ने बताया कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है तथा क्षेत्र में इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पश्चिमी सिंहभूम के दो स्थानों से 98 मवेशी बरामद, तस्कर फरार

उज्जवल दुनिया संवाददाता

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले में पुलिस ने गौवंश तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बीते रोज दो अलग-अलग क्षेत्रों से कुल 98 गोवंश को सुरक्षित बरामद किया है। झींकपानी प्रखंड के कैलेंड गांव और सिंहपोखरिया रेलवे स्टेशन क्षेत्र के टूटूगुटु गांव में मिली गुप्त सूचनाओं के आधार पर की गई इस कार्रवाई में तस्करी के एक संगठित नेटवर्क का खुलासा हुआ है। हालांकि पुलिस की दबिश के दौरान तस्कर अंधेरे और स्थानीय परिस्थितियों का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में सफल रहे। पहली कार्रवाई झींकपानी थाना क्षेत्र के कैलेंड गांव में की गई। बजरंग दल के पदाधिकारियों से सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी राजीव रंजन के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस ने संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर गाय,बैल और बछड़ों सहित करीब 50 गोवंश को बरामद किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सभी पशुओं को बेहद खराब परिस्थितियों में रखा गया था और उन्हें एक साथ जिले से बाहर तस्करी के लिए भेजने की तैयारी चल रही थी। पुलिस के पहुंचते ही तस्कर मौके से फरार हो गए। थाना प्रभारी राजीव रंजन ने बताया कि बरामद सभी मवेशियों को सुरक्षित चाईबासा की गौशाला पहुंचाया गया है, बजहां पशु चिकित्सकों की निगरानी में उनके इलाज और चारे की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि फरार आरोपियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है और पूरे तस्करी नेटवर्क की पहचान कर उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हत्या मामले में भाजपा नेता से जुड़ा बार सील, जांच के आदेश

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर स्थित चर्चित डबल डाउन (डीडी) बार में हुए बहुचर्चित हत्याकांड के बाद जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। करणी सेना नेता हिमांशु सिंह की हत्या के मामले में प्रशासन ने भाजपा नेता नीरज सिंह और सहमालिक विजय कुमार से जुड़े डबल डाउन (डीडी) बार को सील कर दिया। इसके साथ ही पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं। उपायुक्त राजीव रंजन के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारियों की टीम पुलिस बल के साथ बार परिसर पहुंची और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद प्रतिष्ठान को सील कर दिया।

सहायक उत्पाद आयुक्त अरुण कुमार मिश्रा ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर मामले की गंभीरता को देखते हुए एक तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया गया था। इस समिति में एक उत्पाद निरीक्षक (एक्साइज इंस्पेक्टर) और दो उत्पाद अवर निरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) शामिल थे।प्रशासन ने घटना के सभी पहलुओं की जांच कराने का निर्णय लिया है। जांच में बार के संचालन, सुरक्षा व्यवस्था, लाइसेंस संबंधी नियमों के पालन और घटना के दौरान बरती गई लापरवाही सहित अन्य बिंदुओं की भी समीक्षा की जाएगी।मिली जानकारी के अनुसार 27 जून की देर रात डीडी बार के भीतर एक महिला के साथ कथित छेड़खानी का विरोध करने को लेकर विवाद शुरू हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बहस बढ़ने के बाद दोनों पक्ष बार के बाहर पहुंचे, जहां हिमांशु सिंह और उनके साथी प्रत्युष सिंह पर चापड़ एवं चाकू से हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल हिमांशु सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि प्रत्युष सिंह का अस्पताल में उपचार जारी है। इस घटना के बाद शहर में व्यापक आक्रोश फैल गया। करणी सेना, क्षत्रिय समाज और स्थानीय लोगों ने आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी, घटना में शामिल सभी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मृतक के परिजनों ने भी पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की।घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। इससे पहले बिष्टुपुर थाना प्रभारी को निलंबित किया जा चुका है और मामले की जांच तेज कर दी गई है। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे भी आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

सिलिकोसिस पर सेमिनार में योजना में संशोधन और एमजीएम की लंबित जांच पूरी कराने की उठी मांग

उज्जवल दुनिया संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : बिष्टुपुर स्थित बुद्धा मंदिर सभागार में मंगलवार को ऑक्यूपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ एसोसिएशन ऑफ झारखंड (ओशाज इंडिया) की ओर से सिलिकोसिस विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में राज्य में सिलिकोसिस पीड़ित श्रमिकों की स्थिति, सरकारी सहायता योजना की खामियों और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान संस्था के महासचिव समित कुमार कार ने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम के माध्यम से विस्तृत ज्ञापन भेजकर ₹कारखाना सिलिकोसिस लाभुक सहायता योजना, 2021₹ में व्यापक संशोधन की मांग की गई है। सेमिनार में विशेषज्ञ डॉ कुणाल कुमार दत्ता ने सिलिकोसिस की पहचान, वैज्ञानिक जांच पद्धति और समय पर उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सचिवालय के निर्देश के बाद एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में चिकित्सकों के साथ ओरिएंटेशन बैठक हुई थी, लेकिन इसके बावजूद संस्था की ओर से मुसाबनी, गुड़ाबांदा, डुमरिया और धालभूमगढ़-चाकुलिया क्षेत्र के 400 से अधिक श्रमिकों के दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच भेजे गए डिजिटल चेस्ट एक्स-रे की जांच अब तक पूरी नहीं हो सकी है। इसे गंभीर प्रशासनिक और चिकित्सकीय लापरवाही बताया गया। समित कुमार कार ने कहा कि वर्तमान योजना का लाभ केवल कारखाना श्रमिकों तक सीमित है, जबकि खान, क्रशर, रेमिंग मास, पत्थर तोड़ने और अन्य असंगठित क्षेत्रों के हजारों मजदूर सिलिकोसिस से प्रभावित हैं। उन्होंने योजना का नाम बदलकर ₹झारखंड राज्य सिलिकोसिस चिन्हीकरण एवं लाभुक सहायता योजना₹ करने, सभी श्रमिकों को योजना में शामिल करने, मुआवजा राशि और मासिक पेंशन बढ़ाने, आवेदन की समय-सीमा समाप्त करने, सरकारी अस्पतालों की ओर से किए गए प्रारंभिक निदान को मान्यता देने एवं एमजीएम अस्पताल को 45 दिनों के भीतर सभी लंबित एक्स-रे की जांच पूरी करने का निर्देश देने की मांग दोहराई।सेमिनार में बताया गया कि ओशाज इंडिया ने वर्ष 2014 से 2025 के बीच पूर्वी सिंहभूम के चार प्रखंडों में 184 मृत और 652 सिलिकोसिस पीड़ित श्रमिकों की पहचान की है। संस्था ने मुख्यमंत्री से राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप त्वरित कार्रवाई कर पीड़ित श्रमिकों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

अवैध हथियार रखने के मामले में दोषी रिंकु साहू को तीन साल की सजा

पश्चिमी सिंहभूम: पश्चिमी सिंहभूम जिले के आनंदपुर थाना क्षेत्र में दर्ज अवैध हथियार मामले में न्यायालय ने आरोपित रिंकु साहू को दोषी ठहराते हुए तीन वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने रिंकु पर पांच हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है।यह फैसला मंगलवार को अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कृष्णा लोहार की अदालत ने सुनाया। यह मामला आनंदपुर थाना (कांड संख्या-10/2024) से संबंधित है, जो 7 जुलाई 2024 को दर्ज किया गया था। आरोपित रिंकु साहू, पिता दुर्योधन साहू, निवासी आनंदपुर बस्ती, पश्चिमी सिंहभूम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 329(4), 351(2) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)ए एवं 26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस जांच के दौरान रिंकु साहू के पास से एक अवैध देशी कट्टा बरामद किया गया था। जांच एजेंसी ने उस पर प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई से जुड़े होने के भी आरोप लगाए थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजा और मामले से संबंधित साक्ष्यों का वैज्ञानिक तरीके से संकलन कर न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया।

पत्तलों से बदली तकदीर: मनोहरपुर की सरिता नायक बनीं महिला उद्यमिता की नई मिसाल

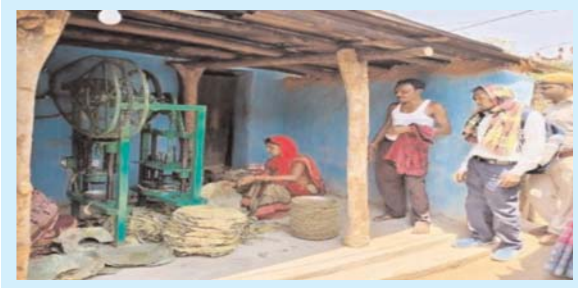

पश्चिमी सिंहभूम: जिले के मनोहरपुर प्रखंड के पाथरबासा गांव की सरिता नायक ने यह साबित कर दिया है कि यदि सरकारी योजनाओं का सही लाभ, तकनीकी प्रशिक्षण और आत्मविश्वास साथ हो तो ग्रामीण महिलाएं भी सफल उद्यमी बन सकती हैं। कभी दिहाड़ी मजदूरी पर आश्रित रहने वाला उनका परिवार आज पत्तल-दोना निर्माण के स्वरोजगार से आर्थिक रूप से सशक्त हो चुका है।कुछ वर्ष पहले तक सरिता के परिवार की आय बेहद सीमित थी। रोज कमाने और रोज खाने की स्थिति के कारण बच्चों की पढ़ाई, इलाज और घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल हो जाता था। आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और स्वरोजगार के अवसर तलाशने का प्रयास जारी रखा।इसी दौरान वन विभाग और झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) की अभिसरण योजना के तहत उन्हें निःशुल्क पत्तल-दोना निर्माण मशीन उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही मशीन संचालन, उत्पादन तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग और विपणन से संबंधित प्रशिक्षण भी दिया गया। नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के विशेषज्ञों से आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण मिलने के बाद उन्होंने अपने घर से ही उत्पादन शुरू कर दिया। शुरूआत में सीमित मात्रा में पत्तल और दोने तैयार किए गए, लेकिन बेहतर गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति के कारण स्थानीय बाजार, किराना दुकानों, होटल, ढाबों और शादी-विवाह जैसे आयोजनों में उनके उत्पादों की मांग लगातार बढ़ने लगी। इससे उनकी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगी। सरिता ने अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने गांव की अन्य महिलाओं को भी इस कार्य से जोड़ते हुए उन्हें मशीन संचालन, उत्पादन और पैकेजिंग का प्रशिक्षण दिया। इससे कई महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और अतिरिक्त आय का स्रोत मिला। जेएसएलपीएस और संबंधित अधिकारियों के नियमित मार्गदर्शन से उनका उद्यम लगातार आगे बढ़ रहा है। आज सरिता नायक अपने बच्चों की बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार की जरूरतों को आसानी से पूरा कर रही हैं। उनकी सफलता ग्रामीण महिला सशक्तिकरण, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और स्वरोजगार आधारित आत्मनिर्भरता का प्रेरणादायी उदाहरण बन चुकी है।

हूल दिवस पर पूर्व मंत्री ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

पूर्वी सिंहभूम : हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को भुईयांडीह स्थित वीर शहीद सिद्धू-कान्हू चौक में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां ने हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पूजा-अर्चना कर देश और समाज के लिए उनके अतुलनीय बलिदान को स्मरण किया गया। इस अवसर पर दुलाल भुईयां ने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष की अमर गाथा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब देश में शोषित और वंचित समाज के सामने कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था, तब आदिवासी समाज के वीर सपूतों ने अन्याय के खिलाफ बिगुल फूंका और अपने प्राणों की आहुति देकर स्वतंत्रता और स्वाभिमान की अलख जगाई। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और वीरांगना फूलो-झानो का बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।पूर्व मंत्री ने कहा कि आज भी समाज में जहां कहीं भी कमजोर और वंचित वर्गों के अधिकारों का हनन होता है, वहां संघर्ष और परिवर्तन की शुरूआत प्रतिरोध से ही होती है। उन्होंने कहा कि क्रांति की आग कभी बुझती नहीं है और उसे कोई बुझा भी नहीं सकता। यह चिंगारी सदैव समाज को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देती रहती है। उन्होंने कहा कि झारखंड वीरों की धरती है और यहां के महान स्वतंत्रता सेनानियों तथा जननायकों के कारण ही इस राज्य की पहचान पूरे देश में गौरव के साथ होती है। उन्होंने सभी लोगों से इन महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही, जमशेदपुर पूर्वी की विधायक श्रीमती पूर्णिमा दास साहू, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा, विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव, चंद्रशेखर मिश्रा सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा में निमाई मंडल, मन्नू मंडल, कुंज बिभार, कमल राम यादव, सुनील दास, लुलु मंडल, नारायण श्यामल, धीरेन्द्र सिंह, महादेव सेन, अमित दास, अशोक कुमार, सदानन्द टोप्पो, सुबोल प्रमाणिक, विशाल नायक भुईयां, बादल भुईयां, लक्खी भुईयां,भूदुल भुईयां, सपन भुईयां, मथुरा भुईयां समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने भाग लिया और हूल विद्रोह के अमर शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की।

संपूर्ण दुनिया इस समय भारत की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है : डॉ मोहन सिंह

सारण : बिहार में सारण जिले के डोरीगंज ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल चिरांद स्थित बंगाली बाबा घाट पर गंगा महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह डॉ मोहन सिंह ने कहा कि आज संपूर्ण दुनिया तमाम प्रकार के भौतिक प्रयोगों से विफल होकर भारत की जीवन दृष्टि और सनातन मूल्यों में ही अपना समाधान खोज रही है। ऐसे में हमें इस देश को पुनः राम और कृष्ण का देश बनाना होगा, जहाँ हर बालक में राम और हर बच्ची में सीता का स्वरूप झलके। हर माता को अपने भीतर सीता के गुणों का जागरण करना होगा। उन्होंने कहा कि संपूर्ण दुनिया इस समय भारत की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है।

उन्होंने कहा कि यदि हम सब अपनी जिम्मेदारी को समझकर पूरी निष्ठा से अपना-अपना कार्य करेंगे, तो वह दिन दूर नहीं जब यह भारत हमारे ही पुरुषार्थ के बल पर दुनिया का सबसे वैभव संपन्न राष्ट्र बनेगा। भारत पुनः विश्व गुरु के पद पर आसीन होकर पूरी दुनिया को मंगल कामना देने का सामर्थ्य पैदा करेगा और विश्व पटल पर माँ भारती की जय-जयकार होगी।

डॉ. मोहन सिंह ने अपने संबोधन में पर्यावरण और स्वच्छता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा माँ गंगा की सफाई के लिए हमने जो संकल्प लिए हैं, उन्हें निरंतर याद रखने की आवश्यकता है। हमारा दायित्व केवल गंगा नदी तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि देश के सभी जल स्रोत सुरक्षित और स्वच्छ हों। सभी मठ-मंदिरों की गरिमा अक्षुण्ण रहे, हमारे गली-चौराहे साफ-सुथरे बनें और हर घर सुंदर बने। यहाँ से हमें यही पवित्र वातावरण और विचार लेकर जाना है।

उन्होंने कहा कि हमें अपने-अपने घरों का वातावरण आदर्श बनाना होगा। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि सभी हिंदू भाव से जिएँ, हिंदू भाव से बोलें और हिंदू कहने पर गर्व की अनुभूति करें। उन्होंने चेताया कि समाज में ऐसा कोई कार्य या वक्तव्य न हो जिससे हिंदू संस्कृति का अपमान हो। यदि हम इस संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे, तभी इस महाआरती का वास्तविक पुण्य प्राप्त होगा। उन्होंने देश विरोधी ताकतों को पूरी तरह परास्त करने की बात भी कही।

इस अवसर पर गंगा समग्र के राष्ट्रीय संगठन मंत्री, बिहार सरकार के कला संस्कृति एवं खान भूतत्व मंत्री प्रमोद कुमार, छपरा विधायक छोटी कुमारी गंगा समग्र के उत्तर बिहार के संगठन मंत्री, संस्कार भारती के कलाटोली के सदस्य राजेश चंद्र मिश्रा सहित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सभी अनुसांगिक संगठनों के दायित्वान कार्यकर्ता कार्यकर्ता एवं गंगा महाआरती में आए श्रद्धालु उपस्थित थे।

जाह्नवी चौक से पटना तक गंगा के तट पर सड़क निर्माण की योजना को नई गति मिलने की जगी उम्मीद

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

भागलपुर : जिले के नवगछिया स्थित जाह्नवी चौक से अगुवानी होते हुए पटना तक गंगा के तट पर सड़क निर्माण की महत्वाकांक्षी योजना को नई गति मिलने की उम्मीद जगी है। इस परियोजना को लेकर दो दिन पूर्व नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ बिहार के पथ निर्माण मंत्री सह बिहपुर विधायक इं. शैलेंद्र की मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में महत्वपूर्ण बैठक हुई। पथ निर्माण मंत्री इं. शैलेंद्र ने बताया कि बैठक में बिहार की कई राष्ट्रीय राजमार्ग एवं एक्सप्रेसवे परियोजनाओं पर सकारात्मक सहमति बनी। नवगछिया भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रो. गौतम ने मंगलवार को बताया कि लगभग 53 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजनाओं को नई गति मिली है। साथ ही अगुवानी घाट से पटना तक गंगा के उत्तरी तट पर सड़क निर्माण के महत्वाकांक्षी प्रस्ताव पर भी सकारात्मक सहमति बनी है।

इस परियोजना के साकार होने से उत्तर बिहार की सड़क संपर्क व्यवस्था को ऐतिहासिक मजबूती मिलेगी तथा आवागमन पहले से अधिक सुगम होगा।मंत्री इं. शैलेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और बिहार सरकार के समन्वित प्रयासों से विकसित बिहार के संकल्प को लगातार नई दिशा मिल रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य में आधुनिक एवं सुरक्षित सड़क अवसंरचना के विकास के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य में पुलों की स्थिति को लेकर उठाए जा रहे सभी मुद्दों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

मटेश्वर धाम की नई 11 सदस्यीय न्यास समिति का हुआ गठन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

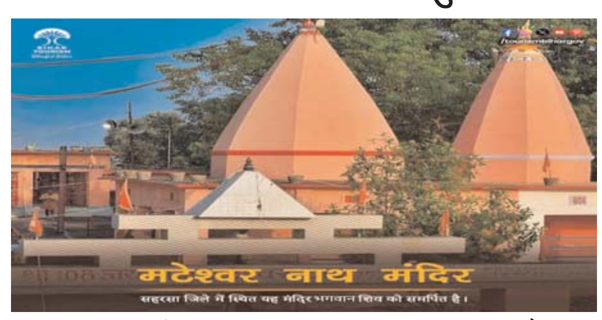

सहरसा: प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मटेश्वर धाम मंदिर, काठो के सुचारू प्रबंधन, विकास और संपत्तियों की सुरक्षा के लिए बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद ने नई 11 सदस्यीय स्थायी न्यास समिति का गठन किया है। सिमरी बख्तियारपुर के अनुमंडल पदाधिकारी को इस समिति का पदेन अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। न्यास परिषद के अध्यक्ष प्रो. रणवीर नंदन के हस्ताक्षर से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह समिति अगले पांच वर्षों के लिए कार्य करेगी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार पूर्व में वर्ष 2019 में गठित समिति का पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा हो चुका था। मंदिर की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जिला पदाधिकारी सहरसा से स्वच्छ छवि वाले नामों का प्रस्ताव मांगा गया था। डीएम द्वारा भेजे गए नामों और उनके चरित्र सत्यापन रिपोर्ट की समीक्षा के बाद न्यास परिषद ने इस नई समिति के गठन का निर्णय लिया। समिति में अध्यक्ष अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम), सिमरी बख्तियारपुर, सहरसा, उपाध्यक्ष मुन्ना भगत (काठो) ,सचिव संतोष कुमार सिंह (तेघड़ा) ,कोषाध्यक्ष कृष्णा कन्हैया खेतान (बलवाहाट) ,सदस्य कृष्ण कन्हैया (बलवाहाट), फुलेश्वर रजक (मोहनपुर), संजीव जायसवाल (मोहनपुर), ललित झा (कांठो), शिबु राय (कांठो), मिलन कुमार (कांठो) और बबलू यादव (बरसम) शामिल हैं।

अधिसूचना के साथ जारी निदेशों में स्पष्ट किया गया है कि राजस्व अभिलेखों में दर्ज मंदिर की भूमि या संपत्ति में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। न्यास समिति या उसके किसी भी पदाधिकारी को मंदिर की जमीन का हस्तांतरण, बदलैन (एक्सचेंज), बिक्री या पट्टा (लीज) आदि पर देने का कोई अधिकार नहीं होगा। यदि कोई ऐसा करता है, तो वह सौदा पूर्णतः अवैध माना जाएगा और दोषी सदस्यों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

प्रख्यात साहित्यकार बाबा नागार्जुन की जयंती का आयोजन

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

भागलपुर : हिंदी भाषा एवं साहित्य के संवर्धन तथा महान साहित्यकारों की समृद्ध विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से पूर्व रेलवे के मालदा मंडल के राजभाषा विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को गोड्डा रेलवे स्टेशन पर प्रख्यात हिंदी साहित्यकार एवं जनकवि बाबा नागार्जुन की जयंती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्टेशन प्रबंधक ज्योति सोरेन ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में रेलकर्मियों एवं साहित्य प्रेमियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में वरिष्ठ अनुवादक विद्यासागर राम ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। इसके उपरांत बाबा नागार्जुन के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अध्यक्ष ज्योति सोरेन ने आमंत्रित साहित्यकारों एवं वक्ताओं को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रोफेसर ओम प्रकाश मंडल, प्रख्यात साहित्यकार विनय सौरभ, अर्पणा कुमारी, विनिता प्रियदर्शिनी, मधुबाला शांडिल्य, शैलेन्द्र व्यास, इंद्राणी (बड़हरवा) तथा विनय कुमार झा 'विमल' (पटना) ने बाबा नागार्जुन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

वक्ताओं ने उन्हें हिंदी साहित्य का अद्वितीय साहित्यकार, विद्रोही जनकवि तथा जनसरोकारों के सशक्त स्वर के रूप में स्मरण करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं ने हिंदी साहित्य को नई दिशा प्रदान की तथा सामाजिक चेतना को सुदृढ़ आधार दिया। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान सामाजिक परिवेश में बाबा नागार्जुन की रचनाएँ आज भी उतनी ही प्रासंगिक एवं प्रेरणास्पद हैं।

जीविका से जुड़कर बिजली देवी ने बदली परिवार की किस्मत

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

अररिया : फारबिसगंज के परवाहा की रहने वाली बिजली देवी आज लोगों के लिए उदाहरण बन चुकी हैं।अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में इन्होंने अहम योगदान दिया है। एक समय ऐसा था जब उनका परिवार सीमित आय के कारण आर्थिक तंगी का सामना कर रहा था। इनके पास एक सिलाई मशीन थी। जिसपर सिलाई कर वह परिवार चलाती थी। उनकी मासिक आय लगभग 10 हजार रुपये थी, जिससे घर की आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन हो जाता था।

बिजली देवी वर्ष 2023 में सावन जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। जीविका के माध्यम से उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा मिली और उन्होंने अपने परिवार की आय बढ़ाने का संकल्प लिया।

जीविका से जुड़ने के बाद बिजली देवी ने समूह से कुल 65 हजार रुपये ऋण लेकर किराना दुकान शुरू किया। जिसमें इन्होंने काफी मेहनत कर इस दुकान को काफी आगे बढ़ाया। जिसके कारण इनकी आमदनी में इजाफा होने लगा। इस आमदनी से बचत कर इन्होंने लिए गए ऋण में से 45 हजार रुपये वापस भी कर दी है और बाकी के पैसे भी जल्द लौटा देने की बात कह रही है।

इस बीच मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से 10 हजार रुपये का सहयोग प्राप्त हुआ। इस पूंजी का उपयोग भी उन्होंने व्यवसाय को विकसित करने में किया। जिसके कारण दुकान की स्थिति बेहतर है। इसके अलावा वह सिलाई मशीन से कपड़े सिलने का काम भी कर रही हैं।जिसके कारण इनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। परिवार में पति-पत्नी के अलावा दो लड़के भी हैं। बड़ा लड़का 20 साल और छोटा 16 साल का है। लड़के भी दीदी को दुकान चलाने में मदद कर रहे हैं। आज उनकी मासिक आय 10 हजार से बढ़कर 20 हजार रुपये तक पहुंच गई है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति भी आसानी से होने लगी है।

बिजली देवी का कहना है कि जीविका से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। समूह की बैठकों, बचत की आदत और समय पर ऋण की उपलब्धता ने उन्हें स्वरोजगार स्थापित करने में मदद की। आज वे न केवल अपने परिवार को आर्थिक सहयोग दे रही हैं, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

राज्यपाल के समक्ष उठाए शिक्षा के मुद्दे, ग्रामीण कार्य मंत्री से सड़क-पुल निर्माण की मांग

उज्ज्वल दुनिया संवाददाता

किशनगंज : किशनगंज लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद आजाद ने मंगलवार को पटना में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन तथा ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार से अलग-अलग मुलाकात कर क्षेत्र के शिक्षा एवं आधारभूत संरचना से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

बिहार लोक भवन में राज्यपाल से हुई मुलाकात के दौरान सांसद ने किशनगंज में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की शाखा स्थापित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सीमांचल क्षेत्र में उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए एएमयू की शाखा की स्थापना आवश्यक है। इसके अलावा उन्होंने किशनगंज लोकसभा क्षेत्र के सभी राजकीय महाविद्यालयों एवं नव-प्रस्तावित डिग्री कॉलेजों में भवन, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रावास, पेयजल, शौचालय सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास, रिक्त शिक्षकों एवं प्रोफेसरों के पदों पर शीघ्र नियुक्ति तथा क्षेत्र में कम-से-कम दो बीएड कॉलेज और दो लॉ कॉलेज स्थापित करने की मांग रखी। सांसद ने पोठिया प्रखंड में पूर्व से प्रस्तावित राजकीय डिग्री कॉलेज की स्थापना का मामला भी राज्यपाल के समक्ष रखा।

उन्होंने बताया कि कॉलेज निर्माण के लिए प्रशासन द्वारा पांच एकड़ सरकारी भूमि पूर्व में ही चिन्हित की जा चुकी है, इसके बावजूद स्थापना नहीं हो सकी है। उन्होंने उक्त भूमि पर ही राजकीय डिग्री कॉलेज स्थापित कराने और पूर्व निर्णयों पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

इसके बाद सांसद ने विश्वेश्वरैया भवन में ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार से शिष्टाचार मुलाकात कर किशनगंज लोकसभा क्षेत्र की लंबित सड़क एवं पुल परियोजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने विशेष रूप से अमौर विधानसभा क्षेत्र के खाड़ी पुल एवं रसेली पुल का निर्माण शीघ्र पूरा कराने के साथ-साथ लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न प्रखंडों में प्रस्तावित सड़कों एवं पुलों के निर्माण कार्य को प्राथमिकता देने की मांग की। सांसद ने कहा कि बेहतर सड़क और पुल संपर्क क्षेत्र के विकास, आवागमन की सुविधा तथा स्थानीय लोगों के सामाजिक-आर्थिक जीवन को सुदृढ़ बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जनहित से जुड़ी सभी परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति देकर समयबद्ध तरीके से पूरा कराने का आग्रह किया।

संक्षिप्त खबरें

एसएसबी ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर शुरू किया प्रशिक्षण

अररिया : एसएसबी 56 वीं बटालियन की ओर से मंगलवार से विभिन्न गांव में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने को लेकर तीस दिवसीय ब्यूटीशियन, सिलाई कढ़ाई और मशरूम की खेती के ट्रेनिंग की शुरूआत की। एसएसबी 56 वीं बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी नितिन कुमार गुप्ता द्वितीय-कमान-अधिकारी के मार्गदर्शन में जीवंत गांव भवानीपूर, गौरपुछरी, डुमरबन्ना एवं बेला में ब्यूटीशियन, सिलाई एवं मशरूम की खेती पर प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया। जानकारी एसएसबी की ओर से दी गई ।जरूरतमंद सीमावर्ती बेरोजगार महिलाओं को 30 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ समारोह में कमांडिंग अधिकारी नितिन कुमार गुप्ता द्वारा सभी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी अपना अभ्यास जारी रखेंगे एवं प्रशिक्षण संबंधित जानकारी ली ।कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी नितिन कुमार गुप्ता, उप कमांडेंट मदन मोहन भट्ट, सहायक कमांडेंट एवं एफ समवाय प्रभारी राणा कुमार, सहायक कमांडेंट एवं जी समवाय प्रभारी सौरभ सिंह, सहायक कमांडेंट एवं ई समवाय प्रभारी आशीष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में एसएसबी के अधिकारी, कार्मिक और ग्रामीण मौजूद थे। सशस्त्र सीमा बल द्वारा इस कार्यक्रम की स्थानीय ग्रामीणों द्वारा काफी सराहना की गई।

धरनी छापर चेकपोस्ट पर चेकिंग के दौरान ट्रक से विदेशी शराब बरामद

सीवान : जिले में शराब तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मैरवा थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। धरनी छापर चेकपोस्ट पर वाहन जांच के दौरान एक ट्रक से 527.4 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार कर ट्रक को जब्त कर लिया। पुलिस अधीक्षक पूरन कुमार झा ने बताया कि 29 जून की रात करीब 9:25 बजे मैरवा थाना को गुप्त सूचना मिली थी कि धरनी छापर चेकपोस्ट के रास्ते एक ट्रक अवैध शराब की खेप लेकर गुजरने वाला है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष राहुल कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चेकपोस्ट पर सघन वाहन जांच अभियान शुरू किया। एसपी ने बताया कि जांच के दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में ट्रक से 527.4 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। मौके से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान रतन पासवान, पिता स्व. बैजू पासवान, निवासी जगदीशपुर कुसाही, थाना मोतीपुर, जिला मुजफ्फरपुर तथा संतोष कुमार, पिता महादेव पासवान, निवासी नरायनपुर कुसाही, थाना मोतीपुर, जिला मुजफ्फरपुर के रूप में हुई है। एसपी पूरन कुमार झा ने बताया कि इस मामले में मैरवा थाना में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत कांड दर्ज कर दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। साथ ही शराब तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है ।उन्होंने कहा कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी रहेगा। आम लोगों से अपील की गई है कि अवैध शराब, स्मैक, गांजा या अन्य मादक पदार्थों की तस्करी, निर्माण, बिक्री अथवा सेवन की सूचना तत्काल अपने नजदीकी थाना या पुलिस नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबर 9031683607 एवं 9031832789 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

नवादा में खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई, पांच वाहन जब्त, 51.61 लाख का जुमार्ना

नवादा : जिले में अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ खनन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को गिट्टी से लदे तीन ट्रक और दो हाइवा जब्त किए हैं। नियमों के उल्लंघन और ओवरलोडिंग के मामले में सभी वाहनों पर कुल 51 लाख 60 हजार 700 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। जिला खनन पदाधिकारी अमन प्रत्यय के निर्देश रजौली थाना क्षेत्र के चितरकोली चेकपोस्ट के पास खनन निरीक्षक संतोष कुमार झा के नेतृत्व में विशेष जांच अभियान चलाया गया। कागजात की जांच के बाद वाहनों का वजन नजदीकी धर्मकांटा पर कराया गया, जहां सभी वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक ओवरलोड पाए गए। खनन निरीक्षक संतोष कुमार झा ने बताया कि ओवरलोडिंग की पुष्टि होने पर पांचों वाहनों को जब्त कर जांच चौकी पर खड़ा कराया गया तथा स्थानीय थाना को इसकी सूचना दे दी गई। उन्होंने बताया कि सभी वाहनों पर कुल 51.61 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। खनन विभाग ने स्पष्ट किया है कि रजौली एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध खनन, ओवरलोडिंग और बिना वैध चालान के खनिज परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। राजस्व की चोरी रोकने तथा सड़कों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आगे भी औचक जांच की जाएगी।

गांव-गांव अति पिछड़ा नेतृत्व को उभारेगी कांग्रेस : राजेश राम

पटना: बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में मंगलवार को कांग्रेस अति पिछड़ा प्रकोष्ठ का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में अति पिछड़ा वर्ग की राजनीतिक भागीदारी, संगठनात्मक सशक्तीकरण और नेतृत्व विकास को लेकर व्यापक चर्चा हुई। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रदेश के गांव-गांव में अति पिछड़ा समाज के बीच नेतृत्व विकास का विशेष अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन में अति पिछड़ा वर्ग को उनकी जनसंख्या के अनुपात में उचित भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कांग्रेस सामाजिक न्याय, समान अवसर और सभी वर्गों की सम्मानजनक भागीदारी की पक्षधर रही है और आगे भी इसी दिशा में कार्य करती रहेगी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने कहा कि किसी भी समाज की अनदेखी करना सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से अपराध है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता और नेता का दायित्व है कि समाज के हर वर्ग को सम्मान, अवसर और संगठन में उचित प्रतिनिधित्व मिले ।पूर्व विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटने की राजनीति कर रही है, जबकि कांग्रेस सभी वर्गों को साथ लेकर सामाजिक सद्भाव और समावेशी विकास की राजनीति में विश्वास रखती है। सम्मेलन को कांग्रेस सांसद डॉ. मोहम्मद जावेद, विधायक मनोज विश्वास, अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव , इंजीनियर कमल कमलेश , बैद्यनाथ शर्मा, पंकज यादव, अनुराग चंदन ,हीरा सिंह बग्गा , उदय शंकर पटेल जितेंद्र नाथ पटेल , सुरेश मुखिया, नदीम अंसारी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने भी संबोधित किया।

डोरीगंज के चिरांद में 19वें गंगा महाआरती का हुआ आयोजन

सारण : जिले में डोरीगंज पुरातात्विक स्थल चिरांद के बंगाली बाबा घाट पर ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर 19वें चिरांद चेतना महोत्सव सह गंगा गरिमा रक्षा संकल्प समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि बिहार सरकार के कला-संस्कृति एवं खनन विभाग मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाहक डॉ मोहन सिंह और छपरा विधायक छोटी कुमारी ने संयुक्त रूप से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दीप प्रज्वलित कर किया ।समारोह का मुख्य आकर्षण बनारस से आए 11 बटुकों द्वारा किया गया शंखनाद, मंत्रोच्चार और भजनों के बीच मां गंगा की भव्य महाआरती रही। महाआरती के अलौकिक दृश्य ने वहां उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं को पूरी तरह भक्ति-रस से सराबोर कर दिया।

अमित शाह ने लॉन्च किया एफसीआरए 2.0 पोर्टल और ई-ओसीआई कार्ड

विदेशी अंशदान की होगी रियल टाइम निगरानी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एफसीआरए 2.0 पोर्टल और ई-ओसीआई (इलेक्ट्रॉनिक ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया) कार्ड का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों डिजिटल पहलों से नागरिकों की सुविधाएं बढ़ेंगी, कागजी कार्यवाही कम होगी और विदेशी अंशदान (एफसीआरए) की रियल टा-इम निगरानी सुनिश्चित हो सकेगी।

यहां आयोजित कार्यक्रम में गृह सचिव गोविंद मोहन, विदेश सचिव विक्रम मिसरी, आसूचना ब्यूरो के विशेष निदेशक महेश दीक्षित तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस के विजन के अनुरूप तकनीक के माध्यम से शासन को अधिक पारदर्शी, सरल और सुरक्षित बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एफसीआरए व्यवस्था पहले फाइलों और जटिल प्रक्रियाओं में उलझी हुई थी, लेकिन अब इसका आधुनिकीकरण कर इसे अधिक प्रभावी बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि एफसीआरए 2.0 पोर्टल के जरिए अब आवेदन, नवीनीकरण, वार्षिक विवरणी सहित सभी प्रमुख प्रक्रियाएं पूरी तरह डिजिटल होंगी। इससे भौतिक रूप से दस्तावेज जमा कराने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी तथा ई-साइन आधारित प्रमाणीकरण, ओसीआर (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकग्निशन) आधारित दस्तावेज विश्लेषण और एनजीओ दर्पण सहित विभिन्न सरकारी डाटाबेस से एकीकृत सत्यापन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से विदेशी अंशदान की प्राप्ति और उपयोग पर प्रभावी रियल टाइम निगरानी संभव होगी, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा और सुशासन दोनों मजबूत होंगे।

गृह मंत्री ने कहा कि आने वाले महीनों में एफसीआरए मोबाइल एप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित चैटबॉट और बैंकों के लिए समर्पित ऑनलाइन डैशबोर्ड भी शुरू किया जाएगा।

शाह ने ई-ओसीआई कार्ड को भारतीय मूल के विदेशों में रहने वाले लोगों के लिए बड़ी सुविधा बताते हुए कहा कि इससे 50 लाख से अधिक ओसीआई कार्डधारकों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब 20 वर्ष की आयु के बाद नया पासपोर्ट जारी होने पर ओसीआई बुकलेट दोबारा बनवाने की आवश्यकता नहीं होगी। कार्डधारकों को केवल अपना नया पासपोर्ट विवरण ऑनलाइन अपडेट करना होगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल ओसीआई कार्ड के कारण दस्तावेज खोने या क्षतिग्रस्त होने की समस्या समाप्त होगी और वास्तविक समय में सत्यापन की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

उल्लेखनीय है कि विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के तहत देश में वर्तमान में करीब 14,500 सक्रिय संगठन पंजीकृत हैं। हर वर्ष लगभग 15,000 से 20,000 नए या नवीनीकरण संबंधी आवेदन तथा करीब 17,000 वार्षिक विवरणियां प्राप्त होती हैं। एफसीआरए 2.0 पोर्टल को 'मेघराज' (नेशनल गवर्नमेंट क्लाउड) पर विकसित किया गया है और इसे पैन, आधार, ओसीआई, एनजीओ दर्पण, आईसीएआई की यूडीआईएन प्रणाली तथा बैंकों सहित विभिन्न सरकारी प्रणालियों से जोड़ा गया है। इससे आवेदनों के निपटारे में तेजी आएगी, अनुपालन की निगरानी मजबूत होगी और विदेशी अंशदान के दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सकेगा। वहीं, ई-ओसीआई कार्ड व्यवस्था के तहत आवेदन से लेकर कार्ड जारी होने तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। इससे भौतिक दस्तावेजों की आवश्यकता समाप्त होगी, प्रोसेसिंग समय कम होगा, प्रशासनिक लागत में कमी आएगी और हवाई अड्डों पर डिजिटल सत्यापन के माध्यम से यात्रा अधिक सुगम एवं सुरक्षित बनेगी।

तमिलनाडु सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी : थोल. थिरुमावलवन

एजेंसी

मदुरै। विदुथलाई चिरुथैगल कच्ची (वीसीके) के अध्यक्ष थोल. थिरुमावलवन ने विश्वास जताया है कि तमिलनाडु की मौजूदा सरकार अपना पांच वर्षीय कार्यकाल बिना किसी राजनीतिक संकट के पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल सभी सहयोगी दल अपने वादे और प्रतिबद्धता पर कायम हैं तथा सरकार को पूरा समर्थन दे रहे हैं।

मदुरै जिले के मेलूर में मेलावलवु मुरुगेसन की स्मृति सभा में भाग लेने पहुंचे थिरुमावलवन ने मंगलवार को मदुरै के चिन्ना सिक्किकुलम स्थित एक निजी होटल में पत्रकारों से बातचीत के दौरान विभिन्न राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों पर अपनी राय रखी। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने कहा था कि ₹तीन महीने में चुनाव हो सकते हैं, थिरुमावलवन ने कहा कि उन्हें यह जानकारी नहीं है कि यह टिप्पणी किस संदर्भ में की गई थी। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी में सत्तारूढ़ गठबंधन के सभी दल सरकार के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि वीसीके, वामपंथी दल और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग सरकार को अपना समर्थन जारी रखेंगे। वहीं कांग्रेस भी स्थानीय निकाय और आगामी लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए गठबंधन को और मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्तमान सरकार अपना पूरा कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करेगी। तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) की ओर से बुलाई गई बैठक और संभावित नए राजनीतिक समीकरणों के संबंध में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि बैठक में शामिल होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि वहां किन मुद्दों पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि उन्हें चाय-भोज (टी पार्टी) के लिए आमंत्रित किया गया है और वह पार्टी के महासचिव सिंधनै सेल्वन के साथ बैठक में भाग लेंगे। अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के विधायकों के लगातार इस्तीफों पर प्रतिक्रिया देते हुए थिरुमावलवन ने कहा कि इस विषय पर अटकलें लगाने के बजाय यह समझना जरूरी है कि संबंधित विधायकों ने इस्तीफा क्यों दिया। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुने गए।

स्वस्थ भारत से ही विकसित भारत का निर्माण संभव : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को कहा कि स्वस्थ भारत से ही विकसित भारत का निर्माण संभव है। देश में निवारक स्वास्थ्य देखभाल को अब ज्यादा महत्व दिया जा रहा है, ताकि लोग गंभीर बीमारियों से पहले ही सुरक्षित रह सकें। स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की नींव है और इस दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है।

मंगलवार को जे पी नड्डा इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज(आईएलबीएस)के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए ह्हार्डवेयरह्व और सॉफ्टवेयर दोनों पर समान रूप से ध्यान दिया है। उनके अनुसार, हार्डवेयर का मतलब है अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, जबकि सॉफ्टवेयर का अर्थ है बेहतर नीतियां, प्रशिक्षण और ऐसा शैक्षणिक माहौल जो डॉक्टरों और शोधकर्ताओं को आगे बढ़ने में मदद करे।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 818 हो गई है। इसी तरह एमबीबीएस सीटें लगभग 50 हजार से बढ़कर 1.20 लाख से अधिक हो गई हैं, जबकि पीजी सीटें 30 हजार से बढ़कर 80 हजार से अधिक पहुंच चुकी हैं। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में और 75 हजार नई मेडिकल सीटें जोड़ने का है, जिससे देश में डॉक्टरों की उपलब्धता और बेहतर हो सके।

अपने संबोधन में मंत्री ने यह भी कहा कि आज भारत में 23 एम्स काम कर रहे हैं, जिनमें से कई हाल के वर्षों में शुरू किए गए हैं। यह विस्तार देश में सुपर-स्पेशियलिटी इलाज और मेडिकल शिक्षा को नई दिशा दे रहा है।

स्वास्थ्य सेवाओं पर बात करते हुए उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की भूमिका को अहम बताया। देशभर में 1.85 लाख से अधिक ऐसे केंद्र काम कर रहे हैं, जो लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। यहां बड़ी संख्या में लोगों की ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों की जांच की जा रही है। समय पर जांच से कई मरीजों में बीमारी का शुरूआती चरण में ही पता लग रहा है, जिससे इलाज आसान हो रहा है।

नड्डा ने कहा कि देश में निवारक स्वास्थ्य देखभाल को अब ज्यादा महत्व दिया जा रहा है, ताकि लोग गंभीर बीमारियों से पहले ही सुरक्षित रह सकें। उन्होंने कहा कि स्वस्थ भारत ही विकसित भारत की नींव है और इस दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। आईएलबीएस की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्थान लिवर रोगों के इलाज, शोध और फैटी लिवर जैसी बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह संस्थान न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहा है।

दीक्षांत समारोह में स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि सुपर-स्पेशियलिटी चिकित्सा शिक्षा केवल एक उपलब्धि नहीं है, बल्कि इसके साथ समाज के प्रति बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। उन्होंने नव-डिग्रीधारकों से अपील की कि वे अपने करियर में चिकित्सा नैतिकता, संवेदनशीलता और सेवा भाव को हमेशा बनाए रखें। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों का कार्य केवल इलाज करना नहीं, बल्कि मरीजों के साथ मानवीय व्यवहार रखना भी है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाने में योगदान देने का आह्वान किया।

सीबीआई ने आईडीएफसी बैंक गबन मामले में दो और बैंक अधिकारियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक फंड गबन मामले में दो और बैंक अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में उस समय आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के एरिया हेड शमीम डार और उस समय एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक मोहाली शाखा के प्रबंधक चरणजीत सिंह रंधावा शामिल हैं। सीबीआई की जांच में सामने आया कि दोनों अधिकारियों ने हरियाणा सरकार के विभागों की अधिशेष निधियों को फिक्स्ड डिपॉजिट और फर्जी लेनदेन के जरिए गलत तरीके से निवेश करने में भूमिका निभाई। इस प्रक्रिया से सार्वजनिक धन को शेल कंपनियों में स्थानांतरित किया गया। जांच के दौरान उनके खिलाफ ठोस सबूत मिले, जिसके आधार पर उन्हें गिरफ्तार कर पंचकूला स्थित विशेष न्यायाधीश (सीबीआई) के समक्ष पेश किया जा रहा है। एजेंसी ने बताया कि मामला हरियाणा सरकार के अनुरोध पर राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से सीबीआई को स्थानांतरित किया गया था। धोखाधड़ी चंडीगढ़ स्थित सेक्टर-32 आईडीएफसी फर्स्ट बैंक शाखा में हुई थी, जिसमें आठ सरकारी विभागों के लगभग 504 करोड़ रुपये फर्जी एफडी और डेबिट नोट्स के जरिए चोरी कर लिए गए। इस मामले में अब तक 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है, जिनमें छह बैंक अधिकारी, तीन सरकारी कर्मचारी, दो कंपनियां और छह निजी व्यक्ति शामिल हैं। सीबीआई ने बताया कि उसने चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड (सीएससीएल) और क्रेस्ट चंडीगढ़ से जुड़े दो अन्य मामलों की भी जांच अपने हाथ में ली है। इन मामलों में भी आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं।

मनरेगा के बकाये और नई वीबी-जी राम जी योजना पर खरगे ने सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मनरेगा के बकाया भुगतान, नई विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी योजना (वीबी-जी राम जी) और ग्रामीण रोजगार के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर से जवाब मांगा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा को कमजोर कर दिया है, राज्यों का बकाया नहीं चुकाया है और नई योजना के जरिए राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाला जा रहा है। खरगे ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि लोकसभा में दिए गए एक उत्तर के अनुसार इस साल मार्च तक 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का 17,144.13 करोड़ रुपये बकाया था।

वेनेजुएला में भूकंप से हर तरफ तबाही, हताहतों की संख्या 1,719 पहुंची, हजारों लोग अब भी लापता

एजेंसी

काराकास (वेनेजुएला)। दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के उत्तरी छोर पर स्थित वेनेजुएला में पांच दिन पहले आए दो भूकंपों से भारी विनाश हुआ है। मृतकों की संख्या बढ़कर 1,719 हो गई है। 5,034 लोग घायल हैं और हजारों लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। आफ्टरशॉक और क्षतिग्रस्त इमारतों के कारण अभियान में मुश्किलें आ रही हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल असेंबली अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने सोमवार को बताया कि अब तक कम से कम 1,719 लोगों की मौत हो चुकी है। 5,034 लोग घायल हुए हैं, जबकि बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं। सनद रहे 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंप बुधवार शाम आए थे। इनके झटके पड़ोसी देश कोलंबिया में भी महसूस किए गए। इन्हें पिछले एक सदी में वेनेजुएला में आए सबसे विनाशकारी भूकंप माना जा रहा है। रोड्रिग्ज ने बताया कि अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे का कहना है कि इस बात की 44 प्रतिशत संभावना है कि मरने वालों की कुल संख्या 10,000 या उससे ज्यादा हो सकती है। उन्होंने कहा कि इन झटकों से कम से कम 22,619 लोग प्रभावित हुए हैं। कम से कम 855 इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं, जिनमें से 189 पूरी तरह ढह गईं। उन्होंने कहा कि बुधवार को भूकंप आने के बाद से 609 आफ्टरशॉक (भूकंप के बाद के झटके) आए हैं। इनमें से एक झटका आज सुबह कई लोगों ने महसूस किया।

राहत कार्यों में मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय सहायता समूह वेनेजुएला पहुंच गए हैं। इस आपदा के बाद कई बेघर हुए लोगों के पास रहने के लिए कोई जगह नहीं है। सबसे ज्यादा तबाही ला गुएरा राज्य, राजधानी काराकास और आसपास के इलाकों में हुई है। इजराइल की आपदा राहत टीम मंगलवार को वेनेजुएला के लिए रवाना होगी। यह घोषणा इजराइल के विदेश मंत्रालय ने की।

इस टीम में मंत्रालय के सदस्यों के साथ-साथ इजराइल के होम फ्रंट कमांड के बचावकर्मी भी शामिल होंगे। बाद में नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट अथॉरिटी के विशेषज्ञ भी इसमें शामिल होंगे। वेनेजुएला के लिए यह सहायता इजराइल के लिए अहम है, क्योंकि दोनों देशों के बीच कई सालों से कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं।

काराकास में अधिकारी बुनियादी ढांचों को हुए नुकसान का पता लगाने के लिए ट्रैफिक लाइट सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं। काराकास में मौजूद चाकाओ मेयर ऑफिस ने भूकंप से हुए नुकसान का आकलन करना शुरू कर दिया है। यह काम खासकर लॉस पालोस ग्रांडेस इलाके में किया जा रहा है।

इसके लिए वे ट्रैफिक लाइट सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिन इमारतों पर हरा निशान है, वे रहने लायक हैं। पीला निशान मध्यम नुकसान को दशार्ता है और लाल निशान इसका प्रतीक है कि इमारत में अंदर जाना सुरक्षित नहीं है।

वेनेजुएला में नुकसान हर जगह दिख रहा है। इमारतों के बाहरी हिस्सों में दरारों से लेकर सड़कों पर पड़ी बड़ी-बड़ी दरारों तक। जरूरी जांच-पड़ताल होने तक कुछ इलाके और इमारतें आम लोगों के लिए बंद रखी गई हैं।वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने कहा कि विशेषज्ञ ला गुएरा, मिरांडा और काराकास में यह पता लगाने के लिए मौजूद हैं कि क्या घर रहने लायक हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी बेघर हुए लोगों के लिए नए घर बनाने की योजनाएं भी तैयार कर रहे हैं।

खोज और बचाव अभियान के दौरान कुछ खुशी के पल भी देखने को मिले। मसलन एक नवजात शिशु और तीन दिनों से फंसी एक महिला को सुरक्षित बाहर निकालना। अधिकारियों को उम्मीद है कि विदेशी मदद और बचाव कर्मियों के आने से मानवीय जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। सैटेलाइट रडार डेटा पर आधारित एक रिपोर्ट के अनुसार, नासा के रिसर्चर्स का अनुमान है कि मध्य और उत्तरी वेनेजुएला में आए दो भूकंपों से लगभग 58,870 इमारतें क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गईं। इस रिपोर्ट में भूकंप के असर का पता लगाने के लिए यूरोपियन स्पेस एजेंसी के सेंटिनल-1 सैटेलाइट के रडार का इस्तेमाल किया गया। बताया गया है कि यह ओरेगन यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स कोरी शेर और जैमन वैन डेन होएक का तेज और शुरूआती आकलन है।

एक नजर

रूस की सामूहिक सुरक्षा अवधारणा पर विचार करेंगे खाड़ी के देश

मॉस्को। रूस ने फारस की खाड़ी के लिए जिस अपडेटेड सामूहिक सुरक्षा अवधारणा को इस क्षेत्र के देशों के सामने पेश किया था, उसपर खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के मंत्री समूह की बैठक में चर्चा की जाएगी। जीसीसी फारस की खाड़ी से जुड़े छह अरब देशों- सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कुवैत, कतर, बहरीन और ओमान का राजनीतिक एवं आर्थिक मंच है, जिसका मुख्यालय रियाद में है। रूस के उप विदेश मंत्री जॉर्जी बोरिसेन्को ने प्रमुख समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती को बताया कि जून की शुरूआत में रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा था कि ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल आक्रामकता के कारण क्षेत्र में पैदा हुए संकट के बीच फारस की खाड़ी के लिए रूस के सामूहिक सुरक्षा अवधारणा को अपडेट करते हुए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया गया। इसे ईरान सहित क्षेत्र के कुछ अन्य देशों के सामने पेश किया गया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के अनुसार इस अवधारणा में एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामकता न करने की बात कही गई है और इसमें सैन्य क्षेत्र में पारदर्शिता और विश्वास बढ़ाने के उपाय भी शामिल हो सकते हैं। बोरिसेन्को के मुताबिक रूस के अपडेटेड सामूहिक सुरक्षा अवधारणा को लेकर खाड़ी देशों की शुरूआती प्रतिक्रियाएं मिल चुकी हैं।खाड़ी देश इसके अध्ययन के साथ इसे लागू करने के तौर-तरीकों पर विचार करने के लिए तैयार हैं। अपडेटेड सामूहिक सुरक्षा अवधारणा पर खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) समूह के मंत्रियों की बैठक में चर्चा हो सकती है। बोरिसेन्को ने बताया, हमारे अरब साझेदारों ने पहले ही कहा है कि यह विषय इस बैठक में अहम मुद्दा हो सकता है। ईरान सहित क्षेत्र में अपने सभी साझेदारों के साथ इस पर द्विपक्षीय रूप से चर्चा कर रहे हैं। हम किसी भी ऐसे फॉर्मेट के लिए तैयार हैं जो हमारे अरब और ईरानी दोस्तों के लिए सही हो। उन्होंने कहा कि अगली बैठक की तारीख तय नहीं हुई है लेकिन यह क्षेत्र के किसी देश में होने की उम्मीद है। बहरीन अभी जीसीसी की अध्यक्षता कर रहा है और सऊदी अरब आने वाले समय में इसकी अध्यक्षता संभालेगा। उल्लेखनीय है कि रूस ने ईरान-अमेरिका तनाव के मद्देनजर फारस की खाड़ी के लिए अपना अपडेटेड सामूहिक सुरक्षा अवधारणा पेश किया है। इसमें संप्रभुता का सम्मान, सैन्य पारदर्शिता, होर्मुज जलडमरूमध्य में स्वतंत्र नौवहन और व्यापक आर्थिक-ऊर्जा सहयोग बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है।

सऊदी अरब ने 33 नेपाली कैदियों को दी आममाफी, कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्वदेश लौटेंगे

काठमांडू। सऊदी अरब सरकार ने रमजान 1447 हिजरी (2026) के अवसर पर 33 नेपाली कैदियों को आममाफी दी है। इस पर नेपाल सरकार ने हार्दिक आभार व्यक्त किया है। माफी प्राप्त नेपाली कैदी सऊदी अरब की आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद नेपाल लौटेंगे। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सऊदी अरब सरकार का यह मानवीय कदम दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंध, सद्भावना और द्विपक्षीय सहयोग का प्रतीक है। मंत्रालय के अनुसार यह आममाफी रियाद स्थित नेपाली दूतावास के माध्यम से नेपाल सरकार की ओर से किए गए अनुरोध के बाद प्रदान की गई। विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब सरकार के इस सहयोग और सद्भावना के लिए विशेष धन्यवाद दिया है।

नागरिकता और भूमि स्वामित्व की मांग को लेकर काठमांडू में धरना पर बैठे सुस्ता के निवासी

काठमांडू। नेपाल-भारत की सीमा पर रहे सुस्ता के निवासी सीमा से जुड़े मुद्दों और सुरक्षाकर्मियों द्वारा कथित तौर पर पैदा की जा रही दिक्कतों को लेकर अपनी चिंताएं जताने और नागरिकता प्रमाणपत्र व भूमि स्वामित्व के दस्तावेजों की मांग करने काठमांडू में धरना पर बैठे हैं। सुस्तावासियो का यह समूह सीमा मुद्दे को लेकर हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा की गई सार्वजनिक टिप्पणियों और उसके बाद एक मंत्री के बयानों के बाद संघीय राजधानी पहुंचा है। इन घटनाक्रमों के तुरंत बाद, निवासियों का कहना है कि उन्हें अपने दैनिक जीवन में बढ़ती कठिनाइयों और अनिश्चितता का सामना करना पड़ा, जिसने उन्हें सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए काठमांडू आने पर मजबूर कर दिया। धरना प्रदर्शन के आयोजकों के अनुसार, भारतीय सुरक्षा बलों ने सुस्ता क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय निवासियों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं, जिससे उनकी आवाजाही और बुनियादी सेवाओं तक पहुंच प्रभावित हुई है। उनका दावा है कि लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवादों के कारण कई परिवार उचित नागरिकता दस्तावेजों और अपनी जमीन के कानूनी स्वामित्व से वंचित रह गए हैं। सस्ता निवासियों ने घोषणा की है कि वे आज से काठमांडू के माइतीघर मंडला में शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन शुरू किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं करती, जिनमें नागरिकता प्रमाणपत्रों का तत्काल वितरण और कानूनी दस्तावेजों के माध्यम से भूमि स्वामित्व को आधिकारिक मान्यता देना शामिल है।

रूस को अमेरिका-ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य में शिपिंग सुरक्षा सुनिश्चित करने की उम्मीद

मॉस्को। रूस के उप विदेशमंत्री जॉर्जी बोरिसेन्को ने उम्मीद जताई है कि अमेरिका और ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा (शिपिंग की सुरक्षा) सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाएंगे। बोरिसेन्को ने कहा, ₹हमें उम्मीद है कि अमेरिका और ईरान के बीच हस्ताक्षरित समझौते को सभी मोर्चों पर लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच 14 बिन्दुओं पर हुए समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही भी शामिल है। बोरिसेन्को ने उम्मीद जताई कि विवाद में शामिल सभी पक्ष इस संबंध में व्यापक कदम उठाएंगे। इससे पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस गुरुवार को घोषणा कर चुके हैं कि अमेरिका और ईरान तनाव कम करने और विवादित मुद्दों को सुलझाने के लिए एक संचार चैनल स्थापित करने पर सहमत हुए हैं। इसके बाद, ईरानी प्रसारक प्रेस टीवी ने एक सूत्र का हवाला देते हुए इसकी पुष्टि भी की। सूत्र ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर टकराव को रोकने के लिए इस चैनल की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि 18 जून की रात ईरान और अमेरिका ने एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उद्देश्य 28 फरवरी को शुरू हुए सैन्य संघर्ष को समाप्त करना है।